शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 55 | गुवाहाटी | बुधवार, 20 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सेवा पखवाड़ा के मौके पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित पेज 3
प्रधानमंत्री ने दिया सुझाव, पुराने संसद भवन को संविधान सदन के रूप में जाना जाए पेज 4
स्वस्थ और समर्थ भारत की नींव है पोषण अभियान : मुख्यमंत्री पेज 5
इंडिया गठबंधन का हरियाणा में कोई वजूद नहीं : कंवरपाल पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जिन्हें भाग्य पर विश्वास नहीं होता, उनके कार्य पुरे नहीं होते।
– **आचार्य चाणक्य**

नारी शक्ति वंदन विधेयक, 2023 लोस में पेश

यह हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करेगा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। नई संसद में पहले दिन लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक, 2023 यानी महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया। विधेयक को पेश किए जाने से पूर्व ही प्रधानमंत्री ने सभी दलों से आग्रह किया कि वे विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने में सहयोग दें। विधेयक को केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने पेश किया। यह संविधान का 128वां संशोधन विधेयक होगा। इसके तहत संविधान के अनुच्छेद 330ए, 332, 334ए में बदलाव किया जाएगा। विधेयक के पारित होने पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्ष दिया जाएगा। मेघवाल ने कहा कि विधेयक के अधिनियम बनने के बाद लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या न्यूनतम 181 हो जाएगी। वर्तमान में लोकसभा में 82 महिला सांसद हैं। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को पहले भी लाने का प्रयास किया गया लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर महिला आरक्षण विधेयक लाया गया है। विधेयक में संविधान संशोधन के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, लोकसभा और राज्य विधानसभा में आरक्षण संबंधित प्रावधानों में बदलाव किया जाएगा। साथ ही इसे 15 साल के लिए लाया जाएगा जिसका समय आगे बढ़ाया जा सकता है। विधेयक को पुर:स्थापित करते समय विपक्षी सांसदों की ओर से विधेयक की प्रति प्राप्त नहीं होने का मुद्दा उठाया गया। अध्यक्ष ने सदस्यों से अपने डिजिटल मोनिटर में विधेयक की प्रति देखने को कहा। वहीं संसदीय कार्य राज्यमंत्री ने कहा कि संशोधित कार्यसूची भी सभी सदस्यों को भेज दी गई थी। इस दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने राज्य सभा में महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया। वहीं विपक्षी सदस्यों ने विधेयक पेश करने से जुड़ी प्रक्रिया ठीक से नहीं उठाने के मुद्दे पर शोर-शराबा किया। विधेयक को ध्वनिमत से पेश करने की अनुमति दी गई, लेकिन विपक्ष की ओर से इसके पक्ष में अवाज नहीं उठाई गई। विधेयक पेश करने के बाद सदन की कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के नए भवन में लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि नारीशक्ति वंदन अधिनियम हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करेगा। सामान्य कल्याण के लिए सामूहिक संवाद और कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने लक्ष्यों की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी को संसदीय परंपराओं की लक्ष्मण रेखा का पालन करना चाहिए। हर क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते योगदान को देखते हुए प्रधानमंत्री ने नीति-निर्माण में अधिक महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि राष्ट्र में उनका योगदान और बढ़ सके। उन्होंने सदस्यों से इस ऐतिहासिक दिन पर महिलाओं के लिए अवसरों के दरवाजे खोलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, हमारी सरकार आज एक प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश कर रही है। इस विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार करना है। नारीशक्ति वंदन *-शेष पृष्ठ दो पर*

विधेयक पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सवाल उठाया है। पार्टी के राज्यसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस विधेयक का लाभ महिलाओं को जल्द मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही है। महिला *-शेष पृष्ठ दो पर*

हम खिलाफ हैं : ओवैसी

नई दिल्ली। नए संसद भवन में आज पहले दिन की कार्यवाही में महिला आरक्षण बिल (महिला आरक्षण बिल) को लेकर चर्चा हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में महिला आरक्षण बिल की पुरजोर *-शेष पृष्ठ दो पर*

महिलाओं को दिलाएगा उनका अधिकार : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को उनका हक दिलाएगा। शाह ने मंगलवार को कहा कि देश की महिला शक्ति को उनका अधिकार देने वाली मोदी सरकार का यह निर्णय, आने वाले समय में एक विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण का मुख्य स्तंभ बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत की सनातन संस्कृति के अनुरूप *यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:* को देश के लोकतंत्र में चरितार्थ करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में पेश हुआ नारी शक्ति वंदन *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

हिमंत विश्व शर्मा को कोर्ट में तलब

गुवाहाटी। 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को उत्तराखंड की एक अदालत में पेश होने के लिए बुलाया गया है। समन उत्तराखंड कांग्रेस के प्रवक्ता गणेश उपाध्याय की शिकायत के बाद जारी किया गया था, जिन्होंने दावा किया था कि शर्मा ने फरवरी 2022 में एक सार्वजनिक रैली के दौरान गांधी की वंशावली पर सवाल उठाया था और उनकी मां सोनिया गांधी के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। उपाध्याय ने आगे आरोप लगाया कि शर्मा की टिप्पणियां भड़काऊ और *-शेष पृष्ठ दो पर*

प्रसाद खाने से 132 लोग बीमार

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिले के ढकुआखाना में प्रसाद खाकर हुए बीमार लोगों की संख्या 132 पर पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को नामघर में प्रसाद खाने के बाद से सोमवार तक 105 लोग बीमार पड़ गए थे। यह घटना ढकुआखाना उपमंडल के थेरागुरी 1 नंबर गांव की है। उल्लेखनीय है कि शनिवार की रात गांव के नामघर में भदिया नाम का आयोजन किया गया था। नाम के अंत में पहले की तरह प्रसाद बांटने के बाद *-शेष पृष्ठ दो पर*

छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही : डॉ. शर्मा

रायपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा के दौरान राज्य के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ साजिश रची जा रही है। जब से भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने हैं, राज्य में रोहिंग्या की आमद एक बड़ा मुद्दा बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने (सत्ता में रहने के दौरान) बांग्लादेशियों को अवैध रूप से असम में प्रवेश करने की अनुमति दी। उन्होंने दावा किया कि लाखों बांग्लादेशी असम में रह रहे हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी गुट देश में *हिंदू विरोधी* माहौल बनाने की साजिश रच रहा है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

देश में हिंदू विरोधी माहौल बना रहा इंडिया : हिमंत

सरगुजा। भाजपा की परिवर्तन यात्रा मंगलवार को सूरजपुर जिले में पहुंची। परिवर्तन यात्रा में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हुए। सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा अंतर्गत भैयाथान में परिवर्तन यात्रा की आम सभा को संबोधित करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सनातन संस्कृति के खिलाफ षडयंत्र रचा जा रहा है। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भूपेश बघेल जब से छत्तीसगढ़ के सीएम बने हैं, यहां रोहिंग्या का आना एक बड़ी समस्या बन चुका है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन देश में हिंदू विरोधी माहौल बनाने की साजिश रच रहा है। परिवर्तन यात्रा की आम सभा में असम के मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के एक मुख्यमंत्री के बेटे तमिलनाडु में सनातन धर्म की तुलना बीमारियों से करते हैं। कांग्रेस के एक अन्य मुख्यमंत्री भी हिंदू धर्म को गंभीर बीमारी बताते हैं। कांग्रेस *-शेष पृष्ठ दो पर*

सोनिया और राहुल को अयोध्या ले जाकर दिखाएं, हिमंत की चुनौती

सूरजपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग जारी है। आज छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में एक सार्वजनिक रैली में भाजपा नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कमलनाथ और भूपेश बघेल को आड़े हाथों लेते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कमलनाथ जी और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल कहते हैं कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

फेलोशिप अवॉर्ड तुरंत वापस लें : कांग्रेस

गुवाहाटी। असम के सीएम और भाजपा के फायर ब्रांड नेता हिमंत विश्व शर्मा को सिंगापुर ने ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप से सम्मानित किया है। उनको यह अवॉर्ड विकास के लिए मिला है। जिसके बाद अब कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए फेलोशिप वापस लेने का अनुरोध किया है। दरअसल, रविवार को सीएमओ ने पुष्टि करते हुए बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को समाज सेवा के लिए सिंगापुर ने सम्मानित किया है। सिंगापुर सरकार ने सार्वजनिक सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए शर्मा को ली *-शेष पृष्ठ दो पर*

मीरा पैबी समूह के कारण इंफाल घाटी में जनजीवन प्रभावित

इंफाल। मणिपुर महीनों से हिंसा की आग में जल रहा है। मंगलवार को एकबार फिर मणिपुर के इंफाल घाटी में सामान्य जनजीवन प्रभावित दिखा। मैतेई महिलाओं के एक समूह मीरा पैबी और पांच स्थानीय क्लबों ने गिरफ्तार किए गए पांच युवकों की रिहाई की मांग को लेकर 48 घंटे के बंद का आह्वान किया है। अधिकारियों ने कहा कि वे आग्नेयास्त्र और कैमोफलेज यूनिफार्म पहने हुए थे। सोमवार को मीरा पैबिस ने युवाओं की रिहाई की मांग करते हुए इंफाल पूर्वी जिले के खुरई और कोंगबा, इंफाल पश्चिम जिले के काकवा, बिष्णुपुर जिले के नंबोल और थौबल जिले के कुछ हिस्सों में कई महत्वपूर्ण सड़कों को अवरुद्ध कर दिया था। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को अत्याधुनिक हथियार रखने और कैमोफलेज यूनिफार्म पहनने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने एक बयान में कहा कि पांचों को न्यायिक मजिस्ट्रेट के *-शेष पृष्ठ दो पर*

बेरोजगारों को चार-पांच लाख की सहायता देंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि वह शीघ्र ही असम के बेरोजगारों को 4 से 5 लाख रुपए की एक मुश्त आर्थिक सहायता देने की योजना शुरू करेंगे। इस राशि से बेरोजगार अपने लिए कोई रोजी-रोटी का साधन खड़ा कर पाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने आज मध्य प्रदेश में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बीते असम विधानसभा चुनाव के समय लोगों से वादा किया था *-शेष पृष्ठ दो पर*

खालिस्तानियों को लेकर भारत से कनाडा के रिश्ते बिगड़े

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में खटास दिनों दिन बढ़ती जा रही है। कनाडा सरकार द्वारा भारत को तोड़ने की मंशा रखने वाले अलगाववादी ग्रुप खालिस्तान की खुलेआम गतिविधि पर कोई सख्त कदम न उठाने की वजह से बद से बदतर होते जा रहे हैं। इस कड़ी में खालिस्तान समर्थक एक अलगाववादी नेता की जून में हुई हत्या के तार भारत से जुड़े होने का आरोप लगाकर एक भारतीय अधिकारी को कनाडा द्वारा निष्कासित किए जाने के कुछ ही घंटे बाद, भारत ने *जैसे को तैसा* की कार्रवाई करते हुए एक कनाडाई राजनयिक को मंगलवार को निष्कासित करने की घोषणा कर दी। इससे पहले कनाडा ने भारत के साथ होने वाले भारत-कनाडा प्री-ट्रेड एग्रीमेंट को भी रोक दिया। कनाडा को अमेरिका का तगड़ा सपोर्ट हासिल है। कनेडियन मिलिट्री और अमेरिकन मिलिट्री के बीच बहुत ही क्लोज कोऑपरेशन रहता है। दोनों ही देशों की मिलिट्री ने दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न प्रकार के मिशन को एक साथ मिलकर अंजाम दिया है। लेकिन इस वजह से उसने अपनी मिलिट्री क्षमता को नजरअंदाज किया। 1968 में कनाडा की बनी फोर्स को कनाडियन आर्म्ड फोर्स कहा जाता है। इसके तीन विंग जल, थल और वायु में ऑपरेशन्स को अंजाम देने में प्रशिक्षित हैं। सेना की ताकत का आंकलन करने वाली ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2023 में सैन्य ताकत के *-शेष पृष्ठ दो पर*

जीएसटी और महिलाओं के मुद्दे पर खड़गे-सीतारमण में तीखी बहस

नई दिल्ली। नए संसद भवन में राज्यसभा की पहली बैठक के दौरान ही नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बीच तीखी नोंकझोंक हो गई। ऐसा दो बार हुआ। पहली बार जब खड़गे ने जीएसटी का जिक्र किया और दूसरी बार तब जब उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति की महिलाओं की साक्षरता दर कम है। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को कमजोर महिलाओं को चुनने की आदत है। दोनों ही बार सीतारमण ने खड़गे को तीखे प्रहार किए। खड़गे ने दावा किया कि राज्यों को जीएसटी राशि समय से नहीं मिल रही है। कुछ राज्यों को जीएसटी, मनरेगा, कृषि, सिचाई सहित विभिन्न कार्यक्रमों की अनुदान राशि समय से नहीं मिलती है। क्या इससे ऐसे राज्य कमजोर नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पुरानी संसद बनी संविधान सदन

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नई संसद से पहले कार्यदिवस पर पूर्व संसद का नाम संविधान सदन रखे जाने की घोषणा की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने पुरानी संसद के केंद्रीय कक्ष में लोकसभा अध्यक्ष और राज्य सभा के सभापति से ऐसा करने का आग्रह किया था। संसद के इतिहास में आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा और नई इमारत में संसद के दोनों सदनों की पहली कार्यवाही संचालित की गई। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अब इसी नई इमारत को भारत की संसद के तौर पर जाना जाएगा। पिछली इमारत को अब संविधान सदन के तौर पर जाना जाएगा। आज सुबह संसद के भीतरी प्रांगण में एक फोटो सेशन आयोजित किया गया। इसके बाद केंद्रीय कक्ष (वर्तमान में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष) में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा

अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के नेता पीयूष गोयल, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी मंच पर मौजूद रहे। इन्होंने अपना संबोधन दिया। इसके अलावा वरिष्ठतम सदस्य के तौर पर भाजपा नेत्री मेनका गांधी का भी उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम के बाद सभी सांसद नए भवन की ओर बढ़े। यहां पहले लोकसभा की कार्यवाही हुई। इसमें लोकसभा अध्यक्ष के वक्तव्य के बाद प्रधानमंत्री का उद्बोधन रहा। प्रधानमंत्री ने पक्ष-विपक्ष को आचरण के आधार पर आंकते हुए कहा कि आने वाले समय में हमारा बर्ताव ही बताएगा की कौन कहां बैठेगा। उन्होंने कहा कि भले ही हमारा विचार और विमर्श अलग हो लेकिन हमारे संकल्प एक हैं। इसी एकजुटता को नई संसद में हमें बढ़ाना चाहिए। हमें परंपराओं की लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए। इसके बाद प्रधानमंत्री ने महिला नेतृत्व विकास का उल्लेख करते हुए अपनी सरकार के दौरान इस दिशा में हुए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन इतिहास में दर्ज होने जा रहा है। आज महिला आरक्षण विधेयक पेश होने जा रहा है। महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने सभी पार्टियों से इसे सर्वसम्मति से पारित करने का अनुरोध किया। इसके बाद लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किया गया। विधेयक पेश किए जाने के बाद कार्यवाही को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया।

तीन शव बरामद

गुवाहाटी। जीएमसीएच चिकित्सक ने सूचना दी है कि दो अज्ञात शव मुरदाघर में है। इन दोनों की मृत्यु जीएमसीएच में हो गई है, जिनमें से एक की उम्र लगभग 45 और दूसरे की 50 वर्ष है। इसकी जानकारी भांगागढ़ पुलिस को दे दी गई है। हासिनुर अली जो 36 वर्ष का था और नगांव स्थित सामागुड़ी के अब्दुल हनीफ का पुत्र था। वह 13 सितंबर, 2023 को जीएमसीएच में भर्ती हुआ था और 15 सितंबह, 2023 को उसकी मृत्यु हो गई है। इसकी मृत्यु की सूचना भांगागढ़ थाने को दी गई है।

लश्कर कमांडर उजैर खान सहित दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (हि.स.)। अनंतनाग जिले के गडोले वन क्षेत्र में पिछले सप्ताह शुरू हुए आतंक रोधी अभियान में मारे गए दो आतंकवादियों में लश्कर कमांडर उजैर खान भी शामिल है। तीसरे आतंकी की तलाश जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि लश्कर कमांडर उजैर खान का शव मुठभेड़ स्थल से बरामद कर लिया गया है, जबकि एक अन्य शव वहां पड़ा हुआ है। एक सवाल के जवाब में एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि उन्हें इलाके में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में इनपुट मिला था। उन्होंने कहा कि तीसरे आतंकवादी की तलाश के लिए इलाके में अभियान जारी है। पिछले सप्ताह बुधवार से अनंतनाग के गंडोले के पहाड़ी व जंगल क्षेत्र में जारी मुठभेड़ में अभी तक दो आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया है।

पूर्व सांसद रानी से सीएम विजिलेंस ने की पूछताछ

गुवाहाटी (हिंस)। सीएम विजिलेंस ने वर्ष 2013-14 में सांसद निधि में घोटाला करने के आरोप में कांग्रेस की पूर्व सांसद रानी नरह से आज एक घंटे तक पूछताछ की। सांसद रानी नरह को सीएम विजिलेंस ने पूछताछ के लिए समन भेजकर मंगलवार को बुलाया था। दरअसल, जोरहाट जिले में चापाकल लगाने के नाम पर घोटाला करने का आरोप सांसद पर लगा था। इसके लिए उनके खिलाफ वर्ष 2017 में एक मामला दर्ज किया गया था। वर्ष 2019 में भी सीएम विजिलेंस ने उन्हें समन किया था।

दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव के पचतिया उषा चरिआली पर एक नृशंस हत्या की घटना घटी है। एक माह के बच्चे की मां के साथ बदमाशों ने बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। यह घटना मंगलवार को प्रकाश में आई, जब महिला का शव घर के अंदर संदिग्ध हालत में मिला। स्थानीय लोगों को संदेह है कि महिला के साथ बलात्कार किया गया होगा और उसके बाद उसके बच्चों के सामने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई होगी। यह घटना उस समय हुई जब महिला का पति गोदाम में रात में नाइट गार्ड की ड्यूटी पर तैनात था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया।

दिहिंग-पाटकाई नेशनल पार्क में हुई गोलीबारी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। दिहिंग-पाटकाई राष्ट्रीय उद्यान में लकड़ी तस्करों के साथ फॉरेस्ट गार्डों की मुठभेड़ होने की सूचना है। असम-अरुणाचल सीमा क्षेत्र में लकड़ी माफिया और वन अधिकारियों के बीच मुठभेड़ हुई। वन विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि गोलीबारी की यह घटना सोमवार को हुई। बताया जाता है कि वन संरक्षकों देखते ही तस्करों ने गोलीबारी शुरू कर दी। वन विभाग की जवाबी गोलीबारी में एक तस्कर घायल हो गया। हालांकि, तस्कर भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने घटनास्थल से एक बंदूक और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। यह घटना नेशनल पार्क के जयपुर रेंज के शुकानजुरी में हुई।

झाड़बाड़ी फॉरेस्ट रेंजर विवेकानंद पाठक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ मुठभेड़ के मामले में झाड़बाड़ी फॉरेस्ट रेंजर विवेकानंद पाठक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार पुलिस ने रेंजर विवेकानंद पाठक को कोकराझाड़ जिले में दो दिन पहले हुए मुठभेड़ के मामले में रेंजर को गिरफ्तार किया है। ज्ञात हो कि इस मामले में नामजद अन्य दो वन अधिकारी फिलहाल फरार हैं। फरार तरुण ब्रह्म और खगेन बसुमतारी को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है। उल्लेखनीय है कि रविवार की रात वन कर्मियों ने हेमंत नार्जारी नामक एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक पर लकड़ी तस्करी का आरोप लगाया गया था। इस मौत को लेकर स्थानीय लोगों ने हो हल्ला मचाया था। इसके बाद मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रेट स्तर की जांच की घोषणा की गई थी। कोकराझाड़ के जिला मजिस्ट्रेट जीतुराज गोगोई को एक सप्ताह एक सप्ताह के अंदर मामले की जांच करके रिपोर्ट देने को कहा गया था। जांच के दौरान मजिस्ट्रेट से हरी झंडी मिलने के बाद फॉरेस्ट रेंजर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस संदर्भ में कानूनी कार्रवाई जारी है।

झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में डूबने से सात लड़कियों की मौत

गिरिडीह/साहेबगंज (हि.स.)। झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में जलाशयों में नहाने के दौरान सात लड़कियां डूब गयीं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहली घटना गिरिडीह के पचंबा थाना इलाके के की है, जहां बुड़वाआहर तालाब में मंगलवार सुबह कर्मा पूजा के मिट्टी लाने गई चार बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इस दौरान डूबने से बची एक अन्य बच्ची की हालत काफी गंभीर है। बताया जाता है कि हन्डाडीह की रहने वाली कुछ बच्चियां कर्मा पूजा के लिए मिट्टी लाने के लिए पचंबा के बुड़वाआहर तालाब में गई हुई थी। इस दौरान पांच बच्चियां तालाब में डूब गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों के प्रयास से एक बच्ची को बाहर निकाल लिया गया लेकिन चार बच्चियों की मौत हो गई। दूसरी घटना में साहिबगंज जिले में नदी में नहाते समय तीन लड़कियां डूब गयीं। बरहेट थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि घटना बरहेट थाना क्षेत्र के खेरवा गांव में सोमवार दोपहर को हुई जब तीन लड़कियां नहाने के लिए गुमानी नदी में उतरीं लेकिन गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। कुमार के मुताबिक, मृतक लड़कियों की पहचान मंतसा परवीन (10), सीमा खातून (11) और सिमन खातून (15) के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि तीनों लड़कियां एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गांव आई थीं। ग्रामीणों की मदद से शवों को नदी से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पृष्ठ एक का शेष

नारी शक्ति वंदन ...

अधिनियम हमारे लोकतंत्र को और मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने देश की तमाम महिलाओं को आश्वस्त किया वह इस विधेयक को कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने दोनों सदनों से विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कराने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज नए संसद भवन में ऐतिहासिक पहला सत्र है। इस अवसर पर उन्होंने अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अमृतकाल की सुबह है क्योंकि भारत नई संसद भवन की ओर अग्रसर होकर भविष्य के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने विज्ञान क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलताओं और जी-20 के संगठन तथा वैश्विक स्तर पर इसके प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए एक अनूठा अवसर उपस्थित हुआ है और इसी आलोक में देश का नया संसद भवन आज क्रियाशील हो रहा है। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान गणेश समृद्धि, शुभता, कारण और ज्ञान के देवता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह संकल्पों को पूरा करने और नए उत्साह और ऊर्जा के साथ नई यात्रा शुरू करने का समय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज क्षमा का पर्व संवत्सरी भी है। यह त्योहार किसी भी जानबूझकर और अनजाने कृत्यों के लिए क्षमा मांगने के बारे में है जिससे किसी को ठेस पहुंची हो। प्रधानमंत्री ने भी त्योहार की भावना से सभी को मिच्छामि दुक्कडं कहा और अतीत की सभी कड़वाहटों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने को कहा। प्रधानमंत्री ने पुराने और नए के बीच एक कड़ी और स्वतंत्रता की पहली रोशनी के साक्षी के रूप में पवित्र सेंगोल की उपस्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र सेंगोल को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने स्पर्श किया था। मोदी ने कहा कि इसलिए सेंगोल हमें हमारे अतीत के एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्से से जोड़ता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई इमारत की भव्यता अमृतकाल का अभिषेक करती है और उन श्रमिकों और इंजीनियरों की कड़ी मेहनत को याद करती है जो महामारी के दौरान भी इमारत पर काम करते रहे। प्रधानमंत्री ने पूरे सदन में इन श्रमिकों और इंजीनियरों के लिए तालियां बजाईं। उन्होंने बताया कि 30 हजार से अधिक श्रमिकों ने निर्माण में योगदान दिया और श्रमिकों का पूरा विवरण देने वाली एक डिजिटल पुस्तक की उपस्थिति का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सेवा करने के लिए संसद सर्वोच्च पद है। उन्होंने रेखांकित किया कि सदन किसी राजनीतिक दल के लाभ के लिए नहीं है, बल्कि केवल राष्ट्र के विकास के लिए है। सदस्य के रूप में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपने शब्दों, विचारों और कार्यों से संविधान की भावना को बनाए रखना चाहिए। मोदी ने अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि प्रत्येक सदस्य सदन की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरेगा और उनके मार्गदर्शन में काम करेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सदन में सदस्यों का व्यवहार उन कारकों में से एक होगा जो यह निर्धारित करेगा कि वे सत्ता पक्ष का हिस्सा होंगे या विपक्ष का क्योंकि सभी कार्यवाही जनता की नजरों में हो रही है। समाज के प्रभावी परिवर्तन में राजनीति की भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष से लेकर खेल तक के क्षेत्रों में भारतीय महिलाओं के योगदान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने याद किया कि कैसे दुनिया ने जी-20 के दौरान महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा को अपनाया था। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार के कदम सार्थक रहे हैं। जनधन योजना के 50 करोड़ लाभार्थियों में से अधिकतर खाते महिलाओं के हैं। उन्होंने मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना जैसी योजनाओं में महिलाओं के लिए लाभ का भी उल्लेख किया। यह देखते हुए कि किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में एक समय ऐसा आता है जब इतिहास रचा जाता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का अवसर भारत की विकास यात्रा में वह क्षण है जब इतिहास लिखा जा रहा है। महिला आरक्षण पर संसद में हुई चर्चा और विचार-विमर्श पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि इस मुद्दे पर पहला विधेयक पहली बार 1996 में पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि अटल जी के कार्यकाल में इसे कई बार सदन में पेश किया गया था लेकिन महिलाओं के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए अपेक्षित संख्या में समर्थन नहीं जुटा सकी। मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि भगवान ने मुझे इस काम को पूरा करने के लिए चुना है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संसद में महिलाओं के आरक्षण विधेयक को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि 19 सितंबर 2023 का यह ऐतिहासिक दिन भारत के इतिहास में अमर रहेगा।

विधेयक पर कांग्रेस ...

आरक्षण को लेकर मोदी सरकार की नीति और नीयत समझ के परे है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक में साफ लिखा है कि महिला आरक्षण, जनगणना और परिसीमन के बाद ही हो सकता है। ऐसे में सरकार को साफ करना चाहिए इस आरक्षण का लाभ महिलाओं को कबतक मिल पाएगा। वेणुगोपाल ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण के तहत एससी, एसटी का आरक्षण तो ठीक है लेकिन ओबीसी भी आरक्षण का इंतजार कर रहा है। इसके साथ सरकार कब न्याय करेगी ?

हम खिलाफ हैं...

वकालत की। पीएम मोदी के भाषण के बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने महिला आरक्षण बिल को लोकसभा में पेश किया। महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में आईएमआईएम (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आप किसे प्रतिनिधित्व दे रहे हैं ? जिनका प्रतिनिधित्व नहीं है उन्हें प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। इस विधेयक में बड़ी खामी यह है कि इसमें मुस्लिमों के लिए कोई कोटा नहीं है। इसलिए हम इस बिल के खिलाफ हैं।

महिलाओं को दिलाएगा...

अधिनियम एक ऐसा निर्णय है, जिससे हमारी नारी शक्ति को सही मायने में उनका अधिकार मिलेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि चाहे नीति हो या नेतृत्व, भारत की नारी शक्ति ने साबित किया है कि वे किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मानना है कि नारी शक्ति के सहयोग और सामर्थ्य के बिना एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण संभव नहीं है।

छत्तीसगढ़ में सनातन...

उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल कहते हैं कि वह गौमाता की पूजा करते हैं। हम चाहते हैं कि आप कहें कि आप हिंदू हैं और हिंदू के प्रति समर्पित हैं। बच्चों को पढ़ाई के लिए मदरसों में भेजने का विरोध करते हुए शर्मा ने कहा कि उन्होंने असम में मदरसे बंद किए हैं। अब हमारी मुस्लिम बेटी हमारे स्कूलों में जाती है। इस बार असम में बड़ी संख्या में मुस्लिम बेटियों ने मेडिकल परीक्षा पास की है। हम हिंदू-मुसलमान नहीं देखते, बल्कि हम अपनी बेटियों का विकास और शिक्षा देखते हैं। भ्रष्टाचार को लेकर राज्य में सत्ताधारी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि भूपेश बघेल ने असम और हिमाचल प्रदेश चुनावों (में कांग्रेस के लिए) जो पैसा निवेश किया था, उसका इस्तेमाल छत्तीसगढ़ में आदिवासियों को सशक्त बनाने के लिए क्यों नहीं किया। शर्मा ने मंगलवार को भटगांव (सूरजपुर जिला) और नवागढ़ विधानसभा (बेमेतरा जिला) निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की परिवर्तन यात्रा में हिस्सा लिया।

देश में हिंदू विरोधी...

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे कहते हैं कि हिंदू धर्म को दुनिया से खत्म हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म 5 हजार साल पहले से भारत में है। जब तक चांद और सूरज रहेगा, तब तक हिंदू धर्म रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमारे धर्म का सर्वनाश करने के लिए पूरे देश में षडयंत्र किया। बांग्लादेशियों के लिए देश की समीएं खोल दी गईं। आज असम में लाखों बांग्लादेशी बसे हुए हैं। आज छत्तीसगढ़ में रोहिंग्या आने शुरू हुए हैं। एक बार जब रोहिंग्या आते हैं, तो फिर थमते नहीं हैं, बल्कि भरते जाते हैं। छत्तीसगढ़ से असम के चाय बगान में काम करने के लिए जाने वालों में भी कांग्रेस ने धर्मांतरण का ड्रामा शुरू कर दिया है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बोलते हैं कि वे गौ माता की पूजा करते हैं। वे बोलें कि हम हिंदू हैं और हिंदुओं के लिए समर्पित हैं। कांग्रेसी बाबर की राजनीति करते हैं। वे रामलला के दर्शन करने नहीं जाएंगे। हमें रामराज्य बनाना है। यही भाजपा और कांग्रेस के बीच का अंतर है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह और लोगों के प्रेम को देखते हुए यह दावा कर सकता हूं कि छत्तीसगढ़ में दोबारा कमल खिलेगा, यहां भाजपा की सरकार बनेगी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था और यहां भाजपा की सरकार ने छत्तीसगढ़ का नवनिर्माण किया। लेकिन अभी देश में छत्तीसगढ़ की पहचान विकास के लिए नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोटालों के लिए है। उन्होंने देशभर में छत्तीसगढ़ को बदनाम किया। छत्तीसगढ़ में परिवर्तन की जरूरत है। छत्तीसगढ़ का नाम शिक्षा, संस्कृति और विरासत के लिए जाना जाना चाहिए। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जहां भी चुनाव होते हैं, कांग्रेस भूपेश बघेल को भेजती है। भूपेश बघेल असम के चुनाव में वहां एक माह रहे, हिमाचल प्रदेश में भी रहे। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के साथियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से पैसा लाना होता है, इसलिए भूपेश बघेल को भेजा है। असम के तमाम कांग्रेस के लोगों ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने हमें रूपया दिया। शर्मा ने कहा कि ये पैसा असम और हिमाचल में निवेश करने के बजाय यहां के भाई-बहनों के उत्थान के लिए खर्च किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश और असम में लाडली बहनों को 1,250 रुपए की राशि प्रतिमाह दी जा रही है। तेलंगाना में राहुल गांधी कहते हैं कि सरकार बनी, तो बहनों को 2500 रुपए प्रतिमाह भेजेंगे। छत्तीसगढ़ में तो उसकी सरकार है, तो यहां वे क्यों पैसे नहीं दे रहे हैं। शर्मा ने कहा कि धान की खरीदी के लिए केंद्र सरकार 2100 रुपए दे रही है, उनके बारे में भूपेश नहीं बोलते, वे सिर्फ 600 देते हैं। मंगलवार को भाजपा की परिवर्तन यात्रा प्रतापपुर से भटगांव होते हुए भैयाथान पहुंची। भैयाथान की आमसभा को नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व सांसद रामविचार नेताम भाजपा की प्रत्याशी लक्ष्मी राजवाजे ने भी संबोधित किया।

सोनिया और राहुल को ...

वे भी हिंदू हैं। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर वे हिंदू हैं, तो उन्हें राहुल गांधी और सोनिया गांधी को एक बार अयोध्या के राम लला मंदिर में ले जाना चाहिए। वहीं पत्रकारों से बात करते हुए असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बदलाव होगा, राज्य की जनता पीएम मोदी को सरकार बनाने का मौका देगी...विपक्ष को अटल बिहारी वाजपेयी से सीखना चाहिए नेहरू सरकार और उन्होंने भारत की प्रशंसा की। आज, जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो वे देश को गाली देते हैं...।

फेलोशिप अवॉर्ड तुरंत...

कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप से सम्मानित किया। जिसके बाद अब मंगलवार को असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सिंगापुर के ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को दी गई फेलोशिप को *वापस लेने* का आग्रह किया है। असम कांग्रेस भूपेन कुमार बोरा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता भारतीय राजनीति में जो कुछ भी गलत है, उसके पक्ष में खड़े हैं। संस्थान के डीन को लिखे एक खुले पत्र में बोरा ने कहा कि मैं असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी द्वारा ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप प्रदान करने के फैसले से चकित हूं। सिंगापुर के पिता ली कुआन यू एक अनुकरणीय राजनेता थे, जिन्होंने जीवनभर ईमानदारी, कड़ी मेहनत और सभ्यता का प्रदर्शन किया। दूसरी ओर हिमंत विश्व शर्मा उन सभी चीजों के विपरीत उदाहरण पेश करते हैं, जिनके लिए ली कुआन यू खड़े थे। वास्तव में वह भारतीय राजनीति में जो कुछ भी गलत है, उसके पक्ष में खड़े हैं। इसलिए मैं एलकेवाईएसपीपी की प्रतिष्ठित संस्था से आग्रह करता हूं कि वह ऐसे राजनेता को दिया गया यह प्रतिष्ठित फेलोशिप पुरस्कार तुरंत वापस ले। पूरी कांग्रेस को चंद्रमा पर भेज देंगे, वहीं सरकार बनाओ, बैन लगाओ...मीडिया सेंसरशिप पर बोले असम सीएम हिमंत विश्वपूरी कांग्रेस को चंद्रमा पर भेज देंगे, वहीं सरकार बनाओ, बैन लगाओ...मीडिया सेंसरशिप पर बोले असम सीएम हिमंत विश्व। आपको बता दें कि भाजपा नेता यह सम्मान पाने वाले असम के पहले मुख्यमंत्री बने। यह फेलोशिप व्यक्तियों को उनके राष्ट्र के विकास और सिंगापुर के साथ द्विपक्षीय संबंधों में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान की जाती है।

मीरा पैबी समूह ...

सामने पेश किया गया और पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। ऑल लंगथाबल केंद्र यूनाइटेड क्लब्स कोऑर्डिनेटिंग कमेटी के अध्यक्ष युमनाम हिटलर ने कहा कि गिरफ्तार किए गए पांचों युवक गांव के नागरिक और स्वयंसेवक हैं जो कुकी आतंकवादियों के हमलों से अपने संबंधित गांवों की रक्षा कर रहे हैं क्योंकि सुरक्षा बल अपना काम ठीक से करने में विफल रही है। हम चाहते हैं कि उन्हें बिना शर्त रिहा किया जाए। ऑल लंगथाबल केंद्र यूनाइटेड क्लब्स कोऑर्डिनेटिंग कमेटी के अध्यक्ष युमनाम ने आगे की जानकारी देते हुए कहा कि अगर सरकार उन्हें रिहा करने में विफल रहती है तो आंदोलन तेज हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को पांच युवकों की रिहाई की मांग करते हुए पोरोम्पैट पुलिस स्टेशन पर धावा बोलने की कोशिश की थी। जिसके बाद सुरक्षा बलों को कई राउंड आंसू गैस के गोले दागने पड़े। गतिरोध के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों और एक आरएएफ कर्मी को मामूली चोटें आईं थी।

बेरोजगारों को चार-पांच...

कि उनकी सरकार बनी तो एक लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। उनकी सरकार बनने के 1 साल के अंदर 1 लाख लोगों को नौकरियां दे दी गई। अगले 3 वर्षों में और एक लाख लोगों को असम में सरकारी नौकरियां देने की घोषणा मुख्यमंत्री डॉक्टर शर्मा ने की है। उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में जहां बेरोजगारों को ढाई हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता दे रही है, वहीं छत्तीसगढ़ में यह नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि छत्तीसगढ़ की जनता के साथ इस तरह की नाइंसाफी क्यों ? मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में सरकार बनने के बाद यहां चल रहे विकास के कार्यों को जारी रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की यह कहते हुए निंदा की कि छत्तीसगढ़ का पैसा दूसरे राज्यों के चुनाव में खर्च करना सही नहीं है। अपने संबोधन में उन्होंने जहां भाजपा की केंद्र और राज्यों की सरकारों द्वारा किए जा रहे अनेक विकास संबंधी कार्यों की चर्चा की। वहीं, उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस की इस दौरान जमकर निंदा की।

खालिस्तानियों को लेकर...

मामले में भारत दुनिया में चौथे पायदान पर रहा। वहीं कनाडा की आर्मी 20वीं सबसे बड़ी सेना है। भारत के पास करीब 1.4 मिलियन सैनिक हैं जबकि कनाडा के पास केवल 71 हजार सैनिक ही हैं। भारत की तरफ से अपनी सेना पर करीब 69 बिलियन डॉलर का खर्च किया जा रहा है। वहीं कनाडा की तरफ से अपनी जीडीपी का बेहद ही छोटा हिस्सा सेना पर लगाया जा रहा है। ये करीब 36.7 बिलियन डॉलर के आसपास है। इसके अलावा कनाडा को सेना में भर्ती के लिए लोग भी नहीं मिल रहे हैं। पिछले साल ट्रूडो सरकार की तरफ से भी सेना में भर्ती के लिए युवाओं से अपील की गई थी। कनाडा ने शीत युद्ध के दौरान नाटो की संधि के तहत परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किया था। इस नियम के तहत कनाडा विकसित देश भी घातक हथियार के बगैर है। इसमें जिक्र है कि कनाडा पर कोई खतरा हुआ तो परमाणु संपन्न देश उसकी मदद करेंगे।

जीएसटी और महिलाओं ...

भाजपा सिर्फ लोकतंत्र की बात करती है, लेकिन कई राज्यों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को उसने गिरा दिया। वित्त मंत्री सीतारमण ने पलटवार करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष का बयान तथ्यात्मक रूप से गलत है। केंद्र सरकार ने उधार लेकर राज्यों को जीएसटी का भुगतान किया है। राज्यों को हर बार एक दो महीने एडवांस में भी जीएसटी का भुगतान किया गया। किसी भी राज्य का कोई भी जीएसटी पैसा केंद्र पर बकाया नहीं है। खड़गे ने कहा कि अनुसूचित जाति की महिलाओं की साक्षरता दर कम है। यही कारण है कि राजनीतिक दलों को कमजोर महिलाओं को चुनने की आदत है। वे उन लोगों को नहीं चुनते, जो शिक्षित हैं और लड़ सकती हैं। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि हम विपक्ष के नेता का सम्मान करते हैं, लेकिन यह व्यापक बयान देना कि सभी पार्टियां उन महिलाओं को चुनती हैं जो प्रभावी नहीं हैं, बिल्कुल अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री जी, हमारी पार्टी ने हम सभी को सशक्त बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक सशक्त महिला हैं। नोंकझोंक के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने दोनों नेताओं को शांत कराया और मामले से जुड़ दस्तावेज पेश करने को कहा। दोनों ने कहा कि वे आज ही अपने दावों के समर्थन में संबंधित दस्तावेज सदन के पटल पर रखेंगे।

हिमंत विश्व शर्मा ...

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम का दुरुपयोग थीं। रैली के दौरान, शर्मा ने कहा कि भारत ने जनरल बिपिन रावत के नेतृत्व में पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक की थी और राहुल गांधी ने स्ट्राइक का सबूत मांगा था। इसके बाद उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस नेता से कभी अपने वंश को साबित करने के लिए कहा गया था। इन आरोपों के समाधान के लिए सीएम शर्मा को 21 सितंबर को अदालत में पेश होना होगा।

प्रसाद खाने से ...

नामघर में मौजूद गांव के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस बीच कुछ लोग नामघर से प्रसाद अपने घर ले गये और घर के अन्य सदस्यों ने भी इसे ग्रहण किया। बाद में धीरे-धीरे लोग बीमार होना शुरू हुए और चरणबद्ध तरीके से आज तक 132 लोग बीमार पड़ गए।

खेत में करंट लगने से एक मजदूर की चिरांग में मौत

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बिजनी के कुकलुंग में 12 नंबर नतुन माटी गांव में आज एक दर्दनाक हादसा हुआ। जंगली हाथियों के आतंक से खेत को बचाने के लिए अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मजदूर की पहचान 28 वर्षीय भुवन बर्मन के रूप में हुई है। खबरों के अनुसार, इलाके के खर्गेश्वर रॉय नामक एक व्यक्ति ने जंगली हाथियों के खतरे से अपने खेत को बचाने के लिए अपनी कृषि भूमि पर अवैध रूप से बिजली के तार की बाड़ लगा दी थी। जब मृतक भुवन बर्मन खड़गेश्वर राय की कृषि भूमि होते हुए अपने घर जा रहे थे, इसी दौरान बिजली की चपेट में आ गये। बिजली के अवैध तार की चपेट में आने से युवा मजदूर भुवन बर्मन की मौत हो गई। मंगलवार तड़के करंट लगने से हुई मजदूर की मौत की खबर सामने आने के तुरंत बाद पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल भेज दिया। घटना के सिलसिले में खर्गेश्वर राय को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेवा पखवाड़ा के मौके पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा ने भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की जयंती के अवसर पर *सेवा पखवाड़ा* कार्यक्रम चला रही है। भारतीय जनता पार्टी ने इसी बीच भारत के प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के अवसर पर एक विशेष *सेवा पखवाड़े* की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी राज्यों को इस विशेष कार्यक्रम के लिए निर्देश भेज दिए हैं। इस निर्देश के अनुसार भारतीय जनता पार्टी की असम प्रदेश समिति ने कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू हो चुका *सेवा पखवाड़ा* कार्यक्रम दो अक्तूबर को समाप्त होगा। भाजपा असम प्रदेश समिति द्वारा शुरू किए गए सेवा पखवाड़े कार्यक्रम इस प्रकार हैं- 17 सितंबर को असम प्रदेश मुख्यालय

में नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर का प्रदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है कि सेवा पखवाड़े के अनुरूप 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा *प्रधानमंत्री विश्वकर्मा* योजना का उद्घाटन इसी बीच किया जा चुका है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल गुवाहाटी में और केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली असम में योजना के उद्घाटन समारोह में डिब्रूगढ़ में मौजूद थे। *आयुष्मान भव* सप्ताह 17 सितंबर से 24 सितंबर तक पूरे असम में चलेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के उपाय किए गए। साथ ही आयुष्मान कार्डों को पंजीकृत करने और इन कार्डों को हिताधिकारियों में वितरित करने के उपाय किए गए। 18 से 24 सितंबर तक भारतीय जनता युवा मोर्चा की पहल के तहत असम के हर जिले में नि: शुल्क रक्तदान शिविर कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। 18 से 24 सितंबर तक, असम के हर जिले में भाजपा महिला मोर्चा की पहल, जिला भाजपा की देखरेख में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। चाय जनजाति मोर्चा के सहयोग से असम के चाय बागानों में भी स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। 25 सितंबर को भाजपा असम में हर बूथ स्तर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाएगी। अगले दिन इस कार्यक्रम के क्रम में उनकी फोटो पर माल्यार्पण कर दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व, कृतित्व और निर्णयों पर आधारित कार्यक्रम करेंगे। असम में 26 सितंबर से एक अक्तूबर तक द्वितीय स्तरीय बूथ सशक्तिकरण अभियान चलेंगे। 25 सितंबर से 2 अक्तूबर तक असम के अनुसूचित जाति बहुल इलाकों में भाजपा का कार्यक्रम है। अल्पसंख्यक क्षेत्रों में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, आदिवासी बहुल इलाकों में आदिवासी मोर्चा की पहल के तहत *ग्राम संपर्क* अभियान चलाया जाएगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पावन जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर को सेवा पखवाड़ा के अंतिम कार्यक्रम के रूप में भाजपा ने असम प्रदेश के प्रत्येक बूथ पर सार्वजनिक स्थानों पर *स्वच्छता अभियान* कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है।

कोकराझाड़ में अमृत कलश यात्रा को लेकर सभा आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन की ओर से देश भर में चलाए जा रहे *मेरी माटी मेरा देश* के हिस्से के रूप में *अमृत कलश यात्रा* के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए आज एक बैठक आयोजित की। बैठक में मातृभूमि को श्रद्धांजलि देने और देश के लोगों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए *मेरी माटी मेरा देश* उत्सव पर चर्चा की गई। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आपको ये उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए। देश की सरकार ने देश के प्रत्येक परिवार से एक मुट्ठी जमीन इकट्ठा करके अक्तूबर में ग्राम पंचायत कार्यालय में जमा करने का निर्णय लिया है। वहां एक सभा भी होगी। बैठक में पूर्व सैन्य अधिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा। फिर विभिन्न चरणों के माध्यम से मिट्टी को दिल्ली भेजा जाएगा, जहां *अमृत बाटिका* या *अमृत उद्यान* की स्थापना की जाएगी। बैठक में इस संबंध में जनता से सहयोग मांगा गया। बैठक में कोकराझाड़ जिले की सहायक आयुक्त रीमा तृष्णा हेली ने भाग लिया, जिन्होंने नवंबर से शुरू होने वाले मुख्यमंत्री के ध्वजारोहण कार्यक्रम *खेल महारण* के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कोकराझाड़ जिले में चार आयोजनों में होने वाले *खेल महारण* और पंजीकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया। जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी ने भी सभी से सहयोग मांगा की बैठक में जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी, बीटीआर के कार्यकारी सदस्य रेवरेवा नार्जारी, विधायक जीरन बसुमतारी, एमसीएलए राजीव ब्रह्मा, रहिन्द्र बसुमतारी, गोसाईगाँन उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अरण्यक सैकिया और परबतझोरा के कार्यवाहक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट देब ज्योति गोगोई, कोकराझाड़ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा ब्रह्म ने भाग लिया। और कोकराझाड़ जिले के अतिरिक्त आयुक्त, कार्यकारी आयुक्त, विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी और कुछ लोग उपस्थित थे।

ड्रग्स कारोबारी परिवारों को समाज से करेंगे बहिष्कृत

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट के ढुलिया गांव-लुरूकीहाट में एनएच 39 पर नशे के खिलाफ जागरूकता मार्च निकाला गया। जनता ने ड्रग्स के कारोबार में शामिल लोगों के परिवारों को समाज से बहिष्कृत करने तथा मरने वालों के जनाजा में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। गोलाघाट के लुरुकीहाट में कई मौकों पर कई ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन, कानूनी दावपेंच से ये ड्रग्स तस्कर जेल से बाहर आकर ड्रग्स व्यापार में फिर से लिप्त हो जाते हैं। इसलिए क्षेत्र के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए और राष्ट्रीय राजमार्ग 39 के किनारे स्थित ढुलिया गांव और लुरुकीहाट के लोगों ने गांव के एक छोर से दूसरे छोर तक लगभग कई किलोमीटर तक मार्च किया और ड्रग्स तस्कर के परिवारों को ड्रग्स के व्यापार से दूर रहने की चेतावनी दी। मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त साबित होने पर हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों के लोगों ने उन्हें समाज से अलग कर देने का निर्णय लिया है और फैसला किया है कि अगर उस परिवार के किसी सदस्य की मौत हो जाती है तो वे जनाजा या अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। गांव के निवासियों के आज के कार्यक्रम को पूरे गोलाघाट जिले के साथ ही असम के लिए एक सकारात्मक संदेश माना जा रहा है।

माहेश्वरी सभा गुवाहाटी की आम सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के 20वें सत्र (2023-25) की प्रथम वार्षिक साधारण सभा, अध्यक्ष सीताराम बिहानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में बड़ी संख्या में समाज बंधुओं, मातृ शक्ति एवं युवा शक्ति ने अंश ग्रहण कर विचारार्थ विषयों पर अपने सुझावों के साथ बैठक के उद्देश्य को फलीभूत किया। सभा के सलाहकार रमेश कुमार चांडक ने मंचापूर्ति करवाते हुए सभा अध्यक्ष सीताराम बिहानी, सचिव सुरेंद्र लाहोटी तथा कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती को ससम्मान मंचासिन करवाया। पदाधिकारियों एवं समाज के वरिष्ठजनों में माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (पूर्वांचल) कैलाश काबरा, पूर्वोत्तर सभा सचिव राजकुमार सोमानी, राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष महाबीर चांडक, पूर्वोत्तर महिला उपाध्यक्ष सीता देवी झंवर, पूर्वोत्तर न्यास चेयरमैन दाउलाल सारडा, ट्रष्ट अध्यक्ष भगवान दास दम्माणी, सभा निवर्तमान अध्यक्ष नवल किशोर सारडा तथा वरिष्ठजनों में मोहनलाल चांडक, अमरचंद कलानी, नंद किशोर माहेश्वरी, केसरी चन्द धूत, वंदना सोमानी, सरला काबरा, मदन गोपाल सिगची द्वारा भगवान महेश को माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन तथा पूजा अर्चना के पश्चात माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा वर्षा सोमानी की अगुवाई में समिति सदस्यों ने महेश वंदना की, जिसमें उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने अंश ग्रहण कर भगवान महेश का गुणगान किया। सभा अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समाज में हुए कार्य तथा भविष्य की कार्य-योजना पर प्रकाश डालते हुए समाज में संगठनात्मक शक्ति में और अभिवृद्धि की कामना करते हुए सभी से रचनात्मक सहयोग की बातें रखीं।

स्टार सीमेंट ने सिलाई मशीनें व स्कूल की आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं

गुवाहाटी (विभास)। ग्रामीण इलाके की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से पिछले पांच वर्षों से स्टार सीमेंट द्वारा संचालित स्टार उषा टेलरिंग स्कूल के उत्कृष्ट आउटगोइंग प्रशिक्षुओं को नि:शुल्क सिलाई मशीनें वितरित करते आ रहा है। इसके पीछे स्टार सीमेंट का मुख्य उद्देश्य उन्हें स्वरोजगार की यात्रा शुरू करने में मदद मिल सके और वे ग्राहकों से ऑर्डर लेना शुरू कर सकें। इस वर्ष भी, स्टार सीमेंट ने एनईडीएफआई ऑडिटोरियम हॉल, गुवाहाटी में आयोजित एक मेगा कार्यक्रम में स्कूल के उत्कृष्ट निवर्तमान प्रशिक्षुओं के बीच 200 सिलाई मशीनें वितरित कीं, और अपनी प्रभावशाली सीएसआर पहल *सृजनी* के माध्यम से स्थानीय लोगों का दिल जीत लिया। इस मौके पर आयोजित औपचारिक वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, स्टार सीमेंट के अध्यक्ष सज्जन भजनका, स्टार सीमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित, मुख्य विनिर्माण अधिकारी सुंदरम श्रीनिवासन, सीएसआर प्रमुख सुकन्या गोस्वामी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्टार सीमेंट की सराहनीय पहल के लिए उसकी सराहना की, जिसका उद्देश्य समाज की भलाई को बढ़ाना था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रयास से देश को आत्मनिर्भर बनने में काफी मदद मिलेगी। राष्ट्र को सशक्त एवं विकसित बनाने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले विभिन्न मुद्दों पर विचार करते हुए राज्यपाल ने सभी से भारत को विकसित बनाने में सामूहिक जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। राज्यपाल ने स्टार सीमेंट द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण और आजीविका के साधन उपलब्ध कराकर सशक्त बनाने की पहल की सराहना की। उन्होंने इसे अपने परिवारों में माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने का एक संकेत बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण भारत में, सिलाई और ऐसे अन्य घरेलू उद्योग मध्यम वर्गीय परिवारों की महिलाओं के लिए आजीविका सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमें ऐसे

व्यवसायों को बढ़ावा देना चाहिए ताकि ये महिलाएं भी देश के आर्थिक विकास में योगदान दे सकें। आय का एक स्थायी स्रोत महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व और निर्णय लेने की भावना पैदा करेगा। स्टार सीमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रदीप पुरोहित ने बताया कि कैसे इन सीएसआर पहलों को अंतत: स्टार सीमेंट के बड़े मिशन को पूरा करने के लिए आयोजित किया गया - अर्थात - न केवल उत्तर पूर्व के बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करने के लिए बल्कि क्षेत्र में लोगों के एक मजबूत खुशहाल समुदाय का निर्माण करने के लिए भी, जिससे एक समावेशी विकास की समानांतर यात्रा। कार्यक्रम के दौरान, स्टार सीमेंट लिमिटेड ने 15 स्थानीय सोनापुर स्थित स्कूलों के लिए कई आवश्यक स्कूल ढांचागत वस्तुओं के वितरण की घोषणा की, जिन्हें सोनापुर साहित्य सभा के मार्गदर्शन में शॉर्टलिस्ट किया गया था। स्टार सीमेंट इन स्कूलों में कई आवश्यक वस्तुएं वितरित किया जिसमें 90 जोड़ी डेस्क, 22 जोड़ी टेबल और कुर्सियां, 65 सीलिंग पंखे, 20 ब्लैकबोर्ड, 15 प्लास्टिक कुर्सियां और 8 फीट 5 फीट आयाम के 3 रूम पार्टिशन शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान, स्टार सीमेंट ने हाल ही में आयोजित गुणोत्सव, असम 2023 में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सोनापुर और चमाता क्षेत्र के 14 स्थानीय स्कूलों को भी सम्मानित किया। इन स्कूलों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए *ए+ ग्रेड* का दर्जा दिया गया है। स्टार सीमेंट लिमिटेड ने वित्तीय सहायता के माध्यम से 14 स्कूलों के साथ-साथ चयनित 14 स्कूलों के 70 मेधावी छात्रों की उपलब्धि की सराहना की। चयन का मार्गदर्शन सोनपुर क्षेत्र के प्रतिष्ठित साहित्यिक मंच सोनापुर साहित्य सभा द्वारा किया गया था।

राज्यभर में धूमधाम से मनाया गया गणेशोत्सव, पंडालों में उमड़ी भक्तों की भीड़

विश्वनाथ/कोकराझाड़/नगांव/फैंसी बाजार (विभास)। वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु में देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥ का मंत्र उच्चारण से ही सबसे पहले गणेश का वंदन किया जाता है। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित 13वां वार्षिक सार्वजनिक श्री श्री गणेश पूजा समिति के पंडाल में भक्तों की भीड़ उमड़ी। तीन दिवसीय पूजा में सर्वप्रथम आज सुबह गणपति बप्पा का मूर्ति का विधि विधान और मंत्र उच्चारण से स्थापित किया गया और कलशपूजन किया गया। इसके बाद भोग अर्पित करके पूजा अर्चना के साथ आरती किया गया। साथ ही संध्या में सांस्कृतिक संध्या की आयोजन भी किया जाएगा। अंतिम दिन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डा. नेहा यादव, जिला आयुक्त, बिश्वनाथ, विशिष्ट अतिथि प्रमोद बरठाकुर, विधायक, बिश्वनाथ निर्वाचन क्षेत्र, शुभाशीष बरुवा, पुलिस अधीक्षक, बिश्वनाथ, तृष्णा मिपुन, राजस्व अधिकारी, बिश्वनाथ, सम्मानित अतिथि अमरज्योति बरठाकुर, मेयर, बिश्वनाथ नगर परिषद, डॉ. चिंतामणि शर्मा, प्राचार्य, बिश्वनाथ कॉलेज, प्रभुनाथ सिंह, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स, बिश्वनाथ चारिआली, पंकज बोरा, अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, बिश्वनाथ जिला, रवीन्द्र सिंह, प्रबंधक, साकोमाथा टी एस्टेट, हाजी सुल्तान, प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, बिश्वनाथ, निरंजन हजारिका, सलाहकार, बिश्वनाथ प्रेस क्लब, बसंत बोरा, सलाहकार, बिश्वनाथ प्रेस क्लब, हेमन्त शाइकिया, वरिष्ठ ब्यूरो चीफ न्यूज लाइव, दिव्यज्योति बरुवा, बी. न्यूज स्वत्वाधिकार, रूपम दास, कार्यनिर्वाहक सदस्य, केंद्रीय समिति, आसू, दिलीप गुजले, उपाध्यक्ष, केंद्रीय समिति (आगसू), अनंत सोना, सहायक सचिव, केंद्रीय समिति (आट्सा), अमरज्योति बोरा, कार्यनिर्वाहक सदस्य, केंद्रीय समिति (अजायुछाप), हेमन्त गोगोई, कार्यनिर्वाहक सदस्य, संग्रामी युवा छात्र परिषद, हरन जीत तेरांग, कार्बी छात्र संस्था, अध्यक्ष, बिश्वनाथ जिला, देवजीत बोरा, भाजपा युवा मोर्चा, अध्यक्ष, बिश्वनाथ जिला, ईशान प्रतिम शैकिया, राज्यिक सदस्य, कृषक सामाजिक मिडिया, मौजूद रहेंगे। साथ ही सार्वजनिन गणेश पूजा समिति के 13 वां वार्षिक तीन दिवसीय गणेश पूजा कार्यक्रम में सलाहकार सूर्य नारायण पांडे, राजेश गुप्ता, गीता बर्मा, सरिता जयसवाल, संदीप अग्रवाल, संजीव पटवारी, गया प्रसाद गुप्ता, बवन जयसवाल, बिक्रम दुबे, राम बाबू गिरी, इंद्र मोहन सिंह, रामसूरत राय, रामायण प्रसाद, मंजीत हजारिका, दिलीप ठाकुर, केलास डेका, बरमानंद महतु, रमेश कलवार और बिष्णु प्रसाद रौनियार, मनोज रॉय, अशोक पारीक, हिरण्य चक्रवर्ती, संजय घोष, राजेश सिंह, छोटेलाल रौनियार, संतोष गुप्ता, राधेश्याम गुप्ता, अध्यक्ष दिलीप शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष धन प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष क्रमश: सितेंद्र नाथ तिबारी, गुड्डू कुंडू, नयन ज्योति गोवाला, श्री सितेंद्र रॉय, महासचिव श्री बलबीर रॉय, सहायक सचिव ललित अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, वित्त सचिव, सुनील शाह, सांस्कृतिक सचिव क्रमश: सत्यप्रकाश गुप्ता, संतोष कुमार महतो, सुरेंद्र कुमार साहनी, सुजीत कुमार शर्मा, सांस्कृतिक सहयोगी सदस्य: अयोध्या गुप्ता, जयनारायण रौनिया, विक्की रौनिया, लव रौनिया, दीपक गुप्ता, चंदन रॉय, कार्यक्रम के बिजली विभाग, पंडाल संचालन, पूजा मंडप परिचालना के सदस्य आदि कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम में सहयोग के रूप में बिश्वनाथ चरिआली सुंदरकांड परिवार और अखिल असम भोजपुरी महिला परिषद के सदस्य आदि की भूमिका विशेष रहेगा। **कोकराझार** से हमारे संवाददाता के अनुसार जिले में धूमधाम से गणेश पूजा आज से मनाया जा रहा है। जिले के फकीराग्राम बीपीएफ कार्यालय के सामने ट्रेकर स्टैंड के सामने और बीजी कॉलोनी में गणेश पूजा का भावय आयोजन किया गया है। वहीं आज शाम 5 बजे श्रीरामपुर क्षेत्र के एमसीएलए साजन सिंह ने चितला के शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित गणेश पूजा के पंडाल का उद्घाटन किए। जहां हजारों की संख्या में भक्तगण उपस्थित थे। चितला युवा संघ के सौजन्य से आयोजित इस गणेश पूजा में एमसीएलए साजन सिंह के साथ-साथ सारा असम बंगाली फेडरेशन के अध्यक्ष इंद्रजीत देबनाथ, समाजसेवक बिश्वाजीत देबनाथ उपस्थित थे। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार शहर के एटी रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक हैबरगांव शाखा के नजदीक बनाए गए विशाल पंडाल में शक्ति संघ के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री विनायक चतुर्थी के आयोजन का आज शुभारंभ हुआ। उल्लेखनीय है कि मध्य रात्रि से आज सुबह तक भद्रा काल होने के कारण श्री गणेश जी की पूजा सोमवार को शाम को कर ली गई थी। शक्ति संघ के सचिव महेश भजनका ने सपत्नीक पूजा विधि संपन्न करवाई। आज सुबह भी श्री भजनका दम्पत्ति ने पूजा करवाई। पंडाल में श्री गणेश जी की भव्य प्रतिमा आगंतुको के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सुबह से पंडाल में भक्तो का दर्शनो के लिए तांता लगा हुआ है। आज के कार्यक्रम में बच्चो के बीच दो ग्रुप में चित्रांकन प्रतियोगिता व दो ग्रुप में ही भक्तिमुलक एकल नृत्य प्रतियोगिता संपन्न हुई। दोनो हीं प्रतियोगिताओं में काफी संख्या में प्रतियोगियों ने भाग लिया। जिससे शक्ति संघ के सदस्यगण काफी उत्साहित दिखे। आज के प्रसाद में सुबह मोदक का वितरण किया गया। जबकि शाम को भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तो ने बड़े उत्साह के साथ प्रसाद ग्रहण किया। बुधवार को उत्सव का दूसरा दिन होगा जिसमें हरियाणा से आमंत्रित मोनू ढींगरा एंड ग्रुप द्वारा नृत्य नाटिका का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होगा। **फैंसी बाजार** से हमारी संवाददाता के अनुसार फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड स्थित सीताराम ठाकुर बड़ी गणेश मंदिर में इस वर्ष पहली बार असमिया परंपरा के अनुसार गणेश जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें गणेश पूजा एवं नाम कीर्तन का आयोजन भी किया गया। इससे पहले सुबह 7 बजे मंगला आरती की गई। मंगला आरती के बाद विशेष रूप से गणेश जी का अभिषेक किया गया एवं महाप्रसाद में हजारों लोगों को बीच खिचड़ी वितरित की गई। इस अवसर पर गजराज की भी पूजा की गई। मंदिर में किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे एवं श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

प्रधानमंत्री ने दिया सुझाव, पुराने संसद भवन को 'संविधान सदन' के रूप में जाना जाए

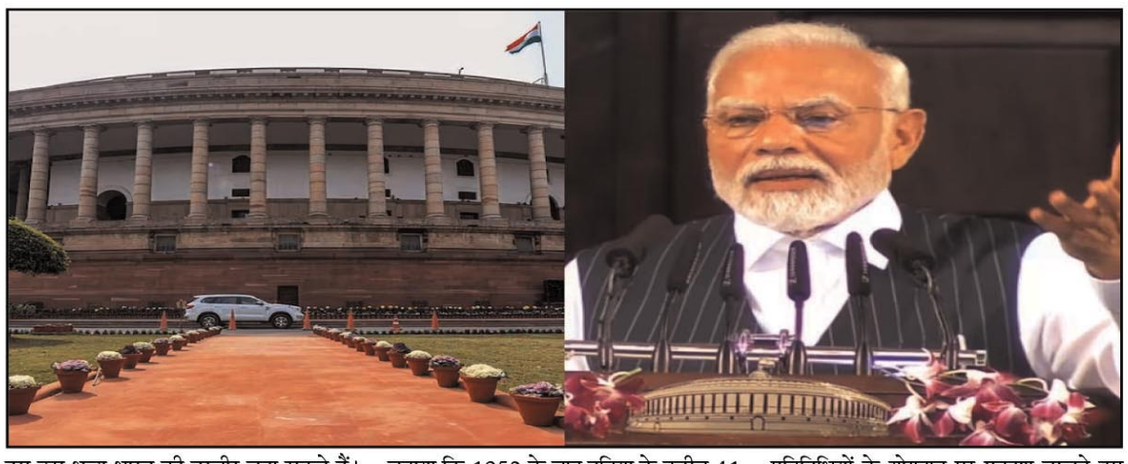

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज हम यहां से विदाई लेकर संसद के नए भवन में जा रहे हैं लेकिन हमें पुराने भवन की भी प्रतिष्ठा बरकरार रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पुराने संसद भवन को संविधान सदन के रूप में जाना जाए। प्रधानमंत्री मंगलवार को विशेष सत्र के दौरान संसद को नई इमारत में शिफ्ट करने से पहले सेंट्रल हॉल में सांसदों को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज नए संसद भवन में हम सब मिलकर नए भविष्य का श्रीगणेश करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के संकल्प और दृढ़ संकल्प के साथ नए संसद भवन की ओर बढ़ रहे हैं। पुराने संसद भवन को संविधान सदन के नाम से पुकारे जाने का सुझाव देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, इस भवन को पुरानी संसद कहकर नहीं छोड़ना चाहिए। मैं उपराष्ट्रपति महोदय और स्पीकर महोदय से प्रार्थना करूंगा कि भविष्य में इसे संविधान सदन के रूप में जाना जाए। उन्होंने कहा कि आज नए संसद भवन में हम सब मिलकर, नए भविष्य का श्रीगणेश करने जा रहे हैं। आज हम यहां विकसित भारत का संकल्प दोहराने, संकल्पबद्ध होने और उसको परिपूर्ण करने के लिए जी-जान से जुटने के इरादे से नए भवन की तरफ प्रस्थान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि क्या छोटे कैनवास पर बड़ी पेंटिंग बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अपनी सोच का दायरा बढ़ाए बिना हम अपने सपनों का भव्य भारत नहीं बना सकते। प्रधानमंत्री ने भारत की भव्य विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि अगर हमारी सोच इस भव्य विरासत से जुड़ जाए तो हम उस भव्य भारत की तस्वीर बना सकते हैं। मोदी ने कहा, ह्लभारत को बड़े कैनवास पर काम करना होगा। अब समय छोटी-छोटी बातों में उलझने का नहीं है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रधानता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शुरूआती आशंकाओं को खारिज करते हुए दुनिया भारत के आत्मनिर्भर मॉडल की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि रक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा और खाद्य तेल के क्षेत्र में कौन आत्मनिर्भर नहीं बनना चाहेगा और इस तलाश में दलगत राजनीति बाधा नहीं बननी चाहिए। संसद भवन और सेंट्रल हॉल की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने इसके प्रेरक इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेंट्रल हॉल में आयोजित ऐतिहासिक समारोहों और संबोधनों को याद किया। उन्होंने याद किया कि यही वह स्थान है, जहां संविधान ने आकार लिया था और आजादी के समय सत्ता का हस्तांतरण हुआ था। उन्होंने बताया कि 1952 के बाद दुनिया के करीब 41 राष्ट्राध्यक्षों ने इस सेंट्रल हॉल में सांसदों को संबोधित किया है। हमारे सभी राष्ट्रपति के द्वारा 86 बार यहां संबोधन दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा ने पिछले सात दशकों में लगभग चार हजार अधिनियम पारित किये हैं। उन्होंने संयुक्त सत्र के तंत्र के माध्यम से पारित कानूनों के बारे में भी बात की और इस संबंध में दहेज निषेध अधिनियम, बैंकिंग सेवा आयोग विधेयक और आतंकवाद से लड़ने के लिए कानूनों का उल्लेख किया। उन्होंने तीन तलाक पर रोक लगाने वाले कानून का भी जिक्र किया। मोदी ने ट्रांसजेंडरों और दिव्यांगों के लिए कानूनों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने सहित उन ऐतिहासिक कानूनों के बारे में भी चर्चा की, जो 2014 से उनके कार्यकाल के दौरान बनाए गए थे। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने में जन प्रतिनिधियों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बड़े गर्व के साथ रेखांकित किया कि हमारे पूर्वजों द्वारा हमें प्रदान किया गया संविधान अब जम्मू और कश्मीर में लागू किया जा रहा है। मोदी ने कहा, आज, जम्मू-कश्मीर शांति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और यहां के लोग अब अवसरों को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते। प्रधानमंत्री ने वर्तमान समय के महत्व को रेखांकित किया, जब भारतीय आकांक्षाएं हजारों वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत जिसकी आकांक्षाएं हजारों वर्षों से जंजीरों में जकड़ी हुई थीं, अब इंतजार करने को तैयार नहीं है, वह आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ना चाहता है और नए लक्ष्य बनाना चाहता है। उन्होंने कहा कि नई आकांक्षाओं के बीच नए कानून बनाना और पुराने कानूनों से छुटकारा पाना सांसदों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

पूर्व भाजपा सरकार ने इनवेस्टर मीट में हिमाचल के हकों को बेचा : मुख्यमंत्री

शिमला, (हि.स.)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने पूर्व भाजपा सरकार पर हिमाचल के हितों को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पिछली सरकार ने इनवेस्टर मीट के दौरान उर्जा के क्षेत्री में एमओयू साइन कर हिमाचल के हकों को बेचा है। पांवटा साहिब के विधायक सुखराम चौधरी की ओर से 1 जनवरी से 31 अगस्त तक कितने नए हाइडल प्रोजेक्ट के एमओयू साइन किए गए के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने पूर्व की जयराम सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इनवेस्टर मीट के दौरान हिमाचल के हितों को बेचने का काम किया गया। जो एमओयू साइन हुए उससे भविष्य में आने वाली पीढी को कुछ भी नहीं मिलने वाला था। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एसजेवीएनएल के साथ जो डव्न साइन किए उसमें रॉयल्टी के क्लॉज को हटाया गया। सैंज, लूहरी व धौलासिद्ध, सुन्नी परियोजनाओं का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि 40 साल बाद जो प्रोजेक्ट हिमाचल को वापिस मिलने की जो शर्त होती है उसे भी हटा दिया था। सरकार ने ऊर्जा नीति में बदलाव किया। एसजेवीएनएल को नोटिस जारी किया। इतना ही नहीं नई ऊर्जा नीति में बदलाव कर प्रोजेक्ट लगने के शुरूआती 10 साल तक 4 प्रतिशत फ्री बिजली का प्रावधान किया। 10 स 25 साल तक 8 प्रतिशत फ्री बिजली मिलेगी। 25 से 40 साल तक 12 प्रतिशत फ्री पावर का प्रावधान किया।

देश के विकास के लिए मिलकर करना होगा काम : खड़गे

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश के विकास के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। खड़गे ने मंगलवार को संसद के सेंट्रल हॉल में सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए हमें पार्टी लाइन से हटकर काम करने की जरूरत है। तभी देश का विकास संभव है। खड़गे ने कहा कि यह सेंट्रल हॉल कई ऐतिहासिक क्षणों का गवाह रहा है। यह स्थान संविधान सभा की बैठकों के साथ पंडित नेहरू के संबोधन का साक्षी रहा है। यह सेंट्रल हॉल भारत की संसद की समृद्ध विरासत का गवाह है। इसी हॉल में संविधान सभा की बैठक 1946 से 1949 तक हुई थी। खड़गे ने कहा कि वह आज के मौके पर विनम्रतापूर्वक डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और बीआर अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए उन्हें प्रणाम करते हैं। उल्लेखनीय है कि आज से संसद की कार्यवाही नये भवन में शुरू होगी। इस मौके पर सत्ता पक्ष व विपक्ष के सांसद सेंट्रल हाल में एकत्र हुए। इस मौके पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसदों के सामने अपने विचार रखे।

ऋषिकेश एम्स में सेवा वीरों ने नकली डॉक्टर को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

ऋषिकेश,(हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स) में फर्जी डॉक्टर बनकर घूम रहे एक युवक को सेवा वीरों ने पकड़ कर मंगलवार को पुलिस के हवाले दिया। एम्स के प्रशासनिक अधिकारी द्वारा दी गई तहरीर के बाद पुलिस ने युवक के विरुद्ध जांच पड़ताल प्रारंभ कर दी है। एम्स के जनसंपर्क अधिकारी हरीश थपलियाल के मुताबिक आज सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में डॉक्टर की वर्दी पहनकर घूम रहा एक युवक सेवा वीरों को दिखाई दिया। युवक से पूछताछ करने पर उसने खुद को न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट का डॉक्टर बताया लेकिन पूछताछ में युवक की बातें संदिग्ध मालूम हुईं। उसके बाद एम्स के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर आए। पूछताछ में युवक फर्जी रूप से डॉक्टर की वर्दी पहनकर घूमता पाया गया। उसके बाद प्रशासनिक अधिकारी संदीप कुमार ने एम्स चौकी पुलिस को तहरीर देकर फर्जी डॉक्टर बने युवक के खिलाफ गहन जांच पड़ताल और कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा। युवक की पहचान सचिन कुमार, निवासी कृष्णा नगर कॉलोनी, ऋषिकेश के रूप में हुई है। सचिन ने एम्स के अधिकारियों को बताया कि उसने कोविड-19 के दौरान डीआरडीओ के अस्पताल में बतौर हॉस्पिटल अटेंडेंट के रूप में काम किया है। उसके बाद वह यहां से चला गया। पीआरओ हरीश थपलियाल ने बताया कि फर्जी डॉक्टर के मोबाइल नंबर से 50 से अधिक रजिस्ट्रेशन एम्स में कराए गए हैं, जिसका डाटा बरामद कर लिया गया है। इसके अलावा उसके पास 10 हजार से अधिक नकद रुपये भी बरामद हुए हैं। उसके मोबाइल से लाखों रुपये के कई लेने देन भी हुए हैं। इसके अलावा कई प्रकार के फर्जी दस्तावेज भी उसके मोबाइल में देखे गए हैं। यह मामला केवल डॉक्टर की वर्दी पहनकर फर्जी रूप से घूमने तक सीमित नहीं हो सकता। कई प्रकार के और षड्यंत्र भी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसकी गहन जांच करनी जरूरी है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर पुलिस से इसमें बड़ी कार्रवाई करने के लिए भी कहा जाएगा। दरअसल, एम्स में बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पंहुचते हैं लेकिन बेड की संख्या सीमित होने के कारण कई लोगों को वापस जाना पड़ता है। ऐसे में इस तरह के कुछ लोग उनकी मजबूरी का भी फायदा उठाते हैं और उनको प्राइवेट अस्पतालों में भी भेजने के नाम पर मोटा कमीशन खा लेते हैं। कई तरह की जांच और बेड दिलवाने के नाम पर भी फजीर्वाड़ा हो सकता है।

महिला आरक्षण विधेयक को लेकर कांग्रेस ने किया समर्थन

अजय त्यागी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मंगलवार को संसद भवन में जब पत्रकारों ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि यह हमारा है और अपना है। इससे पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी कहा कि वह चाहते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पास किया जाए। बीते दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा था कि कांग्रेस कार्यसमिति ने मांग की है कि संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को पारित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं को आरक्षण देने के पक्ष में रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए संसद और राज्यों की विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह संविधान संशोधन विधेयक लाए। विधेयक 9 मार्च 2010 को राज्यसभा में पारित हुआ। लेकिन लोकसभा में नहीं ले जाया जा सका। रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पिछले नौ साल से मांग कर रही है कि महिला आरक्षण विधेयक, जो पहले ही राज्यसभा से पारित हो चुका है, उसे लोकसभा से भी पारित कराया जाना चाहिए।

कनाडा के पीएम के बयान को भारत ने किया सिरे से खारिज, विदेश मंत्रालय ने आरोप को बताया बेतुका

आशीष वर्मा

नई दिल्ली । भारत ने मंगलवार को कनाडा की संसद में वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की ओर से दिए गए बयान और वहां की विदेश मंत्री के बयान को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कनाडा लगातार भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ काम करने वाले खालिस्तान गुटों को पनपने दे रहा है। अपनी कमजोरी से ध्यान भटकाने के लिए वह इस तरह के आरोप लगा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, "कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत सरकार की संलिप्तता का आरोप बेतुका और प्रेरित हैं। इसी तरह के आरोप कनाडा के प्रधानमंत्री ने हमारे प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के समक्ष उठाए थे, जिन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। हम कानून के शासन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता वाली लोकतांत्रिक देश हैं। भारत ने मांग की है कि कनाडा सरकार अपनी धरती से सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करे। भारत ने आरोप लगाया कि कनाडा की ओर से लगातार खालिस्तानी चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना चिंता का विषय बना हुआ है। यह भी गहरी चिंता का विषय है कि कनाडा की राजनीतिक हस्तियां इन खालिस्तान तत्वों के साथ सहानुभूति दिखा रही हैं। भारत ने कहा कि कनाडा में हत्या, मानव तस्करी और संगठित अपराध सहित कई अवैध गतिविधियों को संरक्षण मिलना कोई नई बात नहीं है। विदेश मंत्रालय भारत सरकार को ऐसे घटनाक्रम से जोड़ने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार करता है। कनाडा के वरिष्ठ पत्रकार ताहिर असलम गोरा ने निज्जर हत्याकांड में कनाडा सरकार के आरोपों पर सवाल उठाया है। गोरा का कहना है कि हाल ही में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जी 20 सम्मेलन में हिस्सा लेकर भारत से वापस आए हैं। उनके भारत में रहते मीडिया में कई तरह की विवादित खबरें सामने आई थी। ऐसे समय में निज्जर हत्याकांड को लेकर भारत पर लगाया जा रहा आरोप क्या संकेत देता है? माना जा रहा है कि भारत पर कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो का ताजा आरोप वहां बड़ी संख्या में रह रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों के दबाव में दिया गया है। काफी संख्या में खालिस्तान समर्थक वहां की राजनीतिक व्यवस्था में सक्रिय हैं।

हरियाणा में विपक्ष की भूमिका निभा रही है आप:छिंदा

यमुनानगर, (हि.स.)। हरियाणा में आम आदमी पार्टी ही एकमात्र लोगों की आवाज उठा रही है, प्रदेश में चल रहे हर मुद्दे की पुरजोर तरीके से लड़ाई लड़ रही है और पूरे प्रदेश में विपक्ष की भूमिका निभा रही है। उक्त शब्द आआपा हरियाणा के प्रदेश सह सचिव युवा रघुबीर सिंह छिन्दा ने परिवार जोड़ो अभियान के तहत मंगलवार को एक कार्यक्रम में कहे। उन्होंने यह भी बताया की आम आदमी पार्टी हरियाणा प्रदेश के 49 लाख परिवारों से परिवार जोड़ो अभियान के तहत सीधा जुड़ेगी और पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी की नीतियों के बारे में लोगों को बताएगी। उन्होंने कहा कि इस परिवार जोड़ो अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को दिल्ली और पंजाब के अंदर जिस तरह से सरकार काम कर रही है उससे भी लोगों को अवगत कराना है। जिससे कि जो सुविधा इन प्रदेशों के अंदर लोगों को मिल रही हैं हरियाणा प्रदेश के अंदर सरकार बनने पर हरियाणा के लोगों को भी मिले। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अंदर कोई भी राजनीतिक दल लोगों को मुद्दों को लेकर सड़कों पर नहीं उतरा। सिर्फ एक आआपा का कार्यकर्ता ही सत्ता पक्ष के खिलाफ उनके अन्याय के खिलाफ आवाज उठा रहा है और बहुत जल्द पूरे प्रदेश में परिवार जोड़ो अभियान के तहत लोग आआपा को अपना पूर्ण समर्थन देंगे।

हर किसी को अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी व्यक्ति के जीवन साथी चुनने के अधिकार को आस्था और धर्म के मामलों तक सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि शादी करने का अधिकार मानवीय स्वतंत्रता है और जब इसमें वयस्कों की सहमति शामिल हो तो इसे राज्य, समाज या माता-पिता द्वारा निर्धारित नहीं किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी तब आई जब न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने महिला के परिवार से धमकियों का सामना कर रहे एक जोड़े को सुरक्षा दी। इस बालिग जोड़े ने अपने माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध, विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत विवाह किया, जिसके कारण उन्हें लगातार धमकियां मिलती रहीं। अदालत ने कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न अंग है, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि व्यक्तिगत पसंद, विशेष रूप से विवाह के मामलों में, अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। न्यायमूर्ति बनर्जी ने कहा कि महिला के माता-पिता जोड़े के जीवन और स्वतंत्रता को खतरे में नहीं डाल सकते। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने व्यक्तिगत निर्णयों और विकल्पों के लिए सामाजिक अनुमोदन की जरूरत नहीं है। अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जोड़े को एक बीट कांस्टेबल और एसएचओ की संपर्क जानकारी प्रदान करें, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डबल इंजन ने उत्तराखंड का किया चहुंमुखी विकास: मनवीर चौहान

नई टिहरी, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी तत्परता से काम कर रही है। अंतिम व्यक्ति तक राज्य व केंद्र की चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम किया जा रहा है। उत्तराखंड युवाओं के लिए रोजगार सृजन के मामले में दूसरे नंबर का राज्य बन गया है। भाजपा जिला कार्यालय नई टिहरी में चौहान पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा के विकास कार्य जनता के मुंह चढ़कर बोल रहे हैं। इसका परिणाम है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की पांचों सीटें प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित होंगी। तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में उत्तराखंड की जनता का पूरा योगदान रहेगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने नकल विरोधी कानून लाकर युवाओं को दिल जीतने का काम किया है और नौकरी की दलाली करने वालों की कमर तोड़ी है। लगातार युवाओं को सरकारी नौकरियों से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इस साल के अंत तक धामी 25 हजार युवाओं को जहां सरकारी से नौकरी देने का काम करेंगे, वहीं लाखों युवाओं के लिए विभिन्न सेक्टर में रोजगार सृजन करेंगे।

अब तक धामी 12 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। इसका परिणाम है कि राज्य में रेल, सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य से जुड़ी केंद्रीय योजनाओं का लाभ तेजी से प्रदेश को मिल रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने 2025 तक उत्तराखंड को देश का सर्वाधिक विकसित राज्य बनाने का जहां निर्णय लिया हैं, वहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 2047 में विश्व की नंबर वन अर्थव्यवस्था बन जायेगा। अभी देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व की पांचवी शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 से लेकर आज तक देश ने अभूतपूर्व ऐतिहासिक विकास किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्म दिन पर विश्वकर्मा योजना से देश की आधी आबादी को लाभान्वित करने का निर्णय लिया है। इसमें साढ़े तेरह हजार करोड़ की योजनाओं से स्थानीय हुनरमंदों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का काम किया जायेगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, महामंत्री उदय रावत, राजेंद्र जुयाल, विजय कठैत, सोहन खंडेवाल, कुलदीप रावत, चंडी बेलवाल, शीशराम थपलियाल सहित दर्जनों मौजूद रहे।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों पर अब 25 सितंबर को होगी सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़ी बड़ी साजिश के मामले में उमर खालिद समेत दूसरे आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले में कुछ आरोपितों ने दिल्ली पुलिस से जांच की स्टेटस रिपोर्ट बताने की मांग का विरोध किया है। दिल्ली पुलिस ने कड़कड़डूमा कोर्ट में कहा कि आरोपितों के पास पुलिस से जांच का स्टेटस या समय सीमा की जानकारी मांगने का अधिकार नहीं है। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी। दिल्ली पुलिस की ओर से वकील स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अमित प्रसाद ने कहा कि आरोपितों की ओर से जांच की स्टेटस रिपोर्ट कानून के किस प्रावधान के तहत मांगी गई है, इसका जिक्र नहीं है। आरोपितों की ओर से दाखिल ये याचिका केवल ट्रायल में देरी करना भर है। मामले की केस डायरी कोर्ट समय-समय पर खुद देखती है। 18 सितंबर को कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया था कि वो इस मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। मीरान हैदर की ओर से पेश वकील ने मामले की जांच की पर सवाल उठाते हुए कहा था कि दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच साढ़े तीन साल से कर रही है। ये जांच पूरी हुई कि नहीं और अगर पूरी नहीं हुई तो कब तक पूरी होगी। आरोपित आज के दिन में विचाराधीन आरोपित न होकर जांच के अधीन हैं। पहले से जो तथ्य हैं उसी के आधार पर पूरक चार्जशीट दाखिल की जा रही है। ऐसे में पुलिस बताए कि जांच का स्टेटस क्या है। इसके पहले 14 अगस्त को आरोपित मीरान हैदर और सफुरा जरगर की तरफ से कहा गया था कि वो जानना चाहते हैं कि क्या मामले में उनके खिलाफ पुलिस जांच पूरी हो चुकी है या नहीं।

छत्तीसगढ़ को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए हो रहे उल्लेखनीय कार्य : मुख्यमंत्री

रायपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज मंगलवार को राजधानी स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट मेकाहारा में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राहियों द्वारा आयोजित आभार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान इंस्टिट्यूट में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से लाभांवित मरीजों तथा उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री बघेल का अभिनंदन कर आभार जताया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में 25 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। कार्यक्रम में संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, मुख्यमंत्री के सलाहाकार रूचिर गर्ग तथा डॉ. प्रीति नागरिया, डॉ. स्मिथ श्रीवास्तव, डॉ. राकेश गुप्ता आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री बघेल ने आभार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य हुए है। इसके तहत प्रदेश के दूरस्थ वनांचल तक सुगम इलाज के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया गया है। हमारे लिए यह गर्व की बात हैं कि आज छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों में भी ऐसे उपकरण और ऐसी सुविधाएं हैं, जिनकी तुलना विश्वस्तर पर की जा सकती है। शासकीय भीमराव आंबेडकर अस्पताल का यह एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट भी इन्हीं में से एक है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एडवांस कार्डियक इंस्टीट्युट मेकाहारा, रायपुर के सुदृढ़ीकरण के लिए वहां आधुनिक उपकरणों सहित तमाम जरूरी सुविधाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हृदय रोगों को अत्यंत गंभीर रोगों में शामिल माना जाता है। इन रोगों के उपचार की प्रक्रिया भी बहुत जटिल और महंगी होती है। अस्पतालों में अक्सर जरूरी उपकरणों और संसाधनों का भी अभाव रहता है। एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट के माध्यम से इन जरुरती को पूरा करने की कोशिश हम लोगों ने की है। हृदय रोगों के साथ-साथ अन्य सभी तरह के रोगों के उपचार में मरीजों को आर्थिक समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना और मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री बघेल ने इस दौरान अवगत कराया कि डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के दायरे में प्रदेश के 69 लाख परिवार शामिल है। अभी तक 3643 करोड़ 09 लाख रुपये 36 लाख 43 हजार क्लेम प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। अभी कुछ समय पहले तक यह राशि 20 लाख रुपये थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में 02 हजार 643 मरीजों को 79 करोड़ 57 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि रायपुर का पं. जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और डॉ. भीमराव आंबेडकर शासकीय अस्पताल हमारे छत्तीसगढ़ का गौरव है। इन दोनों संस्थानों का लाभ छत्तीसगढ़ के नागरिकों के साथ-साथ हमारे पड़ोसी राज्यों के नागरिकों को भी मिल रहा है। डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल के सभी विभागों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के साथ-साथ हमने इसकी अधोसंरचना के विस्तार का काम भी शुरू कर दिया है। हाल ही में हमने इस अस्पताल को अधिक उन्नत बनाने के लिए 7 मंजिला सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया है। यहां बनने वाला सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल 700 बिस्तरों वाला होगा। इसके निर्माण में 325 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

महिला आरक्षण का कोटा बढ़ाया जाए : मायावती

लखनऊ,(हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि वह महिला आरक्षण बिल के साथ हैं। आबादी के हिसाब से 50 फीसदी आरक्षण रहे तो अच्छा रहेगा। आरक्षण में एससी-एसटी और ओबीसी का कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर कहा कि आज आए महिला आरक्षण विधेयक में हमारी पार्टी की ओर से की मांग पर अमल नहीं किया जाता है तो भी हमारी पार्टी संसद में प्रस्तुत किए जाने वाले महिला आरक्षण बिल को समर्थन और पास कराने में मदद करेगी। क्योंकि यहां पर हर धर्म और जाति की महिलाओं को हर मामले में पुरुषों की तुलना में अभी तक पिछड़ा बनाकर रखा है। देश में सर्वसमाज की महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनकी हालत में जरूरी सुधार लाने को लेकर बातें तो बहुत की जाती हैं लेकिन उन पर पूरी ईमानदारी और साफ नियत से अमल करने की बजाए उनकी घोर अनदेखी करना तथा आधे अधूरे मन से काम किया जाता है। जैसा कि संविधान के मानवीय और कल्याणकारी उद्देश्यों के साथ ही पहले एससी-एसटी और अब ओबीसी समाज के आरक्षण को निष्क्रिय और निष्प्रभावी बनाने का खिलवाड़ लगातार किया जा रहा है। इन मामलों में कोई भी पार्टी किसी से कम नही हैं। बल्कि कोई पार्टी थोड़ा कम और थोड़ा उससे ज्यादा है। बसपा प्रमख ने कहा कि संसद के दोनों सदनों में जाने का मौका मिला है। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आज नवनिर्मित संसद भवन की भी शुरूआत की जा रही है। हमारी पार्टी दिल से स्वागत करती है। आज इस नये संसद भवन में केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल प्रस्तूत किया जाएगा। यह खबर मीडिया में चर्चा का विषय है। जिसके पक्ष में बसपा सहित अधिकांश पार्टियां अपना मत देंगी, इसकी भी संभावना है। अन्य पार्टियों के बारे में भी ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी को पूरी उम्मीद है कि चर्चा के बाद इस बार ये महिला आरक्षण बिल जरूर पास हो जाएगा जो काफी समय से लटका हुआ है। इस संदर्भ में मैने अपनी पार्टी की ओर से संसद में एक बार नहीं कई बार कहा था कि हमारी पार्टी तो यह चाहती है कि देश की महिलाओं को लोकसभा और राज्यसभा के विधानसभाओं में आरक्षण 33 प्रतिशत की बजाए उनकी आबादी को ध्यान में रखा जाए तो 50 फीसदी आरक्षण हो। इसका भी हमारी पार्टी तहे दिल से स्वागत करेगी। सरकार इसके बारे में भी जरूर सोच विचार करे। इसके साथ ही साथ यह भी कहा था कि महिलाओं को जो भी आरक्षण दिया जाता है, उसमें एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं का कोटा अलग से कोर्ट सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

स्वस्थ और समर्थ भारत की नींव है पोषण अभियान : मुख्यमंत्री

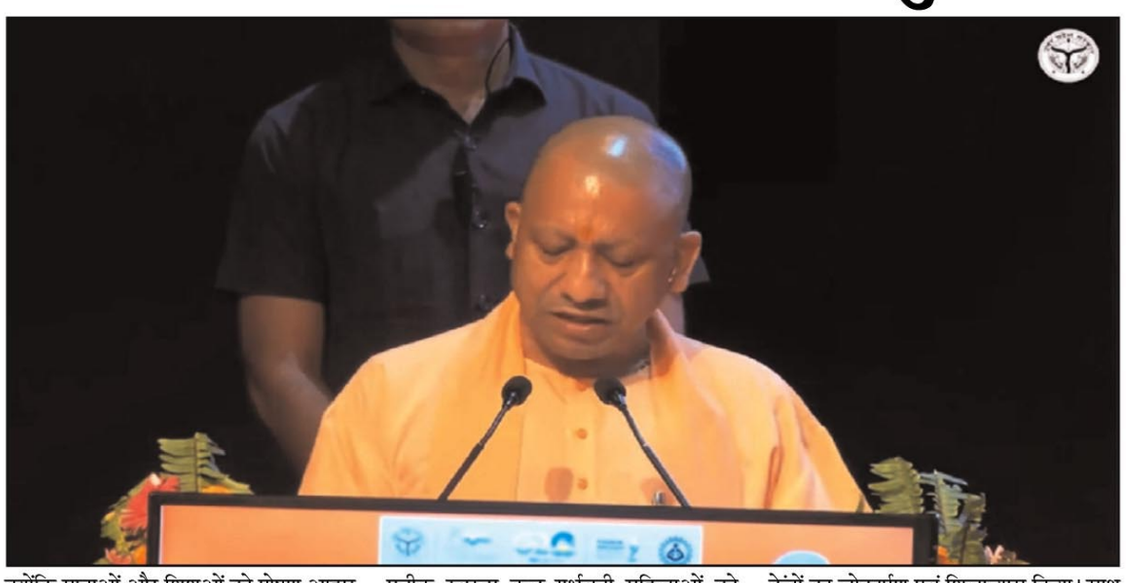

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पोषण अभियान स्वस्थ और एक समर्थ भारत की नींव है। एक समय उत्तर प्रदेश में शराब माफिया पोषाहार की सप्लाई करता था। हमारी सरकार ने एक नया मेकैनिज्म बनाया। उसके माध्यम से महिला स्वयंसेवी समूह आंगनबाड़ी केंद्रों तक आज पोषाहार पहुंचा रही हैं। इसी का नतीजा है कि नेशनल फैमली हेल्थ सर्वे में उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। आंकड़े देखें तो 2015-2016 के सापेक्ष प्रदेश में 2019-2020 में एनीमिया में 5.1 प्रतिशत, बौनापन में 6.6 प्रतिशत, अल्प वजन में 7.4 प्रतिशत और सूखापन में 0.6 प्रतिशत का सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री योगी लोकभवन में आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुपोषण से लड़ने को व्यापक अभियान प्रारंभ करने के लिए पूरे देश को प्रेरित किया है। इस दिशा में विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश में काफी कार्य हुए हैं। एक समय था जब इंसेफेलाइटिस से पूरे प्रदेश में प्रतिवर्ष 1200-1500 मौतें होती थीं। पूर्वी उत्तर प्रदेश इस बीमारी से खासा प्रभावित था। 1977 से लेकर 2017 तक यानी 30 वर्षों में प्रदेश में लगभग 50,000 बच्चे इस बीमारी की चपेट में आकर काल कवलित हो चुके थे। योगी ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हमने केंद्र के साथ 2018 में अंतर्विभागीय समन्वय बनाकर इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन का कार्य शुरू किया। आज पूरे प्रदेश से इंसेफेलाइटिस को समाप्त करने में हम सफल हुए हैं। आज उत्तर प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि माताओं और शिशुओं को पोषण आहार मिलना शुरू हुआ।

उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल का यह प्रथम वर्ष है। भारत अनेक उपलब्धियों को लेकर के चल रहा है। हम सबको 2027 तक भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 यानी जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, उस समय तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हमें देश को स्वस्थ, साक्षार और समर्थ बनाना है।

गोदभराई की रस्म के साथ संपन्न हुआ अन्नप्राशन संस्कार-कार्यक्रम में गोदभराई की रस्म भी निभाई गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप कुछ गर्भवती महिलाओं को उपहार स्वरूप दवाएं और पौष्टिक खाद्य सामग्री भेंट की। यही नहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप कुछ बच्चों को खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। साथ ही संभव अभियान के तहत कुपोषित से सुपोषित श्रेणी में आए तीन बच्चों के अभिभावकों को सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने प्रतीक स्वरूप चार आंगनबाड़ी कार्यकताओं को यूनीफॉर्म के रूप में दो-दो साड़ी भेंट कीं।

आंगनबाड़ी केंद्रों का हुआ लोकार्पण एवं शिलान्यास-कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने 155 करोड़ रुपये की लागत से 1,359 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। साथ ही 50 करोड़ रुपये की लागत से 171 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास हुआ। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 2.90 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिकाओं को यूनिफॉर्म (साड़ी) के लिए डीबीटी के जरिए 29 करोड़ की धनराशि का अंतरण किया। कार्यक्रम में महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास बीना कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

करोड़ों की अर्धनिर्मित मेडिकल इमारत मामले को लेकर श्रम एवं रोजगार मंत्री से मिले सुरेन्द्र मैथानी

कानपुर, (हि.स.)। कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय पाण्डु नगर कानपुर परिसर में करोड़ों की अर्धनिर्मित इमारत मामले को लेकर सोमवार को भाजपा के विधायक सुरेंद्र मैथानी दिल्ली में श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव से मुलाकात की। उन्होंने मांग की कि अति शीघ्र इस प्रकरण को हल करके आधुनिकीकरण सहित डेन्टल कालेज को पूरा कराया जाये। विधायक ने मंत्री से कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय का संचालन वर्तमान में राज्य सरकार कर रहा है और इस अस्पताल में कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने वर्ष 2008 में चिकित्सालय की सुविधाओं की सेवाओं के आधुनिकीकरण सहित डेन्टल कालेज की स्थापना हेतु भारत सरकार की इकाई एन.बी.सी.सी. को नवनिर्माण के लिए कार्यदाई संस्था बनाया गया था। मेसर्स एन.बी.सी.बी. ने डेन्टल कॉलेज निर्माण परियोजना के अन्तर्गत उक्त चिकित्सालय के कुछ हिस्से का निर्माण कार्य किया गया। विधायक ने कहा कि डेन्टल कॉलेज परियोजना का काम बंद होने से अस्पताल में डेन्टल कॉलेज निर्माण के लिये अर्ध-निर्मित संरचना सहित मंहगे उपकरण जैसे- डीजल जनरेटर सेट, इलेक्ट्रिकल पैनल इत्यादि,बहुत लम्बे समय से अनुपयोगी पड़े हैं। अस्पताल की आधुनिकी करण परियोजना में भी चिकित्सालय के कुछ हिस्से के निमार्णाधीन होने के चलते, अस्पताल के लिये स्वीकृत,312 शैय्याओं में से 100 शैय्याओं का ही उपयोग हो रहा है।

और आपरेशन थिएटर, पैथोलाजी, एक्सरे इत्यादि जैसी सुविधाओं के लिये अस्थाई तौर पर अलग कमरों में व्यवस्था की गयी है। इस प्रकार चिकित्सालय की 40 प्रतिशत क्षमता उपयोग में लाई जा रही है। जिससे मरीजों को पूरा लाभ नही मिल पा रहा है।उसके नये सिरे से उपयोग हेतु श्रम एवं रोजगार मंत्रालय स्तर से एक उपसमिति भी गठित की गयी थी। उस कमेटी का एक सुझाव यह भी है कि, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, जाजमऊ चिकित्सालय को पुनः राज्य सरकार को वापस दे दिया जाये एवं बदले में पाण्डु नगर चिकित्सालय को सेकेण्डरी केयर और एस.एस.टी. केयर की सुविधा एक ही प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत प्रदान करने हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम को हस्तांतरित कर दिया जाए। जिससे वहां के मेडिकल स्टाफ और कर्मचारियों के द्वारा जबरदस्त विरोध भी दर्ज कराया गया है। मंत्री ने विधायक को श्रम शक्ति भवन में अपने अधिकारियों अमर सिंह (आ-ईआरएस) एवं मनोज कुमार सिंह विजिलेंस ऑफिसर तथा मंत्रालय के डीजी राजेंद्र कुमार (कअर) के साथ बातचीत कराई। विधायक ने मंत्री के साथ ही इन उक्त अधिकारियों के साथ वार्ता में कहा कि जिस प्रकार से ऐसे अस्पतालों को संचालित करने हेतु जैसे महाराष्ट्र प्रदेश में, प्रदेश स्तर पर एक संचालन कमेटी का गठन हुआ है, ठीक उसी प्रकार से उत्तर प्रदेश में भी उक्त अस्पताल के संचालन हेतु कमेटी का गठन कर दिया जाए। विधायक ने बताया कि यह भी सहमति बन गई कि जाजमऊ हॉस्पिटल का स्टाफ पांडव नगर में और पांडव नगर का स्टाफ जाजमऊ में करने के विषय पर, मेडिकल स्टाफ एवं कर्मचारियों के विरोध पर, मंत्रालय अपनी सकारात्मक टिप्पणी कर राज्य सरकार को संस्तुति करेगा। विधायक के द्वारा शेष समस्याओं के निराकरण करने के आग्रह पर मंत्री ने आश्वस्त किया और कहा कि उपरोक्त विषयक हेतु, जल्द ही जनहित में शेष कार्यवाही भी होगी।

नए संसद भवन परिसर में सांसदों के प्रवेश के पूर्व काशी में मां गंगा का पूजन, दुग्धाभिषेक

वाराणसी,(हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बने नए संसद भवन परिसर में सांसदों के प्रवेश के पहले मंगलवार को धर्म नगरी काशी में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकताओं ने मां गंगा का दुग्धाभिषेक कर पूजन अर्चन किया। शीतलाघाट पर जुटे कार्यकताओं ने मोर्चा के काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अनूप जायसवाल के नेतृत्व में मां गंगा का पूजन किया। सदस्यों ने गंगा पूजन के बाद नए संसद भवन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सभी केन्द्रीय मंत्री, सांसद और जनप्रतिनिधियों के नए संसद भवन में प्रवेश करने पर कार्यकताओं ने देश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन से देश के नीति निर्धारण, चर्चा से देश की जनता के जीवन में बदलाव आएगा। भारत के विश्व गुरु बनने की राह भी प्रशस्त होगी। इसके लिए मां गंगा से प्रार्थना की गई है। कार्यक्रम में धीरेंद्र शर्मा, कुलदीप वर्मा, ओम प्रकाश यादव, मिठाई लाल यादव, शंकर जायसवाल ,सिद्धनाथ गौंड आदि शामिल रहे।

सरकार की बाट जोह रहा है कानपुर में करोड़ों की लागत से बना अर्धनिर्मित अस्पताल

कानपुर, (हि.स.)। केन्द्र हो या राज्य दोनों सरकारें लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने में जुटी है। लेकिन उप्र के कानपुर नगर में लगभग 367 करोड़ की लागत से बनाए जाने वाले ईएसआईसी अस्पताल अर्ध निर्मित हालत में अब खंडहर होने की कगार पर पहुंच चुका है। बीते 14 वर्ष से शुरू होने की राह देख रहा है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम निदेशक काली चरण झा कहना है कि डेंटल कॉलेज बनाया जाना था। लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने नॉर्म्स चेंज कर दिए कि डेंटल कॉलेज अकेला नहीं बनेगा। मेडिकल कॉलेज के साथ ही इसे बनाया जा सकता है। मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए न तो इतनी जगह है और न ही ईएसआईसी की कोई योजना है। बतादें कि कानपुर के पांडु नगर में 300 बेड का अस्पताल बनना था। स्ट्रक्चर पूरी तरह बनकर तैयार खड़ा है। अर्धनिर्मित इमारत में लगभग 350 कमरे भी बनाए गए। इसी परिसर में 48 फ्लैट भी आवासीय बनाए गए। अनदेखी के चलते निर्मित इमारत की दीवारों पर धूल एवं काई जम चुकी है। बाहर एवं अंदर दीवारों झाड़ियां जम चुकी है। पूरा परिसर जंगल बन चुका है। वर्ष 2009 से 367 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण शुरू हुए ईएसआईसी अस्पताल 14 वर्ष से शुरू हाने की राह देख रहा है। अस्पताल में स्थापित होने वाले लगभग 80 करोड़ के उपकरण नष्ट हो रहें है। इस अस्पताल में लगने वाले 3 बड़े जेनरेटर वर्ष 2010 में खरीदकर लाए गए थे, लेकिन खुले आसमान में रहने की वजह से वे सभी नष्ट हो रहें है। जब से उसकी खरीद की गई, उसके बाद से अब तक वह स्टार्ट नहीं हो सके और जंग लग रहा है। सांसद और विधायक ने इस प्रकरण को लेकर विभागीय मंत्री कर चुके है मुलाकात

विधायक सुरेन्द्र मैथानी इस प्रकरण को लेकर श्रम–रोजगार मंत्री से भी मिले है। मांग किया है कि अति शीघ्र इस समस्या का निदान किया जाए, नहीं तो करोड़ों रुपए सरकार के बर्बाद हो जाऐंगे।

चंद्रशेखर आजाद पूजा समिति काल्पनिक मंदिर का बनाएगा पंडाल

रांची, (हि. स.)। रांची के अलबर्ट एक्का चौक के समीप चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति की ओर से काल्पनिक मंदिर पंडाल के रूप में बनाया जा रहा है। पंडाल की ऊंचाई 70 फीट और चौड़ाई 60 फिट होगी। समिति के अध्यक्ष रमेश सिंह ने मंगलवार को बताया कि पूजा आयोजन के लिए पिछले कई महीनों से कार्य किया जा रहा है । सभी निर्माण कार्य और साज सज्जा का काम कोलकाता के उत्तम पाल की टीम की ओर से किया जा रहा है। पंडाल के अंदर देवलोक का दृश्य होगा। मां दुर्गा की 16 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। पंडाल के मुख्य गेट के बाहर बड़ा सा ग्लो बी बना रहेगा जिसमें भारत की तस्वीर होगी इसके अलावा गंगा आरती का दृश्य मूर्ति के द्वारा दिखाया जाएगा। इस वर्ष पूरे आयोजन में लगभग 20 से 25 लाख रुपए खर्च होंगे। उन्होंने बताया समिति 1971 से लगातार पूजा कर रही है।

केंद्र सरकार ने आदिवासी समाज के हित में कोई भी कार्य नहीं किया: अनीता यादव

रांची, (हि. स.)। राजद प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने आदिवासी समाज के हित में कोई भी कार्य नहीं किया है। साथ ही महिला, पिछड़े, अल्पसंख्यक के लिए भी कोई काम नहीं किया है। उन्होंने मंगलवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा कि विपक्षी दलों की एकता को देखते हुए भाजपा 2024 के चुनाव को लेकर भयभीत हो गई है। इसे लेकर महिला आरक्षण की बात कर रही है। उन्होंने पूछा कि किन महिलाओं को आरक्षण मिलेगा? क्या इस आरक्षण में आदिवासी, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज को आरक्षण मिल रहा है? यदि नहीं तो इसका मतलब साफ-साफ ये होगा कि यह पिछड़े, दलित और आदिवासियों के आरक्षण के विरोध में षड्यंत्र के तहत लाया गया महिला आरक्षण बिल है।

भाकपा माओवादियों की गिरिडीह और बोकारो में पोस्टरबाजी

रांची, (हि.स.)। भाकपा माओवादियों ने वर्षगांठ मनाए जाने से दो दिन पूर्व गिरिडीह और बोकारो जिले के नक्सल प्रभावित इलाकों में उपस्थिति दर्ज कराई है। गिरिडीह जिले के मधुबन मोड पालगंज इलाके में पोस्टरबाजी की गई है। साथ ही पर्चा भी छोड़ा गया है। इसके अलावा बोकारो जिले के ललपनियां बाजार में अलग-अलग दुकानों पर सोमवार देर रात भाकपा माओवादियों ने पोस्टर चिपकाया है। हर पोस्टर में अलग-अलग स्लोगन लिखी थी। पोस्टर में भाकपा माओवादियों के तमाम वीर शहीदों को शत-शत नमन तो दूसरे में विश्व के सर्वहारा क्रांति के नेताओं को लाल सलाम तो अन्य में हर प्रकार के संशोधनवाद मुदार्बाद, मौजूदा फासीवादी स्वेच्छाचारी व्यवस्था को खत्म कर जनवादी व्यवस्था को लागू करो, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी जिंदाबाद लिखे हुए हैं। जानकारी मिलने पर पुलिस पोस्टरों को उखाड़ कर थाने ले आई है। उल्लेखनीय है कि भाकपा माओवादियों ने 21 से 27 सितंबर तक स्थापना दिवस मनाने की घोषणा की है। नक्सली इस बार 19वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इसको लेकर विज्ञप्ति भी जारी किया है। उतरी छोटानगपुर जोनल कमेटी भाकपा माओवादी के नाम से जारी विज्ञप्ति भाकपा माओवादी संगठन की ओर से अपील की गई है कि पूरे जोश-खरोस और क्रांतिकारी जज्बे के साथ वर्षगांठ मनाएं।

वेतन नहीं मिलने पर सफाई कर्मियों ने किया प्रदर्शन

भागलपुर, (हि.स.)। वेतन भुगतान की मांग को लेकर भागलपुर नगर निगम के सफाई कर्मियों ने मंगलवार सुबह से कामकाज को ठप कर दिया। सफाई कर्मी नगर निगम के मुख्य द्वार पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मियों का कहना है कि हमें हमारा वेतन आज के आज दिया जाए, वरना अनिश्चितकालीन हड़ताल होगा। आक्रोशित सफाई कर्मियों ने कि उन्हें नगर निगम प्रशासन की ओर से हर महीने कहा जाता है कि वेतन समय पर मिल जाएगा लेकिन समय पर वेतन नहीं मिलता है। जिससे हम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान सफाई कर्मियों ने भागलपुर की मेयर डाक्टर वसुंधरा लाल को जमकर कोसा और मेयर के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाए। सफाई कर्मियों ने कहा कि हर वर्ष विश्वकर्मा पूजा में सफाई कर्मियों लिए नगर निगम की ओर से भव्य भोज का आयोजन किया जाता रहा लेकिन इस बार किनारा कर दिया गया। प्रधान सरकारी सफाई कर्मी ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी हर बार आश्वासन तो देते हैं लेकिन उसपर अमल नहीं करते। अगर अब भी हम लोगों की बातें नहीं मानी गई तो ऐसे सफाई कर्मियों अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मियों के साथ कई पार्षद भी मौजूद रहे।

गरीब कल्याण के लिए प्रधानमंत्री का नायाब विजन है आयुष्मान भारत : प्रदेश प्रवक्ता

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्णन ने कहा है कि भाजपा का मूल उद्देश्य गरीब कल्याण है और यह काम संपूर्ण राष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी तरीके से निरंतर जारी है। गरीब कल्याण की दिशा में ही प्रधानमंत्री के विजन का एक नायाब तरीका आयुष्मान भारत है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. रंजन चौधरी के आवास पर मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से ना केवल गरीबों का कल्याण हो रहा है। बल्कि विपरीत एवं असमंजस की स्थिति में उनका आर्थिक दोहन भी रुका है। गरीबों के जान माल की सुरक्षा हो रही है। जिससे हर गांव-कस्बे में लोगों की आर्थिक उन्नति के साथ-साथ उनका व्यक्तिगत जीवन भी संवर रहा है। जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करने के लिए बूथ स्तर तक विभिन्न माध्यमों से जनसंपर्क कर आयुष्मान भारत के कार्ड धारकों की संख्या में बढ़ोतरी लाने का काम करेंगे। संबल देने और उनके जीवन को सुरक्षित करने के लिए अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। आयुष्मान भारत के कार्ड धारकों का दायरा बढ़ेगा, अधिक संख्या में लोग इसका फायदा लेकर जान की सुरक्षा करेंगे। विपरीत परिस्थितियों में बेहतर इलाज होने से ना केवल लोगों को असाध्य बीमारियों से लड़ने का हौसला मिला है। बल्कि उन्हें विश्वास है कि यदि किसी प्रकार की कोई भी विपदा आती है तो आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से पांच लाख तक का इलाज कराने के लिए स्वावलंबी हैं। घटना-दुर्घटना होने पर पहले लोग संपत्तियों को औने पौने दाम में बेचा करते थे। फिर इलाज में उस पैसे का उपयोग किया करते थे। लेकिन वह स्थिति कमोबेश संपूर्ण देश में खत्म हो रही है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. रंजन चौधरी ने कहा कि एक ओर जहां केंद्र की सरकार लोगों को इस योजना से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। वहीं दूसरी ओर बिहार की सरकार राजनीतिक विद्वेष के कारण आम लोगों के अहित का काम कर रही है। बेगूसराय में 22 अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वीकृति मिली है। ढ़ेरों अस्पताल निबंध कराने के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन बिहार सरकार राजनीतिक साजिश के तहत अस्पतालों का निबंधन नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पूर्ण निष्ठा के साथ आम लोगों के हित हेतु संघर्षरत हैं। आने वाले दिनों में दिसम्बर माह तक आयुष्मान मेला आयोजित कर आयुष्मान कार्डधारकों की संख्या दस करोड़ तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। प्रेसवार्ता में लोकसभा संयोजक-सह-जिला उपाध्यक्ष कृष्ण मोहन पप्पु, उपाध्यक्ष सुनील सिंह, जिला महामंत्री कुंदन भारती एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी भी उपस्थित थे।

रजौली के लोमस ऋषि पर्वत को पर्यटक स्थल में विकसित करने का हाईकोर्ट ने दिया आदेश

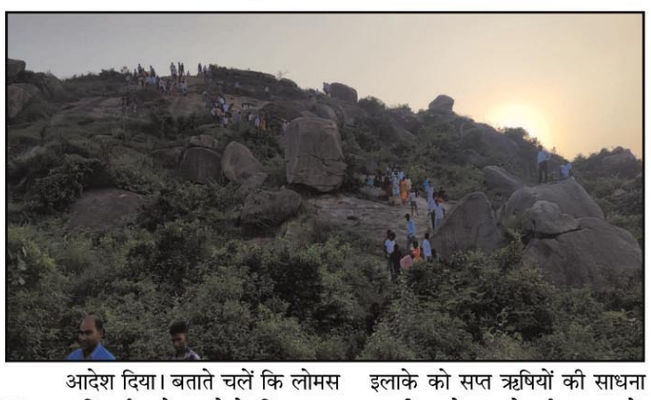

पटना/नवादा, (हि. स.)। पटना हाई कोर्ट में मंगलवार को नवादा जिले के रजौली प्रखंड मुख्यालय से चार किलोमीटर दूर लोमस ऋषि और याज्ञवल्क्य ऋषि पर्वत की गुफाओं को संरक्षित कर इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। साथ ही इस क्षेत्र को विकसित करने के लिए नवादा डीएम की ओर से पर्यटक विभाग के प्रधान सचिव को भेजे गए पत्र के आलोक में कार्रवाई करने को कहा। हाईकोर्ट ने कहा कि इस क्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही दायर लोक याचिका को निष्पादन कर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चन्द्रन और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। बताते चलें कि लोमस ऋषि पर्वत को बचाने के लिए छपरा गांव के निवासी विनय कुमार सिंह ने हाई कोर्ट में पीआईएल दाखिल किया था। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही थी। कोर्ट में दिए गए साक्ष्य के अनुसार हाईकोर्ट ने लोमस ऋषि पहाड़ के इर्द-गिर्द चल रहे खनन कार्य को पूर्व में ही बंद कर दिया था। रजौली के पूर्व एसडीओ चंद्रशेखर ने प्राचीन धर्म ग्रंथो का अध्ययन कर इस इलाके को सप्त ऋषियों की साधना स्थली बताते हुए इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की अनुशंसा देश- समाज हित में की थी। जिस पर हाईकोर्ट ने भी अब मुहर लगा दी है । तत्कालीन रजौली एसडीओ चंद्रशेखर आजाद ने डीएम के माध्यम से सरकार को इन इलाकों को सप्त ऋषियों की साधना स्थली मानते हुए पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की अनुशंसा की थी।

देश के गरीबों के लिए वरदान साबित रही आयुष्मान भारत योजना - राकेश सिंह

भागलपुर, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह ने भागलपुर में मंगलवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की सरकार द्वारा एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत महिला आरक्षण दिया गया जो मिल का पत्थर साबित होगा। प्रदेश प्रवक्ता श्री सिंह ने कहा कि आयुष्मान योजना का कार्ड बनाने में बिहार सरकार फिसड्डी साबित हुई है। जहां पुरे देश में 50 प्रतिशत कार्ड बना है, वहीं बिहार में सिर्फ 13 प्रतिशत ही बना है। कमोबेश भागलपुर की भी यही स्थिति है। उन्होंने कहा कि एक विशेष अभियान के तहत 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक एक अभियान के तहत पंचायत स्तर पर कार्ड बनाया जायेगा। जिसमें भाजपा कार्यकर्ता सहयोग करेंगे। पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, मृणाल शेखर, विजय कुशवाहा, विनोद सिन्हा, शशि मोदी, जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी, कुमार श्रवण, रितेश घोष, चंदन यादव उपस्थित रहे।

संपादकीय

एशिया चैंपियन भारत

भारत एक बार फिर क्रिकेट का 'एशिया चैम्पियन' बना है। करीब 5 साल बाद यह 8वां सरताज टीम इंडिया के हिस्से आया है, लिहाजा अंतरराष्ट्रीय खिताब का सूखा समाप्त हुआ है। टीम इंडिया ने अपने हुनर, परिश्रम और जीत के जज़्बे के साथ यह खिताब हासिल किया है। फाइनल मैच में भारत ने श्रीलंका को मात्र 50 रनों पर ढेर कर दिया और 263 गेंदें शेष रहते यह टूर्नामेंट जीत लिया। एशिया कप में यह श्रीलंका की सबसे करारी हार रही, सबसे छोटा स्कोर बन पाया और टीम इंडिया सर्वाधिक 10 विकेट से चैम्पियन बनी। इस ऐतिहासिक जीत में सभी खिलाडियों के हिस्से की धूप है, लेकिन जीत के नायक रहे-मुहम्मद सिराज। इस नौजवान गेंदबाज की ऐसी सुनामी आई कि एक ही ओवर में श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज ढह गए। कुल 4 बल्लेबाज तो 'शून्य' पर ही आउट हुए। सिराज ने 21 रन देकर 6 विकेट धराशायी किए। एक ही ओवर में 4 विकेट का करिश्मा करने वाले सिराज प्रथम भारतीय गेंदबाज हैं। पहली बार ही 16 गेंदों पर 5 विकेट उखाड़े। यह वाकई करिश्माई और सबसे तेज उपलब्धि है। एकदिनी क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट हासिल करने वाले सिराज विश्व में ऐसे दूसरे गेंदबाज हैं। कीर्तिमान श्रीलंका के अजंथा मेंडिस के नाम है। अब सिराज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 3 गेंदबाजों की जमात में शामिल भी होंगे। बेशक श्रीलंका विश्व चैम्पियन टीम रही है और अब भी अपने 'एशिया खिताब' का बचाव कर रही थी, लिहाजा ऐसी ताकतवर टीम के मुकाबले यह एकतरफा जीत विश्व कप से पहले टीम इंडिया के लिए बेहद शुभ संकेत है। एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप 5 अक्तूबर से भारत में ही खेला जाना है। अब टीम इंडिया बेहतर फॉर्म और उत्साह में है। टीम दमदार लग रही है। इसका भी मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। चूंकि ये खिलाड़ी लंबे अंतराल से साथ-साथ खेल रहे हैं, लिहाजा उम्मीद की जा रही है कि 1983 और 2011 के बाद तीसरी बार भारत विश्व चैम्पियन भी बन सकता है। यह आकलन विश्व चैम्पियन रहे बल्लेबाज सुनील गावस्कर का है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। सिराज, कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी ने कहर बरपाते हुए साबित किया है कि वे अपनी सटीक गेंदबाजी से किसी भी देश की टीम को धराशायी कर सकते हैं। 'चाइनामैन स्पिनर' कुलदीप ने पाकिस्तान की आधी टीम को आउट कर, सुपर 4 में श्रीलंका के 4 विकेट लेकर उनके हिस्से से जीत छीन ली थी। उन्हें 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' चुना गया है और 15,000 डॉलर के नकद इनाम से नवाजा गया है। सवाल यह भी सहज है कि सिराज की गेंदबाजी में ऐसा क्या हुनर है कि सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुहम्मद शमी सरीखे खिलाड़ी को 'प्रतीक्षारत गेंदबाज' के तौर पर बिठाया गया है। सिराज को 'विकेट की गारंटी' मान कर सबसे पहले चयन किया जाता है। दरअसल उन्होंने विख्यात गेंदबाज बुमराह के साथ ऐसी आउटस्विंग गेंदबाजी की कि धाकड़ बल्लेबाज भी चकमा खा गए, उनकी गिल्लियां बिखर गईं, नतीजतन श्रीलंका को सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। सिराज ने अपनी गेंदबाजी के कोण, उसकी गति, दिशा और नियंत्रण को भी खूब तराशा है, लिहाजा आज वह विश्व विख्यात गेंदबाजों की जमात में खड़े हैं। सिराज ने पुराने वेस्टइंडीज के तूफानी गेंदबाजों की याद ताजा कर दी। गेंदबाजी के अलावा, टीम इंडिया की बल्लेबाजी में विराट कोहली, शुभमन गिल और केएल राहुल ने एशिया कप में शतक जड़े। रोहित शर्मा, ईशान किशन, पंड्या, अक्षर पटेल आदि ने बेहतर बल्लेबाजी कर संतुलन और शक्ति की व्याख्याएं कीं।

एशिया कप में यह श्रीलंका की सबसे करारी हार रही, सबसे छोटा स्कोर बन पाया और टीम इंडिया सर्वाधिक 10 विकेट से चैम्पियन बनी। इस ऐतिहासिक जीत में सभी खिलाडियों के हिस्से की धूप है, लेकिन जीत के नायक रहे-मुहम्मद सिराज। इस नौजवान गेंदबाज की ऐसी सुनामी आई कि एक ही ओवर में श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज ढह गए। कुल 4 बल्लेबाज तो 'शून्य' पर ही आउट हुए। सिराज ने 21 रन देकर 6 विकेट धराशायी किए। एक ही ओवर में 4 विकेट का करिश्मा करने वाले सिराज प्रथम भारतीय गेंदबाज हैं। पहली बार ही 16 गेंदों पर 5 विकेट उखाड़े। यह वाकई करिश्माई और सबसे तेज उपलब्धि है। एकदिनी क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट हासिल करने वाले सिराज विश्व में ऐसे दूसरे गेंदबाज हैं। कीर्तिमान श्रीलंका के अजंथा मेंडिस के नाम है। अब सिराज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 3 गेंदबाजों की जमात में शामिल भी होंगे। बेशक श्रीलंका विश्व चैम्पियन टीम रही है और अब भी अपने 'एशिया खिताब' का बचाव कर रही थी, लिहाजा ऐसी ताकतवर टीम के मुकाबले यह एकतरफा जीत विश्व कप से पहले टीम इंडिया के लिए बेहद शुभ संकेत है। एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप 5 अक्तूबर से भारत में ही खेला जाना है। अब टीम इंडिया बेहतर फॉर्म और उत्साह में है। टीम दमदार लग रही है। इसका भी मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है। चूंकि ये खिलाड़ी लंबे अंतराल से साथ-साथ खेल रहे हैं, लिहाजा उम्मीद की जा रही है कि 1983 और 2011 के बाद तीसरी बार भारत विश्व चैम्पियन भी बन सकता है। यह आकलन विश्व चैम्पियन रहे बल्लेबाज सुनील गावस्कर का है।

कुछ अलग

वन विभाग की नागफनी

पल भर के लिए सोचें कि हिमाचल में विकास के रास्ते पर वन विभाग का डेरा न होता, तो गुजरना कितना आसान होता। मीडिया ने समाज की आंखों में पर्यावरण संरक्षण का सुरमा इस कद्र डाल दिया है कि समाज पौंगा पंडित बन गया है। अपने आसपास विकास दरख्वास्तों पर कभी वन संरक्षण कानून के नाखून देखना। अनुमतियों की हर फाइल पर वन विभाग की नागफनी इस कद्र चढ़ गई है कि हर अनापत्ति की कीमत इस राज्य को या तो अवसर गंवा कर चुकानी पड़ती या इसके बदले चढ़त चढ़ानी पड़ती है। अभी हालिया दौर में तीन परियोजनाओं का ही जिक्र कर लें। हेलिपोर्ट बनाने की महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत हमीरपुर व रक्कड़ की जमीन के लिए सरकार को 65 लाख रुपए वन विभाग को देने पड़ेंगे, जबकि केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर के लिए तीस करोड़ की व्यवस्था करने का फरमान अब सियासत को आगे आने का अवसर दे रहा है। सरकारों को विकास के लिए अपने ही राज्य के जंगल से डरना पड़ता है। 'एक तफतीश से गुजर के ही रह गया, तेरा वजूद इस जंगल की कैद में रह गया।' जंगल हिमाचल के वजूद, हिमाचल की आवश्यकता और हिमाचल की महत्त्वाकांक्षा से सौदा करता है। यही स्थिति पड़ोसी पंजाब और हरियाणा में भिन्न है। वहां सार्वजनिक जमीन पर विकास के नक्शे सरेआम बनते हैं, जबकि हिमाचल में हर कदम पर वन विभाग की बुर्जियां हैं। कल हो सकता है आपके गांव के शमशानघाट में जंगल उग आए या गांव के मैदान की निशानदेही में वन के बूटे खड़े हो जाएं। सडक़ों के किनारे खड़े सूखे पेड़ तो देखे होंगे। यह सडक़ तो वहां तक चौड़ी है, जहां जंगल का वारिस पेड़ खड़ा है। क्या पीडब्ल्यूडी में दम है कि इसे हटा पाए। किसी दिन गिरेगा यही पेड़ आपकी दुकान पर या कोई वाहन इसके नीचे आकर टूटेगा, तो खबर बन जाएगी। खबरें तो इस बार भी बनीं। पेड़ गिरे, लेकिन बदनाम हुई जनता। पेड़ गिरते रहेंगे और बदनाम शिमला होता रहेगा, क्योंकि राजधानी के जंगल में मंगल की छूट नहीं है। इधर वन विभाग न पेड़ उगाता है और न ही इसकी रक्षा करता है, बल्कि इन्हें गिन लेता है। गिन लेता है जंगल उन पेड़ों को जो चीड़ के बीजों की वजह से कहीं भी उग आते हैं। जरा सोचें कि अगर हमीरपुर के जंगल से हेलिपोर्ट की तरह दस परियोजनाओं को जमीन चाहिए, तो अकेले फोरेस्ट डिपार्टमेंट की जेब में 390 लाख रुपए डालने पड़ेंगे। परियोजनाएं इससे ज्यादा तादाद और आकार में हुईं, तो हमेशा उसी राज्य का खजाना खाली होगा, जिसने जंगल उगाए। हमने 70 फीसदी राज्य की जमीन को वन घोषित करके क्या हासिल किया। क्यों नहीं यह समझा या समझाया गया कि पड़ोसी पंजाब और हरियाणा अगर पांच प्रतिशत से भी कम जमीन को वनों के तहत लाकर केंद्रीय योजनाओं के चहेते बने, तो हिमाचल में जंगल का अर्थ अब विकास की जंजीर क्यों हो गया।

भारतीय सनातन संस्कृति, परम्पराओं एवं मर्यादाओं का पालन करते हुए भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अतुलनीय प्रगति की है

भारत एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत आज अपने स्वर्णिम काल में प्रवेश कर गया है। जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत आज विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है और भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश कहा जा रहा है। जबकि, भारत की तुलना में विश्व के कई अन्य विकसित देशों जैसे, जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका, फ्रान्स, इटली, ब्रिटेन, आदि में बुजुर्ग आबादी की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इतिहास का यह खंडकाल भारत के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण काल कहा जा सकता है क्योंकि एक तो भारत पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है तो वहीं भविष्य को लेकर भी भारत के आर्थिक विकास के सम्बंध में लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भव्य सम्भावनाएं व्यक्त करते हुए केवल यह दशक ही नहीं बल्कि यह शताब्दी ही भारत की बता रहे हैं। 1980 के दशक के मध्य, वर्ष 1985 में, भारत विश्व की 10 सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था, अमेरिका, सोवियत यूनियन, जापान, पश्चिमी जर्मनी, फ्रान्स, यूनाइटेड किंगडम, इटली, कनाडा, चीन और भारत। परंतु अगले दो दशकों से भी अधिक समय तक भारत उक्त सूची में से बाहर हो गया। फिर वर्ष 2014 आते आते भारत एक बार पुनः विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। इसके बाद से तो भारतीय अर्थव्यवस्था ने तेज रफ्तार पकड़ ली है और वर्ष 2022 में भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब तो भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। आर्थिक क्षेत्र में भारत के विकास की कहानी को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों की सफल कहानी भी कहा जा सकता है। वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, भारत के बढ़ते महत्व के चलते विभिन्न देश एवं वैश्विक संस्थान भारत की आवाज को अब गम्भीरता से लेने लगे हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति, परम्पराओं एवं मर्यादाओं का पालन करते हुए भारत ने आर्थिक क्षेत्र में अतुलनीय प्रगति की है। आज भारत, विश्व की सबसे तेज गति से आर्थिक विकास करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पिछले 9 वर्षों के दौरान 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ा है। वैश्विक स्तर पर जहां सकल घरेलू उत्पाद 3 से 3.5 प्रतिशत के बीच बढ़ रहा है वहीं भारत में यह 7 प्रतिशत से अधिक की गति से आगे बढ़ रहा है और यह आर्थिक विकास दर आगे आने वाले लम्बे समय तक बने रहने की भरपूर

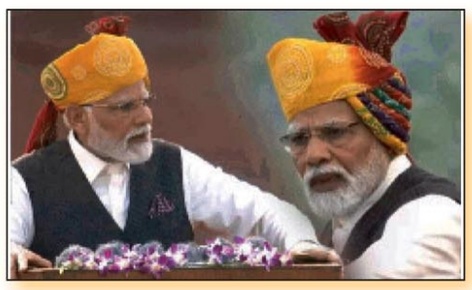

सम्भावना है क्योंकि भारत के पास बहुत बड़ी मात्रा में युवा, सक्षम एवं शिक्षित आबादी है, जो भारत के लिए एक 'पावर हाउस' बनकर उभर रही है। भारत के पास मजबूत बैंकिंग व्यवस्था है, जो उद्यमियों को पूंजी उपलब्ध कराने में हमेशा आगे रहती है। सरकारी क्षेत्र के बैंकों सहित निजी क्षेत्र के बैंकों में भी गैरनिष्पादन कारी आस्तियों को बहुत कम स्तर पर लाया गया है एवं इन लगभग सभी बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी बैंकों के समतुल्य पहुंच गया है।

भारत में हाल ही के समय में आधारभूत ढांचा खड़ा करने के लिए अभूतपूर्व कार्य सम्पन्न हुआ है। सड़क मार्ग, रेल यातायात, समुद्रीय मार्ग से यातायात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आधारभूत ढांचा में हुए जबरदस्त सुधार के चलते कई बहुराष्ट्रीय विदेशी कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयां भारत में स्थापित करने की ओर लालायित हो रही हैं। परिवहन सम्बंधी आधारभूत ढांचे के साथ ही संचार सम्बंधी आधारभूत ढांचे में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। आज इंटरनेट की सुविधाएं भारत के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच गई हैं एवं ग्रामों में निवासरत नागरिकों के पास भी स्मार्ट फोन उपलब्ध हैं जिसके चलते सूचनाओं एवं जानकारी का आदान प्रदान तुरंत हो पा रहा है एवं इससे देश के दूर दराज इलाकों में भी आर्थिक व्यवहार करने में बहुत आसानी हो गई है। जनधन योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं एवं इन खातों में आज 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि जमा हो गई है, जो देश के गरीब नागरिकों की ओर से भारत के आर्थिक विकास में उनके योगदान के रूप में देखी जा सकती है। बुनियादी ढांचे को विकसित करने के अलावा नागरिकों को घरेलू स्तर की सामान्य सुविधाएं जैसे शौचालय, पीने का पानी, खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन एवं बिजली आदि की सुविधाएं भी सफलता पूर्वक उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी धाक पूरे विश्व में ही जमाई है। इस क्षेत्र में भारत पूरे विश्व के लिए एक पावर हाउस की भूमिका अदा करता हुआ दिखाई दे रहा है। अब तो स्टार्ट अप के क्षेत्र में भी भारत विश्व में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारतीय युवाओं ने इन क्षेत्रों में अपना लोहा वैश्विक स्तर पर मनवा लिया है।

भारत डिजिटल आधारभूत ढांचे को विकसित करने में भी सफल रहा है, जिससे देश की विशाल आबादी को प्रदान की जाने वाली तमाम सेवाओं का डिजिटलीकरण करने में आसानी हुई है, जैसे मनी ट्रांसफर, कैश ट्रांसफर आदि। भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल व्यवहारों का प्रतिशत बहुत बढ़ा है। इससे दूर दराज के क्षेत्रों में निवास कर रहे नागरिकों को प्रदान की जा रही सरकारी सुविधाओं को डिजिटल ढांचें के माध्यम से पहुंचाने में बहुत आसानी हुई है। भारत की देखा देखी वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के नागरिकों को भी विभिन सेवाओं के डिजिटलीकरण का महत्व समझ में आया है। आज भारत टेक्नॉलाजी की दुनिया के कुछ सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया है। एपल, गूगल एवं एमेजोन जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की बात कही है।

बुनियादी ढांचे के विकास के साथ ही भारत के नागरिकों की रोजगार के लिए अब कृषि क्षेत्र पर निर्भरता धीरे धीरे कम हो रही है। अब सेवा के क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगे हैं एवं साथ ही विनिर्माण इकाईयों के स्थापित होने से उद्योग के क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना अब सरकार के लिए एक प्राथमिक कार्य की श्रेणी में आ गया है। भारतीय डॉक्टर, इंजीनीयर एवं प्रबंधन में विशेषज्ञता हासिल किये हुए युवाओं की विकसित देशों में भारी मांग है एवं इसके कारण कई भारतीय युवा अब रोजगार के लिए इन देशों की ओर भी रूख करने लगे है। फिर भी आज कुल मिलाकर 42.9 प्रतिशत नागरिक कृषि क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, 31.1 प्रतिशत नागरिक सेवा क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं, (9.4 प्रतिशत नागरिक पब्लिक सेवा क्षेत्र में), 13.5 प्रतिशत नागरिक निर्माण (कन्स्ट्रक्शन) क्षेत्र में एवं 11.7 प्रतिशत नागरिक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करते हैं।

आज जब विश्व के कई देश आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में कई गम्भीर समस्याओं से जूझ रहे हैं और वे इन समस्याओं को हल करने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहे हैं, इन गम्भीर परिस्थितियों के बीच भारतीय सनातन संस्कृति एवं परम्पराएं इन देशों के लिए आशा की किरण के रूप में दिखाई दे रही है।

जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत आज विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है और भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश कहा जा रहा है। जबकि, भारत की तुलना में विश्व के कई अन्य विकसित देशों जैसे, जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका, फ्रान्स, इटली, ब्रिटेन, आदि में बुजुर्ग आबादी की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जनसंख्या की दृष्टि से भी भारत आज विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है और भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे युवा देश कहा जा रहा है। जबकि, भारत की तुलना में विश्व के कई अन्य विकसित देशों जैसे, जापान, जर्मनी, चीन, अमेरिका, फ्रान्स, इटली, ब्रिटेन, आदि में बुजुर्ग आबादी की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

बच्चों में डायबिटीज और मानसिक रोग

अब तक जीवन-पद्धति से उपजी मानी जाने वाली बीमारी डायबिटीज या मधुमेह अब छोटे बच्चों में भी अपने पैर पसारने लगी है। जाहिर है यह परिस्थिति सरकार, समाज और परिवार, सभी के सरोकार की है। अपने पास-पड़ोस के किसी बच्चे को डायबिटीज हो तो उसे क्या और कैसे करना चाहिए, प्रस्तुत है इसी पर प्रकाश डालता यह लेख। मध्यप्रदेश के खरगौन जिले के मनीष (परिवर्तित नाम) को तब डायबिटीज होने की जानकारी मिली जब वो नवमीं कक्षा में पढ़ रहा था। जबसे उसे पता चला तबसे उसकी दुनिया ही बदल गई। उसे हर समय यही लगता था कि किसी को यह बात पता न चल जाए। अस्पताल ने भी केवल यह बताया कि इन्सुलिन कैसे लेना है और कब लेना है, लेकिन जिस तनाव से मनीष गुजर रहा था उस पर किसी ने कोई भी बात नहीं की। घर वालों को इस बीमारी के बारे में पता नहीं था, अस्पताल में किसी मनोवैज्ञानिक को संदर्भित किया नहीं गया और स्कूल में मनीष खुद नहीं बताना चाहता था। लिहाजा, डरे-सहमे मनीष ने स्कूल जाने से पहले और आने के बाद घर में ही इन्सुलिन लेनी शुरू कर दी। मनीष को पढ़ाई के लिए चार किलोमीटर दूर के गांव जाना पड़ता था। वह बहुत ज्यादा थकने लगा। कई-कई दिन वह स्कूल नहीं जाता था। अब वह बहुत शांत भी रहने लगा। यह पूछने पर कि वह किसी को क्यों नहीं बताना चाहता या उसे किस बात का डर था, इसका कोई ठोस जवाब मनीष के पास नहीं था। तनाव बढ़ता गया और नवमीं पास करते ही उसने गांव छोड़ दिया। वह अपने मामा के यहां आ गया और उसने यहां नए सिरे से जिंदगी जीने की ठानी, लेकिन किसी को पता चल जाने के डर ने मनीष का पीछा यहां भी नहीं छोड़ा। मनीष दिन-रात इसी जद्दोजहद में रहता कि किसी को पता न चले। छिपकर इन्सुलिन लेता। अपने गांव में तो सरकारी इन्सुलिन मिल जाती थी, लेकिन यहां तो इसकी जुगाड़ भी खुद को करनी थी, क्योंकि नई जगह पर किसी को पता नहीं चलना चाहिए था। पिता मजदूर और मां गृहिणी। दो छोटे भाइयों का खर्च अलग। कुल मिलाकर परेशानियों का अम्बार था। ऐसे में मनीष को परामर्श की महती आवश्यकता थी, जो उसे कहीं नहीं मिल रहा था। हम सभी जानते हैं कि जब एक बच्चे को डायबिटीज का पता चलता है, तो यह उनकी जीवन शैली और स्वास्थ्य में कई बदलाव लाता है। वह न केवल शारीरिक परिवर्तनों का अनुभव करता है, बल्कि कुछ भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का भी अनुभव करता है। डायबिटीज वाले बच्चे अक्सर महसूस करते हैं कि वे अपने बाकी साथियों से अलग हैं। डायबिटीज की देखभाल के लिए अस्पताल का दौरा, संबंधित जोखिम और जटिलताओं की निगरानी करना और स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली को बनाए रखना बहुत भारी हो सकता है। इसलिए बच्चों में डायबिटीज और तनाव साथ-साथ चलते हैं। डायबिटीज के साथ जी रहा बच्चा, अवसाद जैसी स्थिति की ओर भी बढ़ सकता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि डायबिटीज वाले बच्चों में अवसाद विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। डायबिटीज वाले लगभग 15-20 प्रतिशत किशोर डायबिटीज से संबंधित अवसाद का अनुभव करते हैं। वे अक्सर उदासी, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, सुस्ती, नींद की गड़बड़ी, भूख में बदलाव, कम प्रेरणा, भय, गतिविधियों में भागीदारी में कमी और आत्महत्या के बारे में विचार करते हैं। ऐसे में इन बच्चों और किशोरों को इस स्थिति से निकालने के लिए परामर्श की महती आवश्यकता रहती है। 'डायबिटीज बर्नआउट' मन की एक अवस्था है जहां कोई व्यक्ति रक्त-शर्करा के स्तर को प्रबंधित करने से निराश महसूस करता है और दैनिक डायबिटीज प्रबंधन कार्यों को पूरा करके खिंचा हुआ महसूस करता है। यह अक्सर डायबिटीज से जुड़े अवसाद की ओर जाता है। बच्चों और युवाओं में अवसाद अक्सर खराब स्वास्थ्य का नतीजा होता है जैसे कि खराब डायबिटीज नियंत्रण, अस्पताल के दौरे में वृद्धि, कम आत्मविश्वास, जीवन की खराब गुणवत्ता और कम आत्म-प्रभावकारिता। डायबिटीज एक मनोवैज्ञानिक रूप से चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति है। डायबिटीज के बच्चों के माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ भी लगातार संपर्क में रहें और उन्हें बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताते रहें। उन्हें स्कूल में डायबिटीज से संबंधित रणनीतियों के प्रबंधन के बारे में शिक्षक का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। मनीष के मामले में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और वह अपने स्तर पर ही बीमारी से जूझते रहा। वह कहता है कि मेरी चचेरी बहन नहीं होती तो शायद कुछ और स्थिति बनती। उसने हर समय मेरी हिम्मत बनाए रखी। ऐसे में यह एक नीतिगत प्रश्न है कि खेलने-कूदने की उम्र में जो बच्चे डायबिटीज से जूझ रहे होते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य से निबटने के लिए सरकारों ने कोई ठोस पहल क्यों नहीं की? शोधकर्ताओं के मुताबिक, स्वस्थ लोगों में कोर्टिसोल हार्मोन दिन भर में प्राकृतिक रूप से ऊपर-नीचे होता रहता है। सुबह बढ़ जाता है और रात में इसका स्तर गिरता है, लेकिन टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के साथ कोर्टिसोल प्रोफाइल दिन भर एक समान रहता है और उनमें ग्लूकोज का स्तर बहुत ज्यादा पाया जाता है। प्रतिभागियों में कोर्टिसोल का स्तर एक समान होने की वजह से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और बीमारी के प्रबंधन में कठिनाई आती है। यही कारण है कि टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए तनाव को कम करने के उपाय खोजना बहुत जरूरी है। राज्य सरकारों को अपने स्तर पर इस मुद्दे पर पहल करनी होगी। ऐसे बच्चे जो डायबिटीज के साथ बड़े हो रहे हैं, के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिशा-निर्देश देते हुए सभी राज्यों को स्पष्ट कहा है कि बच्चों को स्कूल में ऐसा माहौल मिले, जहां कि वे अपने आपको अलग-थलग नहीं समझें और प्रक्रिया समावेशी हो। यह बात अभी तक धरातल तक नहीं पहुंची है।

प्रतिभागियों में कोर्टिसोल का स्तर एक समान होने की वजह से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और बीमारी के प्रबंधन में कठिनाई आती है। यही कारण है कि टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए तनाव को कम करने के उपाय खोजना बहुत जरूरी है। राज्य सरकारों को अपने स्तर पर इस मुद्दे पर पहल करनी होगी। ऐसे बच्चे जो डायबिटीज के साथ बड़े हो रहे हैं, के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिशा-निर्देश देते हुए सभी राज्यों को स्पष्ट कहा है कि बच्चों को स्कूल में ऐसा माहौल मिले, जहां कि वे अपने आपको अलग-थलग नहीं समझें और प्रक्रिया समावेशी हो। यह बात अभी तक धरातल तक नहीं पहुंची है। दिशा-निर्देश दिल्ली से तो आ गए हैं, परंतु राज्य सरकारों ने इस पर अपनी कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी है। शिक्षकों का कोई परिचयात्मक प्रशिक्षण नहीं हुआ है और न ही स्कूलों ने अपनी ओर से कोई भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

दृष्टिकोण

फकीरी, फितूर, फुजूल और फालतू

देश में अजब फक़ीरी का आलम है बॉस। कबीर साहिब ने तो सिर्फ कहा था, हमने कर दिखाया। उन्होंने कहा था, 'कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लुकाठी हाथ। जो घर फूंके आपनौ, चले हमारे साथ।' शायद यही लोकतंत्र की ख़ूबी है कि लोग जानते-बूझते हुए भी कुछ अच्छा पाने की आस में ऐसे फक़ीर के साथ चलते हुए अपना घर स्वयं फूंक देते हैं जो उनके पास आने से पहले सैंकड़ों लोगों के घरों को फूंककर आपको अपने साथ चलने के लिए आमंत्रित कर रहा हो। आप भी उसके साथ चलते हुए यह बोलने में गर्व महसूस करते हैं कि 'आई मौज फक़ीर की दिया झोंपड़ा फूंक।' लेकिन मज़े की बात है कि यह फक़ीर सालों पहले महलों में रहने के ख़वाब लिए अपना झोंपड़ा छोड़ कर भाग आया था। फ़ितूर उसका था, फुज़ूल में लोग अपना घर फूंकने के बाद ख़ुद का ही फालतू तमाशा देखने में एक दशक से मशग़ूल हैं। बक़ौल एक शायर लोग केक की फिक्र में अपने हाथ से रोटी गँवा बैठते हैं। ऐसे लोग ही पाँच किलो राशन के लिए लम्बी क़तारों में लगते हैं। पर डर है कि मुफ्त की आदत के लत में बदलने के बाद जल्द ही लोगों की ये क़तारें छीना-झपटी पर उतर आएंगी। बस! पैंट-कोट की चाह में अब लंगोट उतरना बाक़ी है। उसके बाद हम सभी सच्चे फक़ीर हो जाएंगे। वैसे भी फक़ीर का चाह कितनी, एक अँगुल की गाँठ जितनी। ऐसी चाह रखने से किसी और पोटली में गाँठ लगाने की ज़रूरत नहीं रहती। इसलिए आपने देखा होगा कि फक़ीर के पास अपना कुछ नहीं होता। पर चालीस लाख की घड़ी और दस लाख का सूट पहनने वाला फक़ीर अपने साथ जिस झोले को ले जाने की बात करता है, उसमें उन बैंकों के एटीएम और चैक बुक होंगी, जिसमें पीएम केयर फंड, राफेल डील और बैंक के माफ किए गए अरबों रुपये जमा होंगे। उनकी फक़ीरी भले ओढ़ी हुई थी। लेकिन हमारी फक़ीरी कोई आम फक़ीरी नहीं। हम जन्मज़ात फक़ीर हैं, थे और रहेंगे। अगली बार कोई और मसीहा गाते हुए हमारे सामने से निकलेगा और हम उसके साथ गाते हुए चल पड़ेंगे, 'एक मसीहा आया है, एक मसीहा आया है।' लेकिन यह फक़ीर वास्तव में महान है। अगर नहीं होता तो चाय की टपरिया छोडक़र सेंट्रल विस्टा में रहने के लिए पैदा नहीं होता। वह सेंट्रल विस्टा में रहेगा जबकि आम लोग अपना सेंटर खो चुके हैं। अगर नहीं खोया होता तो शायद आज उसके मन की बात नहीं सुन रहे होते। दूसरों की बात सुनते हुए दीन-हीन स्वर में गाना शुरू कर देते हैं- तारो हे प्रभु अब की बार। प्रभु कभी धरा पर नहीं उतरते किन्तु कोई फक़ीर आकर फिर हमारा लंगोट खींच कर ले जाता है। कभी मन के भीतर उतरे होते तो शायद लंगोट में नहीं घूम रहे होते। जब भी किसी राम राज्य में धोबी लोकतंत्र के पहरुए हो जाते हैं, न किसी सीता की लाज बचती है और न किसी लव-कुश को रहने को घर मिलता है। लेकिन राजनीति की यही विशेषता है कि लोकतंत्र के नाम पर स्वार्थ की किरचों से राम राज्य को सजाया जा सकता है। राजनीति के टुच्चेपन को लोकतंत्र की आड़ में छिपाया जाता है, जिनका टुच्चापन छिप जाता है, वे देश की सेवा करते हुए दस सालों में कभी छुट्टी नहीं लेते।

देश दुनीया से

रैगिंग की आग में बुझते सपनों के दीपक

रैगिंग की शुरुआत कुछ यूरोपीय विश्वविद्यालयों में हुई थी जहां नए छात्रों के स्वागत के समय सीनियर विद्यार्थी व्यावहारिक मजाक करते थे। धीरे-धीरे यह दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गया। आज लगभग सभी देशों ने सख्त कानून बनाकर रैगिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है और कई देशों में इसे खत्म भी कर दिया गया है। बहुत ही दुःख की बात है कि हमारे शिक्षण संस्थान अभी भी इस अमानवीय प्रथा से मुक्त नहीं हुए हैं। पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में कथित तौर पर रैगिंग के कारण एक छात्र की मौत ने कई लोगों को झकझोर कर रख दिया है। गत दिनों हिमाचल के मंडी में स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ रैगिंग की घटना सामने आई। संस्थान प्रबंधन ने मामले की जांच के बाद दस सीनियर छात्रों को निलंबित कर दिया है। आईआईटी मंडी के बाद अब हिमाचल के ही श्री लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कालेज नेरचौक में परिचय के बहाने जूनियर्स से रैगिंग की गई। संस्थान प्रबंधन ने छह सीनियर छात्रों के विरुद्ध कार्रवाई की है। उन्हें मेडिकल कॉलेज से तीन महीने और छात्रावास से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही सभी आरोपियों पर पच्चीस हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। एक बार फिर रैगिंग जैसे अमानवीय व्यवहार और इससे निपटने में अधिकारियों के गैर-गंभीर रवैये पर ध्यान आकर्षित किया है। हमारे देश के सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न मामलों और दिशा-निर्देशों के माध्यम से इस मुद्दे के समाधान के लिये महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विश्व जागृति मिशन मामले में वर्ष 2001 में रैगिंग को परिभाषित किया। इसमें रैगिंग को किसी भी अव्यवस्

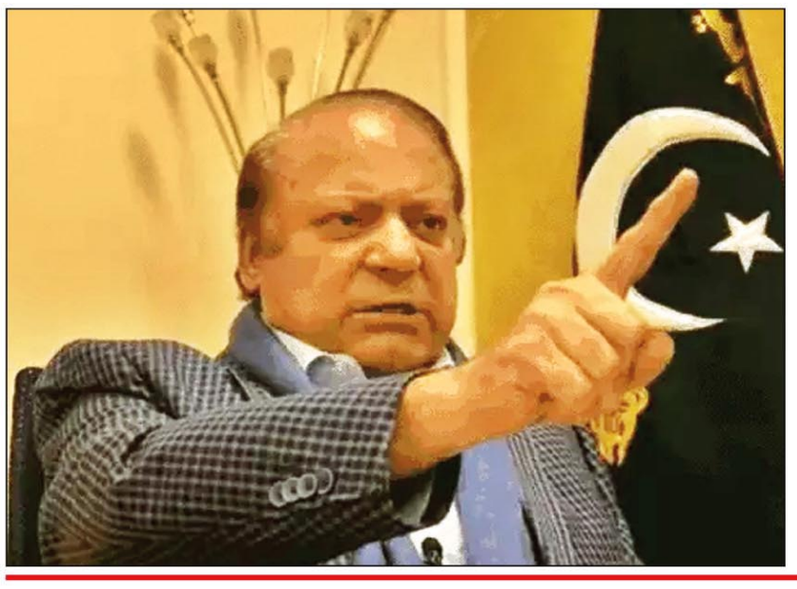

नवाज बोले- भारत चांद पर पहुंचा, हम पैसे मांग रहे: कहा-आज हमारी कोई इज्जत नहीं, जनरल बाजवा ने पाकिस्तान की ये हालत की

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा है कि भारत आज चांद पर पहुंच चुका है। जी20 समिट होस्ट कर रहा है। भारत के पास आज खजाने में 600 अरब डॉलर हैं। वहीं पाकिस्तान 1-1 अरब डॉलर चीन और अरब देशों सहित दुनियाभर से मांग रहा है। ऐसे में हमारी उनके सामने क्या इज्जत रह गई है। हम कंगाल होने की कगार पर हैं। नवाज ने कहा- जिन लोगों ने पाकिस्तान का ये हाल किया है वो देश के सबसे बड़े मुजरिम हैं। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट की सरकार ने देश को डिफॉल्ट होने से बचाया है, वर्ना देश में पेट्रोल के दाम एक हजार रुपए प्रति लीटर तक पहुंच जाते। नवाज शरीफ ने देश की इस हालत के लिए रिटायर्ड आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा, पूर्व चीफ फैज हमीद और पूर्व चीफ जस्टिस मियां साकिब निसार को जिम्मेदार ठहराया।

पाकिस्तान में रोटी के लिए तरस रहे गरीब - नवाज ने कहा- आज देश में गरीब लोग रोटी के लिए तरस रहे हैं। कौन है जो देश को इस हालत में लेकर आया है। 2017 में पाकिस्तान में ये नजारा नहीं था। तब आटा, घी, चीनी सब सस्ते मिलते थे। बिजली के बिल लोगों की जेब के हिसाब से आते थे। आज लोगों के 30 हजार तक भी बिजली के बिल आते हैं। ऐसे में उनके पास बच्चों का पेट भरने के लिए पैसे नहीं बचते। मेरी हुकूमत में देश तरक्की कर रहा था। इसके बावजूद मुझे कोर्ट में 27 साल की सजा सुनाई गई। सालों तक मुझे देश से बाहर रहना पड़ा। इन सबके पीछे जनरल बाजवा और जनरल फैज का हाथ था। 1990 में भारत ने हमें देखकर इकोनॉमिक रिफॉर्म ऑर्डर लागू किया। आज देखिए उनका मुल्क कहां पहुंच चुका है। जब वाजपेयी जी भारत के प्रधानमंत्री बने थे तब उनके देश के पास 1 अरब डॉलर भी नहीं था और आज उनके पास 600 अरब डॉलर हैं।

पाकिस्तान आज भिखारी देश बन गया है - वहीं पार्टी के वाइस प्रेसिडेंट हमजा शाहबाज ने कहा- नवाज ने पाकिस्तान को एक परमाणु शक्ति वाला राष्ट्र बनाया था, लेकिन आज हम भिखारी देश बन गए हैं। ये शर्म की बात है। अब पाकिस्तान की जनता नवाज शरीफ को पीएम बनाकर देश का भविष्य सुरक्षित करेगी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और नवाज शरीफ के छोटे भाई शाहबाज शरीफ ने करीब 1 हफ्ते पहले घोषणा की थी कि नवाज 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटेंगे। उनके स्वागत के लिए पाकिस्तान में तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। टॉप लीडरशिप की लंदन में हुई मीटिंग के बाद ये फैसला लिया गया था। 3 महीने पहले पाकिस्तान में शाहबाज सरकार ने संसद में 'लाइफटाइम डिस्क्वालिफिकेशन' को रद्द कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने 5 अमेरिकी कैदियों को रिहा किया: बदले में अमेरिका ने ईरान के 49 हजार करोड़ रुपए रिलीज किए; कतर ने कराई डील

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के साथ डील के तहत उनके 5 कैदियों को रिहा कर दिया है। पांचों अमेरिकी कतर की राजधानी दोहा से वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा- 5 बेकसूर अमेरिकी आखिरकार अपने घर लौटे हैं। इन सभी ने कई सालों तक दर्द झेला है। इसी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद और ईरानी खुफिया मंत्रालय पर गलत तरीके से अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लेने के मामले में नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने अपने नागरिकों की रिहाई के बदले साउथ कोरिया में सीज किए गए ईरान के 49 हजार करोड़ रुपए रिलीज किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 49 हजार करोड़ रुपए सीधे ईरान को नहीं दिए गए। इन्हें दोहा के सेंट्रल बैंक में ट्रांसफर किया गया है। रिहा हुए कैदियों में से एक सियामक नमाजी ने कहा- मैं आज आप सबकी वजह से आजाद हूं। आपने दुनिया को मुझे भूलने नहीं दिया। नमाजी ने राष्ट्रपति बाइडेन को भी अमेरिकियों की जिंदगी को राजनीति से ऊपर रखने के लिए धन्यवाद कहा। ईरान ने जिन अमेरिकियों को आजाद किया है उनमें 51 साल के बिजनेसमैन सियामक नमाजी के अलावा, बिजनेसमैन एमाद शार्गी, इनवायरमेंटलिस्ट मोराद ताहबाज शामिल हैं। ये सभी 5 साल से ज्यादा समय से ईरान की एविन जेल में बंद थे। अमेरिका ने लगातार इन लोगों की गिरफ्तारी को बेबुनियाद बताया था। कतर ने ईरान और अमेरिका में समझौता कराने के लिए फरवरी में पहल की थी। डील से पहले दोनों देशों में करीब 9 राउंड की बातचीत हुई। इसके बाद करीब 1 महीने पहले इस डील की घोषणा हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक डील के तहत ईरान ने अपनी कुख्यात एविन जेल से अमेरिकियों को निकालकर उन्हें एक होटल में शिफ्ट किया था।

अमेरिका ने पाकिस्तान से 900 मिलियन डॉलर के हथियार खरीदे: मीडिया रिपोर्ट में दावा- इन्हें यूक्रेन भेजा, बदले में पाक को आईएमएफ से लोन मिला

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद। पाकिस्तान को कई महीनों की मीटिंग्स के बाद जुलाई 2023 में आईएमएफ से

3 बिलियन डॉलर का बेलआउट पैकेज मिला था। अब अमेरिकी मीडिया हाउस द इंटरसेप्ट ने दावा किया है कि इस लोन को दिलाने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई थी। इंटरसेप्ट की रिपोर्ट के मुताबिक आईएमएफ से लोन हासिल करने के लिए पाकिस्तान को अमेरिका के साथ हथियारों की सीक्रेट डील करनी पड़ी थी। अमेरिका ने पाकिस्तान से हथियार लेकर उन्हें रूस से जंग लड़ रहे यूक्रेन को दिया। इंटरसेप्ट ने लिखा है कि अप्रैल 2022 में पाकिस्तान की सेना ने अमेरिका के उकसावे पर इमरान खान को सत्ता से बाहर कराया। इसके बाद से पाकिस्तान अमेरिका के काम आने वाला समर्थक बनकर उभरा है। इसके बदले में अमेरिका ने पाकिस्तान को आईएमएफ से लोन दिलाने में मदद की। इससे पाकिस्तान कंगाल होने से बचा और सरकार को चुनाव टालने में मदद मिली। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के आरिफ रफीक ने द इंटरसेप्ट को बताया कि पाकिस्तान का लोकतंत्र यूक्रेन जंग का शिकार बना है। पाकिस्तान जंग में इस्तेमाल होने वाली आर्टिलरी और शेल्स के प्रोडक्शन के लिए मशहूर है। वहीं, यूक्रेन में एक साल से जारी जंग की वजह से इन हथियारों की भारी किल्लत दर्ज की गई है। ओपन सोर्स वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक जंग में यूक्रेन की तरफ से पाकिस्तान में बने हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि अभी तक न तो अमेरिका और न ही पाकिस्तान ने इस बात की पुष्टि की है। इंटरसेप्ट को 2022-23 में पाकिस्तान की तरफ से बेचे गए हथियारों के दस्तावेज मिले हैं। इन पर अमेरिका के ब्रिगेडियर जनरल के दस्तखत भी हैं। अमेरिका-पाकिस्तान के बीच ये डील ग्लोबल मिलिट्री प्रोडक्ट्स ने कराई थी। द इंटरसेप्ट की जांच के अनुसार 23 मई, 2023 को पाकिस्तानी राजदूत मसूद खान ने वॉशिंगटन डी.सी. में अमेरिकी विदेश मंत्रालय के असिस्टेंट सेक्रेटरी डोनाल्ड लू से मुलाकात की। इसका मकसद पाकिस्तान को यूक्रेन को हथियार देने के लिए राजी करना था। ताकि आईएमएफ की नजरों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति थोड़ी बेहतर दिख सके। इसी बैठक में हथियारों की डील कराने के लिए पाकिस्तान में अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लोम और तत्कालीन वित्त मंत्री इशाक डार के बीच बैठक की व्यवस्था कराई गई। लू ने 23 मई की बैठक में खान को बताया कि अमेरिका ने पाकिस्तान के हथियारों के लिए भुगतान को मंजूरी दे दी है।

सऊदी सरकार के नक्शे में इजराइल नहीं

सिर्फ फिलिस्तीन को जगह दी; नेतन्याहू की कट्टरपंथी सरकार और अमेरिका ने चुप्पी साधी

रियाद।
सऊदी अरब और इजराइल के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कराने की अमेरिकी कोशिशें नाकाम होती नजर आ रही हैं। सऊदी सरकार ने हाल ही में एक नया मैप जारी किया है। इसमें बतौर मुल्क इजराइल का वजूद ही नजर नहीं आता। मैप में इजराइल को भी फिलिस्तीन का हिस्सा दिखाया गया है। सऊदी सरकार के इस कदम पर फिलहाल, इजराइल और अमेरिका ने कोई रिएक्शन नहीं दिया है। इस वक्त इजराइली प्राइम मिनिस्टर बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका दौरे पर हैं। माना जा रहा है कि प्रेसिडेंट जो बाइडेन से मुलाकात के बाद ही दोनों देश कोई प्रतिक्रिया देंगे।

सरकार ने जारी किया नक्शा - सऊदी सरकार के जनरल अथॉरिटी फॉर सर्वे एंड जियोपॉलिटिकल डिपार्टमेंट ने यह नया मैप जारी किया है। बाद में गवर्नमेंट कंट्रोल्ड मीडिया ने इसे पब्लिश किया है। नए नक्शे में इजराइल का कहीं नाम-ओ-निशान नहीं है। पूरा इजराइल इस नक्शे में फिलिस्तीन का हिस्सा बताया गया है। सऊदी सरकार के एक अफसर ने कहा- हमने वही जानकारी दी है जो हमारे देश और सरकार का रुख है। इसके जरिए ही हम अपनी स्ट्रैटेजी और प्लानिंग को अंजाम देंगे। फिलहाल, इस बारे में और जानकारी नहीं दी जा सकती। वक्त आने पर सभी सवालों के जवाब दिए जाएंगे।

अब बातचीत भी बंद - सऊदी अरब और इजराइल के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कराने की अमेरिकी कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट में कहा गया था कि सऊदी अरब और इजराइल की बैकडोर बातचीत सस्पेंड हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजराइल की कट्टरपंथी सरकार और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलिस्तीन के मुद्दे पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं। यही वजह है कि सऊदी अरब ने अमेरिका को बता दिया है कि फिलहाल बातचीत जारी रखने का कोई फायदा नहीं है। इजराइल के रवैये से सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान नाराज बताए जाते हैं। इजराइली अखबार की रिपोर्ट में सऊदी अरब के अखबार अलाफ के एक आर्टिकल का हवाला भी दिया गया है। इसके मुताबिक- अमेरिका ने नेतन्याहू सरकार को सऊदी सरकार की नाराजगी के बारे में बता दिया है। नेतन्याहू सरकार में मंत्री बेजेल स्मॉट्रिच और इटमान बेन गिविर के हालिया बयानों को बातचीत टालने का आधार बनाया गया है। इन दोनों ही मंत्रियों ने पिछले दिनों इजराइल के कब्जे वाले इलाके का दौरा किया था और वहां दो टूक कहा था कि नेतन्याहू सरकार किसी भी कीमत पर फिलिस्तीन को कोई राहत नहीं देगी। खुद नेतन्याहू ने भी पिछले महीने कहा था- हम सबसे खुले दिमाग से बातचीत करना चाहते हैं, लेकिन इजराइल की सिक्योरिटी के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मेरी गठबंधन सरकार है, लिहाजा सहयोगी पार्टियों की बात सुनना भी जरूरी है। अगर दोनों पक्ष चाहें तो इजराइल और सऊदी अरब के बीच रिश्ते सामान्य किए जा सकते हैं।

कट्टरपंथी मुश्किलें पैदा कर रहे हैं - यूएन में इसी हफ्ते जनरल असेंबली का सेशन होना है। सऊदी अरब सरकार इस असेंबली के बाद एक इवेंट ऑर्गनाइज कर रही है। इसके मकसद है कि इजराइल और फिलिस्तीन के मुद्दे को हमेशा के लिए हल किया जा सके और इसमें तमाम देश एक मंच पर आकर कोशिश करें। हालांकि, नेतन्याहू कैबिनेट के कुछ कट्टरपंथी सोच वाले मिनिस्टर्स फिलिस्तीन या सऊदी अरब से कोई समझौता नहीं करना चाहते। यही वजह है कि अरब में अमन की कोशिशें अब तक कामयाब नहीं हो पाई हैं। सऊदी अरब के फॉरेन मिनिस्टर ने हाल ही में नई दिल्ली जी-20 में शिरकत की थी। तब उन्होंने कहा था कि सऊदी अपनी तरफ से हर वो कोशिश करेगा, जिसके जरिए अरब वर्ल्ड में हमेशा के लिए अमन कायम हो सके। इजिप्ट और जॉर्डन भी इसमें रोल प्ले करना चाहते हैं। यूरोपीय यूनियन और अमेरिका पहले ही सऊदी पर समझौते के लिए दबाव डाल रहे हैं। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास भी इस हफ्ते यूएन जनरल असेंबली में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क आ रहे हैं। इसी दौरान नेतन्याहू भी यहां मौजूद होंगे। बहुत मुमकिन है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन दोनों से अलग-अलग मुलाकात करें और कोई बीच का रास्ता निकाला जाए। अगर फिलिस्तीन और इजराइल कुछ बातों पर सहमत हो जाते हैं तो सऊदी अरब को कोई दिक्कत नहीं होगी।

क्या चाहता है अमेरिका - दो महीने पहले अमेरिका ने पहली बार खुलकर कहा था कि वो इजराइल और सऊदी अरब में नॉर्मल रिलेशनशिप चाहता है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था- अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है कि इजराइल और सऊदी अरब के बीच नॉर्मल रिलेशन हों। अमेरिका को इससे काफी फायदा है। इस टारगेट को हासिल करने में कुछ वक्त और लग सकता है।

अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान का मलबा मिला

साउथ कैरोलिना में गायब हुआ था; अमेरिका यही फाइटर जेट भारत को बेचना चाहता है

वॉशिंगटन।
अमेरिकी वायुसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान उड़ान के समय गायब हो गया था। साउथ कैरोलिना में इस विमान का मलबा मिला है। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स ने इसकी जानकारी दी। फाइटर जेट गायब होने के बाद स्थानीय लोगों से उसे ढूंढने में मदद मांगी गई थी। लड़ाकू विमान को साउथ कैरोलिना के 2 झीलों के पास ढूंढा जा रहा था। प्लेन का मलबा जॉइंट बेस चार्ल्सटन के उत्तर पूर्व भाग में 2 घंटे की दूरी पर मिला है। रविवार को उड़ान के दौरान एक लड़ाकू विमान खराब हो गया था। इसके बाद पायलट ने खुद को प्लेन से इजेक्ट कर लिया था। फाइटर जेट काफी देर तक ऑटो मोड में उड़ने के बाद दोपहर करीब 2 बजे गायब हो गया था।

एफ-35 के खराब होने पर छानबीन जारी

जॉइंट बेस चार्ल्सटन के मास्टर सार्जेंट हीथर स्टैंटन के मुताबिक साउथ कैरोलिना के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्लेन का सर्च ऑपरेशन चल रहा था। मौसम ठीक होने के बाद साउथ कैरोलिना के कानून विभाग का एक हेलिकॉप्टर भी खोज में शामिल हो गया था। प्लेन कैसे खराब और क्रैश हुआ इस बात को लेकर छानबीन चल रही है। स्थानिक लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा गया है। एफ-35 लड़ाकू विमान का निर्मान लॉकहीड मार्टिन ने किया है। इस प्लेन का निर्माण 2006 से शुरू हुआ है और 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना का एक अहम लड़ाकू विमान है।

भारत को भी यही फाइटर जेट्स देना चाहता है अमेरिका

फरवरी में बेंगलुरु में एयरो इंडिया शो हुआ था। इसमें दुनियाभर के विदेशी विमान शामिल हुए, लेकिन इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं थीं अमेरिका में बने एफ-35 फाइटर जेट ने। दरअसल, पहली बार अमेरिकी एफ-35 फाइटर भारत आए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को रिझाने के लिए अमेरिका की ये एक कोशिश थी। 27 साल के इतिहास में भारत के एयरो इंडिया शो के लिए अमेरिका ने अपने सबसे ज्यादा डेलिगेट्स भेजे थे। जिससे पता चलता है कि अमेरिका के लिए भारत कितना अहम होता जा रहा है। रूसी एक्सपोर्टर रोसोबोरोना एक्सपोर्ट एयरो शो में सेंटर स्टेज पर रहता था। इस बार ये कम था। रिपोर्ट के मुताबिक- अमेरिका हथियारों की खरीद के मामले में भारत की रूस पर निर्भरता को खत्म करना चाहता है।

बीते साल हुई हिंसा की समीक्षा के लिए टीम में शामिल किए गए डॉ समीर शाह; अगले साल तक देनी होगी रिपोर्ट

लीसेस्टर।
इंग्लैंड के लीसेस्टर शहर में पिछले साल हुए झड़प और मंदिरों में तोड़फोड़ की जांच और समीक्षा के लिए ब्रिटिश सरकार ने एक कमेटी का गठन किया था। इस टीम में भारतीय मूल के डॉ. समीर शाह को भी नामित किया गया है। डॉ. समीर शाह की पहचान नस्लीय विशेषज्ञ के तौर पर है। हाउसिंग एंड प्लानिंग और वेस्ट मिडलैंड्स के पूर्व मंत्री लॉर्ड इयान ऑस्टिन समीक्षा की अध्यक्षता करेंगे। बता दें कि डॉ. समीर शाह को हेरिटेज और टेलीविजन के क्षेत्र में सेवाओं के लिए 2019 में दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा सीबीई सम्मान से सम्मानित किया गया था। सरकार ने यह भी बताया कि वह इस हिंसा की जांच और समीक्षा के लिए साथी विशेषज्ञ पैनलिस्टों में शामिल होंगे।, जिन्हें अगले साल तक अपने निष्कर्ष प्रकाशित करने हैं। गौरतलब है कि शाह नस्लीय और जातीय असमानताओं पर ब्रिटेन के आयोग के पूर्व आयुक्त भी रहे हैं। इसके अलावा, वह 10 वर्षों तक देश के स्वतंत्र नस्ल समानता थिंक टैंक, रननीमेड ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष और होलोकॉस्ट कमीशन के सदस्य भी थे। बीते साल हुई हिंसा को लेकर मई में सरकार ने इस समीक्षक दल की घोषणा की थी। इसके अध्यक्ष लॉर्ड इयान ऑस्टिन ने कहा कि लीसेस्टर में

विविधता, सहिष्णुता और सामुदायिक एकजुटता का गौरवपूर्ण इतिहास है। बीते साल जो हुआ वह परेशानी बढ़ाने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि समीक्षा का उद्देश्य है कि हम यह समझ सकें कि पिछले साल हुई हिंसा से हम क्या सीखते हैं। हम जानेंगे कि शहर में रहने वाले समुदायों में भविष्य में ऐसी समस्याओं को रोकने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं। ऐसे में, यह महत्वपूर्ण है कि समीक्षा व्यापक और सम हो। शाह के अलावा इस समिति के अन्य सदस्य हिलेरी पिलकिंगटन हैं। वे मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के प्रोफेसर और यूके एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज के फेलो रहे हैं। उनके अलावा, एनएचएस इंग्लैंड में डिजिटल डेवलपमेंट के प्रमुख और 2018 तक 10 वर्षों के लिए ब्रिटिश मुस्लिम फॉर सेक्युलर डेमोक्रेसी के ट्रस्टी डॉ. शाज महबूब भी इसमें शामिल हैं।

नींद की कमी दिमाग में प्रोटेक्टिव प्रोटीन कम करती है: ब्रेन के मेमोरी हब को भी नुकसान पहुंचता है; नींद से अल्जाइमर का सीधा कनेक्शन

वॉशिंगटन।
नींद पूरी नहीं होने से कई समस्याएं होती हैं। हमारा दिमाग सही तरीके से काम नहीं कर पाता है। ये बात तो हम सब जानते हैं, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। क्यों नींद की कमी से हमारा दिमाग काम नहीं करता। दिमाग और नींद का क्या कनेक्शन है। रिसर्चर्स का कहना है कि नींद का पूरा न होना हमारे दिमाग को काफी नुकसान पहुंचाता है। इससे न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे- अल्जाइमर हो सकती है। एक स्टडी में सामने आया है कि हमारे दिमाग में एक प्रोटेक्टिव प्रोटीन होता है, जिसका लेवल नींद पूरी नहीं होने से कम हो जाता है। वहीं, नींद की कमी से ब्रेन का मेमोरी हब कहलाने वाले हिप्पोकैंपस को भी नुकसान पहुंचता है। इस कारण न्यूरोलॉजिकल बीमारियां हो जाती हैं। प्लियोट्रोफिन प्रोटीन की कमी हिप्पोकैंपस में बनने वाले सेल्स खत्म कर देती है नींद पूरी नहीं होने से दिमाग में होने बाले बदलावों को समझने के लिए, वैज्ञानिकों ने चूहों पर एक्सपेरिमेंट किया फिर प्रोटीन की कमी में बदलाव की जांच की। सबसे पहले तो साइंटिस्ट्स ने चूहों को दो दिन सोने नहीं दिया। इसके बाद नई चींजों को याद रखने और भूलभुलैया पार करने की उनकी क्षमता को टेस्ट किया। दूसरे शब्दों में कहें तो रिसर्चर्स ने कम नींद लेने वाले चूहों की मेमोरी को टेस्ट किया। इसके बाद उन्होंने चूहों के हिप्पोकैम्पी (ये इंसानों के दिमाग का हिप्पोकैंपस कहलाता

है) में बनने वाला प्रोटीन निकाला और उन प्रोटीन्स की पहचान की जिनमें बदलाव हुए। इसके बाद उन्होंने इन प्रोटीन्स के डेटा को भरपूर नींद लेने वाले चूहों के प्रोटीन्स से कम्पेयर किया। इससे पता चला कि कम नींद लेने वाले चूहों में प्लियोट्रोफिन नाम के प्रोटीन की मात्रा काफी कम थी। यही प्रोटीन इंसानों के हिप्पोकैंपस में भी होता है। इसकी कमी के कारण हिप्पोकैंपस में बनने वाले सेल्स मरने लगते हैं और दिमाग सही तरीके से काम नहीं करता। हम चीजों को याद नहीं रख पाते हैं। इसलिए डीप स्लीप बेहद जरूरी होती है। अब सवाल ये है कि गहरी नींद से याददाश्त मजबूत कैसे होती है एक स्टडी के मुताबिक, गहरी नींद के दौरान एक वक्त ऐसा आता है जब दिमाग स्ट्रॉन्ग हो जाता है। इस दौरान याददाश्त भी मजबूत होती है। रिसर्चर्स ने स्टडी करने के लिए क्लोज-लूप सिस्टम की मदद ली। ये एक ऐसा सिस्टम है जो दिमाग के एक हिस्से में डिलिवर होने वाली इलेक्ट्रिकल प्लस को दूसरे हिस्से में स्टोर मेमोरी के साथ मर्ज करता है। हिप्पोकैंपस और सेरेब्रल कोर्टेक्स आपस में बातचीत करते हैं नींद के दौरान दिमाग सूचनाओं को मेमोरी में कैसे बदलता है, इसको लेकर रिसर्च में कहा गया है कि नींद के दौरान ब्रेन का मेमोरी हब कहलाने वाला हिप्पोकैंपस और तर्क करने वाला सेरेब्रल कोर्टेक्स आपस में बातचीत करते हैं। ऐसा गहरी नींद के दौरान होता है, जब ब्रेन से निकलने वाली तरंगें बेहद धीमी होती हैं।

कनाडा का आरोप- भारत ने सिख नेता की हत्या कराई

इंडियन डिप्लोमैट को निकाला; भारत ने भी कनाडाई दूत से देश छोड़ने के लिए कहा

ओटावा।
भारत सरकार ने देश में मौजूद कनाडा के सीनियर डिप्लोमैट को निकाल दिया है। उन्हें देश छोड़ने के लिए 5 दिन का समय दिया गया है। दरअसल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार पर सिख नेता की हत्या का आरोप लगाया। ट्रूडो ने संसद में कहा- भारत सरकार के एजेंट्स ने जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में सिख समुदाय के नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की थी। ट्रूडो ने ये भी कहा कि 9-10 सितंबर को भारत में हुई जी-20 बैठक के दौरान उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने इस मुद्दे को उठाया था। कनाडाई सरकार को जो खुफिया जानकारी मिली है, उसके आधार पर वे ऐसा आरोप लगा रहे हैं। वहीं, कनाडा की विदेश मंत्री मेलनी जॉली ने बताया कि उनकी सरकार ने एक भारतीय डिप्लोमैट को देश निकाला दिया है, जो कनाडा में भारतीय इंटेलिजेंस के प्रमुख थे। हालांकि, जॉली ने इस डिप्लोमैट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

भारत बोला- कनाडा के आरोप बेतुके

भारत ने कनाडा की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा- कनाडा के सभी आरोप बेतुके हैं। इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने हमारे पीएम मोदी के सामने भी रखे थे और उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इन्हें कनाडा में पनाह दी गई है और ये भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं।

ट्रूडो बोले- जांच में सहयोग के लिए

भारत पर दबाव बनाएंगे

ट्रूडो ने सांसदों से कहा- कनाडा की धरती पर किसी नागरिक की हत्या करवाने में विदेशी सरकार का शामिल होना, हमारे देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। हम इस हत्या की जांच में सहयोग देने के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाएंगे।

प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा- कनाडा में रहने वाली भारतीय मूल के सिखों की बड़ी आबादी इस हत्या को लेकर गुस्से से भरी है। कई सिख अपनी सुरक्षा को लेकर डर में हैं। देश में 14-18 लाख के बीच भारतीय मूल के नागरिक हैं, जिनमें से कई सिख हैं। कनाडा की विपक्षी पार्टी न्यू डेमोक्रटिक पार्टी के लीडर जगमीत सिंह सिख समुदाय से हैं।

पंजाब में जन्मा, यहीं आतंकवाद फैलाना चाहता था

निज्जर पंजाब के जालंधर के भार सिंह पुरा गांव का रहने वाला था। गांव के सरपंच राम लाल ने बताया कि निज्जर 1992 में कनाडा चला गया था। वो खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख था। वो भारतीय एजेंसियों की मोस्ट वांटेड आतंकियों की लिस्ट में शामिल था। एनआईए ने 40 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उसमें भी निज्जर का नाम था। ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान के हक में रेफरेंडम करवाने में भी उसकी भूमिका थी। निज्जर के खिलाफ पुलिस ने 23 जनवरी, 2015 को एक लुकआउट नोटिस और 14 मार्च, 2016 को एक रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसमें उसके प्रत्यर्पण की मांग की गई थी। कनाडा में निज्जर के खिलाफ 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। कनाडा में रहते हुए निज्जर प्रतिबंधित खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के करीब आया। पन्नू और निज्जर की निकटता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि निज्जर की हत्या के बाद से ही पन्नू तिलमिलाया हुआ है और कनाडा में भारत के खिलाफ और खालिस्तान के समर्थन में जनमत संग्रह करवाने का दावा कर रहा है।

विहिप और बजरंग दल की शौर्य जागरण यात्रा का अलवर पहुंचने पर हुआ स्वागत

अलवर (हिंस)। देश भर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही हैं। 16 सितंबर से राजस्थान में सालासर बालाजी मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा 24 सितंबर को जयपुर में समाप्त होगी। इस दिन भव्य आयोजन होगा। जिसमें प्रदेश भर से हिंदू संगठनों से जुड़े लोग भाग लेंगे। बजरंग दल के जिला संयोजक संजय पंडित ने बताया कि आज यात्रा ने अलवर जिले में प्रवेश किया। जिसका विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई शौर्य जागरण यात्रा कंपनी बाग स्थित मैदान में पहुंची। यहां एक सभा आयोजित हुई। सभा को कई वक्ताओं ने संबोधित किया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के विरुद्ध हो रही गतिविधियों पर रोक लगाना व सनातन धर्म का प्रचार और उसकी रक्षा करना है।

इंडिया गठबंधन का हरियाणा में कोई वजूद नहीं : कंवरपाल

2024 में निश्चित तौर पर हरियाणा में भाजपा की सरकार बनेगी-कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। नए संसद भवन को लेकर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने मंगलवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे देश के लिए यह बहुत ही खुशी का क्षण है कि हमारी नई संसद बनी है। पुराने संसद भवन को बहुत समय हो चुका था और आज के समय से नए संसद भवन की जरूरत थी। महिला आरक्षण बिल पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार का ऐतिहासिक फैसला है।जहां तक महिला आरक्षण की बात है तो भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा से इसका समर्थन किया। हमने अपनी पार्टी संगठन में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया। अन्य किसी दलों में ऐसा नहीं किया गया। इससे चुनावों में महिलाओं की भागदारी और बढ़ेगी। हरियाणा में इंडिया गठबंधन इकट्ठे चुनाव लड़ने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि

कांग्रेस के लिए अपना दल चलाना ही मुश्किल है। वह अन्य दलों को साथ लेकर नहीं चल सकते। चुनाव नजदीक आते यह सब बिखर जाएंगे। उनके गठबंधन का न तो उद्देश्य और न कोई विजन है। उनका कोई विजन नहीं है। इस गठबंधन को जनता स्वीकार नहीं करेगी।कांग्रेस के विधायक मामन खान की गिरफ्तारी के सवाल पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस मामले में निष्पक्षता से जांच की जा रही है। प्रदेश सरकार ने कभी भी द्वेष भावना से कोई काम नहीं किया। विश्व हिंदू परिषद मोनू मानेसर के सवाल पर उन्होंने कहा कि मोनू मानेसर उनसे विश्व हिंदू परिषद से जुड़ा है और वो उसका समर्थन करते हैं वह अलग बात है। कानून सबसे ऊपर है। कानून किसी की जाति, पार्टी कुछ नहीं देखता। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में समान विकास कार्य पारदर्शिता और बिना किसी भेदभाव के हुआ है। निश्चित रूप से 2024 में जनता का समर्थन भाजपा को मिलेगा।

नगर परिषद सफाईकर्मियों ने हाथों में झाड़ू उठा किया प्रदर्शन

जींद (हिंस)। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर जिला में मंगलवार को सफाई कर्मियों ने हाथों में झाड़ू उठा प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सफाईकर्मियों ने सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चेताया कि मानी गई मांगों को शीघ्र लागू नहीं किया गया तो वो आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जिकसी जिम्मेदारी सरकार की होगी। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर सफाई कर्मचारी नेहरू पार्क में उप प्रधान सोहनलाल के नेतृत्व में एकत्रित हुए। उन्होंने कहा कि 29 अक्तूबर 2022, पांच अप्रैल 2023 के दौरान सरकार ने संघ के साथ बैठक में कई मांगों को लेकर सहमति बनी थी लेकिन मांगों को पूरा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में आउटसोर्स के नाम पर सफाई कर्मचारियों का

शोषण हो रहा है। ठेकेदार मलाई खा रहे हैं और उन्हें पूरा मेहनताना भी नहीं मिल रहा है। सरकार द्वारा सफाईकर्मियों को कई तरह के लाभ दिए जा रहे हैं लेकिन वो लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहे हैं। अनिल टांक ने कहा कि वो लगातार सरकार तथा प्रशासन तक अपनी मांगों को पहुंचा भी रहे हैं पर सरकार उनकी मांगों को पूरा करने में कोई कदम नहीं उठा रही है, जबकि उनकी मांगें जायज हैं। उन्होंने मांग की कि सफाईकर्मियों की नियमित भर्ती की जाए। सफाई कर्मियों को मिलने वाला हक उन्हें दिलाया जाए। जिन मांगों पर सहमति बनी थी, उन्हें माना जाए। बाद में सफाईकर्मियों ने नगर परिषद तक हाथ में झाड़ू उठा प्रदर्शन किया। इस मौके पर बिजेंद्र कांगडा, राजबीर दरियावाला, हरबंसलाल, अजय, बलवान, जितेंद्र, राजबीर, होशियारा आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस को चुनाव में जनता देगी जवाब : माथुर

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से जो परिवर्तन संकल्प यात्राएं प्रदेश में निकाली जा रही हैं उसको जनता का बेहतर रिस्पॉन्स मिल रहा है। इन यात्राओं को मिल रहे समर्थन से ही लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बहुमत के साथ बनने जा रही है। कांग्रेस चाहे कितना भी कहे कि एंटी इनकमबेंसी नहीं है लेकिन चुनाव में इसका जवाब जनता देगी। माथुर जोधपुर के फलोदी और शेरगढ़ में परिवर्तन यात्राओं में शामिल होने के लिए मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। यहां एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी अपनी यात्राएं निकाल रहे हैं। लोकतंत्र में सभी अपने स्तर पर जनता को अपनी बात कहने में लगे हैं, वह अपनी पार्टी के लिए कम कर रहे हैं, मैं अपनी पार्टी के लिए कर रहा हूं। महिला आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि यह कई सालों से देश की मांग थी जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है। दिल्ली और आसपास की कई महिलाएं इस बात के लिए पीएम मोदी का धन्यवाद करने के लिए पहुंच रही हैं। यह देश में आमूलचूल परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति जातिवाद-क्षेत्रवाद के आधार पर होती थी, लेकिन पीएम मोदी ने विकास के मुद्दों पर राजनीति की। वर्ष 2014 के बाद पूरे देश का समान रूप से विकास किया है।

पूर्व विधायक जयराम को टिकट मिला तो बेटी सामने लड़ेगी निर्दलीय चुनाव

अलवर (हिंस)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों की उल्टी गिनती शुरु हो गई है और राजनीति में प्रतिद्वंद्वियों के साथ साथ पारिवारिक मतभेद भी सामने आने लगे हैं। अलवर ग्रामीण सीट पर भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। पूर्व विधायक जयराम जाटव और उनकी पुत्री मीना का विवाद बढ़ता जा रहा है। लगातार पूर्व विधायक पर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। आनी है। आज एक दिन पहले विधानसभा में भाजपा की परिवर्तन यात्रा अलवर ग्रामीण विधानसभा से चुनाव लड़ने का एलान करने के बाद पूर्व विधायक जयराम जाटव की पुत्री मीना कुमारी जाटव ने निजी होटल में प्रेस वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि मेरे बेटे के खिलाफ झूठे मुकदमे करवाए जा रहे हैं और यह अफवाह फैलाई जा रही है कि मेरे पिता पूर्व विधायक जयराम जाटव के साथ मेरा समझौता हो गया है। यह सब अफवाह है। उन्होंने बताया कि मेरे पिता से किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वह अलवर ग्रामीण से चुनाव मैदान में है और वह अपने पिता जयराम जाटव के विपक्ष में चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करूंगी। पार्टी मुझे एक महिला व बेटी होने के नाते जरूर चुनेगी, ऐसी मेरी आशा है। मेरी फेसबुक आईडी हैक कर दी गई है जिससे मेरी आई.डी. से मेरे ही खिलाफ कुछ लिख सके। ऐसे में साइबर थाने में रिपोर्ट दी गई लेकिन मेरे पिता कोई कार्रवाई नही होने देते है। मेरे पिता पूर्व विधायक थाने में खुद जाकर मामले में कार्रवाई नहीं होने देते है। उन्होंने जनता से अपील की है की मुझे अपना पूर्ण सहयोग व समर्पण दे, मैं चुनावी मैदान में हूं चुनाव लड़ना चाहती हूं और यदि पार्टी मुझे टिकट देकर चुनाव लड़वाती है तो मैं अच्छे वोटों से जीत को पार्टी की झोली में लाकर दूंगी।

अनंतनाग मुठभेड़ में पंजाब के जवान की शहादत पर मुख्यमंत्री मान ने दु:ख जताया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अनंतनाग में आतंकवादी मुठभेड़ के समाना के जवान की शहादत पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए खास तौर पर परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि

भारतीय फौज का जवान प्रदीप सिंह अनंतनाग में मुठभेड़ के दौरान लापता हो गया था। उन्होंने कहा कि पंजाब के समाना निवासी प्रदीप सिंह देश की एकता, अखंडता और प्रभुसत्ता की रक्षा के लिए अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुआ। भगवंत सिंह मान ने जवान के परिवार के साथ हमदर्दी ज़ाहिर करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में पंजाब सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है। प्रदीप सिंह का बलिदान उसके साथी सैनिकों और अन्य नौजवानों को अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा और समर्पित भावना के साथ निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

पंजाब के मुक्तसर में नहर में गिरी यात्री बस पांच लोगों की मौत, 40 को जिंदा बचाया गया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुक्तसर जिले में गांव वडिंग के पास मंगलवार दोपहर निजी कंपनी की एक यात्री बस अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 को बचा लिया गया है। हादसे के समय बस में 55 के करीब यात्री सवार थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हादसे के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मुक्तसर-कोटकपूरा रोड पर गांव वडिंग के पास नहर में गिरी बस के करीब आठ से 10 लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में गोताखोर नहर में लगे हुए हैं। नहर से निकाले गए लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से मुक्तसर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना मिलते ही आस-पास के गांवों के लोग मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू किया। मुक्तसर के एसएसपी, सिविल प्रशासन, विधायक जगदीप सिंह काका

बराड़ भी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों की मदद से नहर में गिरी बस को क्रेन की सहायता से निकाला गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मैं बचाव कार्यों की पल-पल की जानकारी ले रहा हूं। भगवान सभी को सुरक्षित रखे। अभी घटना का पूरा ब्यौरा आने का इंतजार किया जा रहा है।

एडीजीपी के पुलिस सुनवाई कार्यक्रम में पांचों जिलों से पहुंचे 250 पुलिस कर्मचारी

हिसार (हिंस)। हिसार रेंज के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीकांत जाधव ने मंगलवार को अपने कार्यालय में पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर हिसार रेंज के सभी जिलों के पुलिस कर्मचारियों की विभागीय अपील और स्थानांतरण संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की गई। सुनवाई कार्यक्रम में रेंज के एक जिले से दूसरे से जिले में स्थानांतरण से संबंधित 185 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, एसीआर से संबंधित 16, पदोन्नति से संबंधित 12, विभागीय सजा से संबंधित 22 आवेदनों सहित लगभग 250 विभागीय अपीलों पर सुनवाई की गई। एडीजीपी ने सुनवाई कार्यक्रम के दौरान लगभग 90 प्रतिशत पुलिस कर्मचारियों की समस्याओं का मौके पर ही निदान किया।

कार्यक्रम में आए पुलिस कर्मचारियों में से लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारी रेंज के एक जिले से दूसरे जिले में स्थानांतरण से संबंधित प्रार्थना पत्र लेकर पेश हुए व स्थानांतरण का कारण पूछे जाने पर अधिकतर ने अपने माता-पिता के खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया। इस पर सुनवाई करते हुए एडीजीपी ने कहा कि उनके पास जिन कर्मचारियों ने अपने माता-पिता के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए आवेदन प्रस्तुत किया है और उनके इन आवेदनों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए यदि उनका स्थानांतरण हो जाता है तो वे अपने अभिभावकों का अपनी नौकरी की जिम्मेदारी के साथ साथ उनका ख्याल रखना है। उन्होंने कहा कि वे खुद उनके अभिभावकों से निजी तौर पर संपर्क करके फीडबैक लेंगे कि कर्मचारी अभिभावकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भली-भांति निभा रहा है अथवा नहीं। इस अवसर पर एडीजीपी ने सभी पुलिस कर्मचारियों की सुनवाई करते हुए लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों की समस्याओं का निदान मौके पर ही किया। इस संबंध में आदेश जारी करने के निर्देश दिए व शेष 10 प्रतिशत कर्मचारियों की समस्याओं का निदान भी अगले दो दिन के अंदर -अंदर करने की बात कही।

अब डांगी पटेल समाज ने भरी हुंकार

उदयपुर (हिंस)। चुनाव नजदीक आते ही हर समाज अपने प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर मुखर होने लगा है। डांगी पटेल पाटीदार समाज द्वारा आगामी 24 सितंबर को बेणेश्वर में महाकुम्भ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 5 लाख से अधिक लोगों के सम्मिलित होने का दावा किया जा रहा है। खास बात यह है कि बेणेश्वर वही स्थान है जहां से कांग्रेस और भाजपा ने चुनावी शंखनाद किया था। इस मांग को लेकर मंगलवार को समाज के अगुआ हुए लोगों ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राजनीतिक पार्टियों ने अब तक उदयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों को आदिवासियों से जोड़कर देखा है, लेकिन उदयपुर की 28 विधानसभा सीटों पर सबसे ज्यादा वोट डांगी पटेल पाटीदार समाज के हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार जातिगत जनगणना कराती है तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा, लेकिन असलियत सबके सामने आने की वजह से कोई भी पार्टी जातिगत जनगणना नहीं कर रही। जिस बेणेश्वर धाम से भाजपा के बड़े नेता अमित शाह और कांग्रेस से राहुल गांधी ने आदिवासी वोटर को साधने का प्रयास किया था, उसी स्थान पर 5 लाख से ज्यादा संख्या में समाज के लोग इकट्ठा होंगे जो यह साबित करेंगे कि उदयपुर के ग्रामीण इलाकों में आदिवासी नहीं, बल्कि डांगी पटेल और पाटीदार समाज की बहुलता है। पत्रकार वार्ता के दौरान आरएलपी नेता उदय लाल डांगी ने राजनीतिक पार्टियों से डांगी पटेल पाटीदार समाज के लोगों को टिकट देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर समाज को प्रतिनिधित्व का मौका मिलता है तो सभी एकजुट होकर कैंडिडेट को जिताएंगे। मावली से पूर्व विधायक पुष्कर लाल डांगी ने कहा कि मेवाड़ संभाग में हमारे समाज को अलग-अलग नाम से जाना जाता था, जिसमें लोग डांगी, पटेल और पाटीदार को अलग-अलग समझते हैं। ऐसे में हम दिखाना चाहते हैं कि यह सभी लोग एक ही समाज से हैं। बेणेश्वर में होने वाले महाकुंभ के जरिए हम सरकार को समाज की ताकत दिखाएंगे। अगर राजनीतिक पार्टियों ने समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व का मौका नहीं दिया तो समाज स्तर पर निर्णय कर कैंडिडेट को अलग से भी उतरा जा सकता है।

भाजपा महिला मोर्चा ने रेलवे स्टेशन पर लगाई मोदी टी स्टाल

सिरसा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को समर्पित सेवा पखवाड़े के तहत मगंलवार को भाजपा महिला मोर्चा की ओर से रेलवे स्टेशन पर मोदी टी स्टाल लगाकर यात्रियों को चाय पिलाई गई। खास बात ये रही की मिट्टी के बर्तनों में चाय पिलाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाजपा प्रदेश सचिव सुरेंद्र आर्य ने शिरकत की जबकि अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष जसविंद्र पाल पिंकी ने की। सर्वप्रथम सभी ने एक-दूसरे को प्रधानमंत्री के जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष जसविंद्र पाल पिंकी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने सख्त व उदार तेवर से विश्व के सबसे ताकतवर नेता के रूप में उभरकर विश्व पटल पर देश का नाम चमका रहे हैं।

नूंह दंगों के आरोपी मामन खान को 14 दिन की जेल

गुरुग्राम/नूंह (हिंस)। नूंह दंगों में आरोपी कांग्रेस के फिरोजपुर झिरका से आरोपी मामन खान को सीजेएम जोगेंद्र सिंह की अदालत ने 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है। दो बार के रिमांड के बाद मंगलवार को एसआईटी नूंह ने उन्हें अदालत में पेश किया था। इसके साथ ही मामन खान द्वारा अपने बयानों के कागजों पर साइन नहीं करने पर केस में एक और धारा जोड़ दी है। जयपुर से गिरफ्तारी के बाद विधायक मामन खान चार दिन से पुलिस की गिरफ्त में थे। पहली बार में उन्हें अदालत में पेश करने के दौरान दो दिन के रिमांड पर भेजा गया था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर पेशी के दौरान एसआईटी ने एक अन्य एफआईआर में उनका रिमांड मांगा

था। दूसरी बार भी दो दिन का रिमांड अदालत ने दिया। अदालत में दोनों पक्षों के बीच करीब 20 मिनट तक बहस चली। एसआईटी ने अदालत के समक्ष कहा कि कांग्रेस विधायक मामन खान पूरा सहयोग नहीं कर रहे। इसके साथ ही मामन खान ने अपने जो बयान दर्ज कराए, उन पर हस्ताक्षर करने से भी मना कर दिया। ऐसे में जांच को आगे बढ़ाने में परेशानी आ रही है। बिना हस्ताक्षर के बयानों के कागजों को सत्यापित नहीं किया जा सकता। ऐसे में मामन खान पर एसआईटी ने धारा 180 के तहत भी केस दर्ज किया है। इस धारा का मतलब है कि एक लोक सेवक के समक्ष दिए गए बयान पर हस्ताक्षर करने से मना करना। मामन खान के खिलाफ अब जो नया केस दर्ज किया गया है, उसमें उन्हें 3 महीने की जेल हो सकती है। साथ ही 500 रुपये जुर्माने का भी प्रावधान है।

मोदी सरकार में लैंगिक भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं : कविंद्र

जम्मू (हिंस)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देश में पुरुषों और महिलाओं दोनों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और समाज के सभी वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए खड़ी है। कविंद्र गुप्ता ने कहा कि किसी के साथ लिंग आधारित भेदभाव नहीं है। मंगलवार को पूर्व उप-मुख्यमंत्री के साथ पूर्व विधायक और भाजपा प्रवक्ता आरएस पठानिया, भाजयुमो प्रभारी मुनीश शर्मा और जम्मू-कश्मीर भाजपा कार्य समिति सदस्य शैलजा गुप्ता भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में जनता की शिकायतों में भाग ले रहे थे। कविंद्र गुप्ता ने कहा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की कैबिनेट की मंजूरी देश में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसी बीच शिकायत निवारण का संचालन करते हुए, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने एक उत्तरदायी और सक्रिय शिकायत निवारण तंत्र का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति उसी जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ, पार्टी के वरिष्ठ नेता रोजाना पार्टी मुख्यालय में जनता की शिकायतों को सुन रहे हैं। पठानिया ने कहा कि आम जनता के पास अपने रोजमर्रा के मुद्दों, विशेषकर सरकारी विभागों से संबंधित, से निपटने के लिए जानकारी, समय और संसाधनों तक सीमित पहुंच है। भाजपा ने लगातार उस अंतर को भरने की कोशिश की है और ये शिकायत शिविर लोगों को उनके मुद्दों को संबोधित करने का अवसर प्रदान करने का एक तरीका है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से कई व्यक्तियों और प्रतिनिधिमंडलों ने अपने संबंधित क्षेत्रों के मुद्दों के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी व्यक्तिगत चिंताओं को प्रस्तुत करने के लिए पार्टी कार्यालय का दौरा किया था। प्रतिनिधिमंडलों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुनते हुए, कविंद्र गुप्ता और आरएस पठानिया ने मुद्दों के समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों से टेलीफोन पर बात की और उनमें से कई को पत्र भी जारी किए।

हनुमान जी ने पांडुपोल में किया था भीम का घमंड चूर, तभी से यहां होती है पूजा-अर्चना

अलवर (हिंस)। सरिस्का स्थित पांडूपोल हनुमान जी महाराज का मेला मंगलवार से शुरू हो गया। हनुमान जी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर पहुंचने लगे। दिनभर श्रद्धालुओं का मंदिर में तांता लगा रहा। मेले को देखते हुए जिला कलेक्टर पुखराज सेन की ओर से मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिसके चलते सभी सरकारी कार्यालय बंद रहे। हनुमान जी की घर घर पूजा अर्चना और ज्योत देखकर चूरमे का भोग लगाया गया। इसके साथ ही जिले भर के अनेक हनुमान मंदिरों में रामायण पाठ, भंडारा से लेकर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। मंदिरों में विशेष प्रकार की सजावट की गई है। पांडुपोल हनुमान जी के मेले को देखते हुए रोडवेज की ओर से मेले के लिए करीब अस्सी से अधिक बस लगाई गई हैं। यह बस अलवर, सरिस्का गेट पहले और राजगढ़ से चलाई जा रही है। बसों के संचालन से यात्रियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रोडवेज को भी हर साल मेले से अच्छा मुनाफा होता है। कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडव जब वन से गुजर रहे थे, तो रास्ते में एक पहाड़ से उनका रास्ता अवरुद्ध हो गया। गदाधारी भीम ने उस पहाड़ को अपनी गदा से तोड़ कर राह बना दी। इसके साथ ही भीम को सर्वशक्तिमान होने का अभिमान हो गया। चूंकि हनुमान जी पवन पुत्र कहे जाते हैं, इसलिए उन्होंने भीम को सही राह दिखाने का फैसला किया। हनुमान एक बुजुर्ग वानर के वेश में पांडवों के रास्ते पर लेट गए। भीम ने उन्हें हटने को कहा तो हनुमान ने कहा कि वह बहुत वृद्ध हैं और उनमें हिलने की ताकत नहीं। भीम ही उन्हें उठाकर रास्ते से किनारे कर दें। अभिमान में चूर भीम आगे तो बढ़े, लेकिन हनुमान जी की पूंछ तक ना हिला पाए। भीम को ग़लती का अहसास हुआ और हनुमान जी ने उन्हें दर्शन दिए। मान्यता है कि पांडुपोल ही वह स्थल है, जहां हनुमान जी ने भीम का घमंड तोड़ा था। राज्य सरकार ने सोमवार को अधिसूचना जारी कर बताया कि पांडुपोल हनुमान मंदिर में जाने वाले अलवर के रजिस्टर्ड वाहनों को मंगलवार, शनिवार, पूर्णिमा एवं पांडुपोल एवं भरतरी मेले के दिन निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अभी तक पांडुपोल मंदिर में जाने वाले वाहनों को सरिस्का में प्रवेश के लिए शुल्क देना पड़ता था।

एक अक्टूबर से 3 प्रतिशत महंगे मिलेंगे टाटा के कमर्शियल व्हीकल: इस साल चौथी बार बढ़ाए गाड़ियों के दाम, इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी बनी वजह

मुंबई।
टाटा मोटर्स ने अपने कमर्शियल व्हीकल्स की कीमतों मे इजाफा करने का ऐलान किया है। बढ़ी हुई कीमतें एक अक्टूबर से लागू होंगी। अगर आप टाटा की कमर्शियल गाड़ी खरीदना चाहते हैं तो आपके पास कम दाम में इन्हें खरीदने का मौका 30 सितंबर तक यानी 12 दिन तक का है। इसके बाद कंपनी की ये गाड़ियां महंगी मिलेंगी। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कमर्शियल व्हीकल के अलग-अलग मॉडल्स और वैरिएंट्स की कीमतों में एवरेज 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है।

इस वजह से कारों की कीमतों को बढ़ाने का किया फैसला - टाटा मोटर्स ने फाइलिंग में कीमतों में बढ़ोतरी करने की वजह भी बताई है। कंपनी ने बताया है कि ओवरऑल इनपुट कॉस्ट यानी कार की मेकिंग कॉस्ट बढ़ने की वजह से कंपनी ने अपने पैसेंजर व्हीकल्स के दाम बढ़ाने का यह फैसला किया है।

इस साल चौथी बार बढ़ाए दाम - कंपनी ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में इस साल चौथी बार बढ़ोतरी की है। इससे पहले कंपनी ने 3 जुलाई को पैसेंजर कारों की कीमतों को बढ़ाने का एलान किया था। कंपनी ने 17 जुलाई से कारों के अलग-अलग मॉडल्स और वैरिएंट्स की कीमतों में 0.6 प्रतिशत का इजाफा किया था। पिछली बार भी लागत में इजाफे के कारण दाम बढ़ाए गए थे। कंपनी ने इससे पहले अपने वाहनों को नए एमिशन नॉर्म्स का अनुपालन करने के लिए कंपोनेंट्स में बदलाव किए थे। इस कारण 1 अप्रैल से कमर्शियल व्हीकल्स की कीमतों में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी। वहीं, फरवरी में टाटा मोटर्स ने अपने सभी पैसेंजर व्हीकल्स की कीमतें एवरेज 1.2 प्रतिशत बढ़ाने की अनाउंसमेंट की थी।

वहीं 10 फरवरी 2023 से टाटा मोटर्स ने अपनी टियागो-ईवी की कीमत लगभग 20,000 रुपए बढ़ा दी थी। 1 अप्रैल से देश में बीएस6 का दूसरा फेज लागू हो गया है और इसकी वजह से कंपनी की कार की मेकिंग कॉस्ट भी बढ़ गई है। यही वजह है कि कंपनियां अपने व्हीकल्स के दाम बढ़ा रही हैं। टाटा मोटर्स पैसेंजर्स व्हीकल्स की एक रेंज सेल करती है, जिसमें टियागो, टिगोर और अल्ट्रोज जैसी कारें शामिल हैं। वहीं पंच, नेक्सॉन, हैरियर और सफारी जैसी कारें शामिल हैं। जिनकी कीमत 5.54 लाख से 25 लाख रुपए के बीच है। गुरुवार यानी 13 अप्रैल को टाटा मोटर्स का शेयर 3.35 रु (0.72 प्रतिशत) बढ़कर 468.85 रुपए पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

कार्रवाई: सीबीआई ने मंधाना इंडस्ट्रीज के खिलाफ दर्ज किया मामला; 975 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी का है आरोप

मुंबई । केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंधाना इंडस्ट्रीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मुंबई की इस कंपनी पर पर बैंक ऑफ बड़ौदा की अगुवाई वाले कंसोर्टियम के साथ 975.08 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई के अक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस कंपनी का नाम जीबी ग्लोबल लिमिटेड है। बता दें कि सीबीआई ने यह कार्रवाई बैंक की एक शिकायत के बाद की है। इसमें बैंक ने आरोप लगाया कि कंपनी के पूर्व प्रबंध निदेशक पुरूषोत्तम छगनलाल मंधाना, पूर्व कार्यकारी निदेशक मनीष बिहारीलाल मंधाना और कुछ अन्य लोगों ने धन जुटाने के लिए एक सुव्यवस्थित आपराधिक साजिश रचकर कंसोर्टियम (बैंकों के समूह) को धोखा दिया। इसमें कहा गया है कि मंधाना परिवार द्वारा चलाई जाने वाली 39 साल पुरानी कंपनी ने 2008 में बैंक ऑफ बड़ौदा से क्रेडिट सुविधाओं का लाभ उठाना शुरू किया था। बैंक ने उनके कर्ज खाते को 31 दिसंबर, 2016 को गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) घोषित कर दिया। बाद में बैंकों ने एक फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया। इस ऑडिट में पता चला कि कंपनी ने अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों को निपटाने के लिए धन का दुरुपयोग किया है। साथ ही जुलाई 2016 से 30 सितंबर 2017 के दौरान 420.39 करोड़ रुपये के लिए ट्रस्ट और रिटेंशन अकाउंट (टीआरए) का उपयोग न करना और फर्जी खरीदारी सहित कई अन्य अनियमितताएं उजागर हुईं। इसके अलावा ऑडिट में धोखाधड़ी वाले लेनदेन और सर्कुलर ट्रेडिंग और फंड के डायवर्जन का भी पता चला था।

फेस्टिव सीजन शुरू: इस बार बीते साल से ज्यादा खर्च करेंगे 70 प्रतिशत लोग, 2022 में खर्च किए थे 3.2 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। त्योहारों के सीजन में लग्जरी प्रोडक्ट्स, कपड़े, गोल्ड और मकानों की बिक्री ज्यादा होगी। ग्लोबल टेक फर्म द ट्रेड डेस्क के मुताबिक, 70 प्रतिशत भारतीय खर्च बढ़ाने के लिए तैयार हैं। ऐसे लोग पिछले साल के मुकाबले 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इस उत्साह की वजह ये है कि सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत लोगों की माली हालत सुधरी है। प्रोफेशनल सर्विसेज नेटवर्क डेलॉय और स्ट्रैट्जी कंसल्टिंग फर्म रेडसीर के मुताबिक, पिछले साल 45 दिन के त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं ने 3.2 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे। इस साल ये आंकड़ा करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 4 लाख करोड़ से ऊपर निकल सकता है। ये कोविड से पहले के मुकाबले 60 प्रतिशत ज्यादा है। 2019 के त्योहारों में 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। इस साल मई से अब तक सोने की कीमत 20-25 प्रतिशत घटकर 59,000 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई है। एलकेपी सिक्युरिटीज के वीपी (रिसर्च) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि त्योहारों में हर साल फिजिकल गोल्ड की मांग बढ़ जाती है। इस साल त्योहारों से पहले सोना सस्ता भी हुआ है। इसके चलते न सिर्फ गहनों के लिए, बल्कि निवेश के लिए भी सोने की खरीद बढ़ेगी। स्क्वेयर यार्ड्स की संस्थापक और सीओओ कणिका गुप्ता शौरी के मुताबिक नए घरों की डिमांड बढ़ रही है। मिलेनियल्स (27-42 साल के युवा) की ओनरशिप बढ़ रही है। कुछ लोग अब बड़े घर में शिफ्ट होना करना चाह रहे हैं। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चीफ मेंटर राहुल मेहता के मुताबिक, त्योहारों में बीते साल से न्यूनतम 10 प्रतिशत ज्यादा बिक्री होगी।

हर साल 22 प्रतिशत बढ़ रहा कनेक्टेड कारों का बाजार: 1 साल में 35 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हुई, इस साल 63 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान

मुंबई। देश में कनेक्टेड कारें तेजी से अपनाई जा रही हैं। चालू वर्ष 2022-23 में घरेलू कार बाजार में इनकी हिस्सेदारी आधे से ज्यादा होने का अनुमान है। ऑटोमोटिव मार्केट रिसर्च कंपनी जैटो डायनेमिक्स के डेटा के मुताबिक, 2021 में घरेलू पीवी मार्केट में कनेक्टेड कारों की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत थी। 2022 में ये बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई। 2023 में इसके बढ़कर 63 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। टेक्नोलॉजी से लैस कार खरीदने वालों की संख्या बढ़ रही है। इसके चलते कार बनाने वाली सभी बड़ी कंपनियां अपनी स्ट्रेटजी में बदलाव कर रही हैं, ताकि वे हाईटेक फीचर वाले मॉडल को बाजार में उतार पाएं। कनेक्टेड कारों में एम्बेडेड सॉफ्टवेयर होता है, जो यूजर को स्मार्टफोन या घर पर मौजूद स्मार्ट डिवाइस जैसे किसी बाहरी गैजेट या ब्लूटूथ, वाई-फाई के जरिये अन्य गाड़ियों के साथ कम्युनिकेट करने में सक्षम बनाता है। मार्केट रिसर्च प्लेटफॉर्म मार्केट्स एंड मार्केट्स के अनुसार , भारत में कनेक्टेड कारों का बाजार सालाना 22.2 प्रतिशत बढ़ रहा है। 2019 में इसका आकार 980 करोड़ डॉलर (81,340 करोड़ रुपए) का था। 2025 तक इसके बढ़कर 3,250 करोड़ डॉलर (2.70 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच जाने का अनुमान है।

गणेश चतुर्थी पर लॉन्च हुआ जियो एयर फाइबर

599 रुपए में 30 एमबीपीएस की स्पीड मिलेगी दिल्ली, मुंबई जैसे 8 शहरों से शुरुआत

मुंबई।
रिलायंस जियो ने गणेश चतुर्थी पर अपनी एयर फाइबर सर्विस लॉन्च कर दी है। फिलहाल ये सर्विस 8 शहरों- अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे में मिलेगी। एयर फाइबर के लिए 1000 रुपए इंस्टॉलेशन चार्ज देना होगा। 100 रुपए में इसे बुक कर सकते हैं। ये अमाउंट बिल में एडजस्ट हो जाएगा। एयर फाइबर की बुकिंग के लिए जियो की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा। कनेक्शन के साथ लेटेस्ट वाई-फाई राउटर, टीवी के लिए 4के सेट टॉप बॉक्स और वॉयस एक्टिव रिमोट मिलेगा। फिलहाल सभी प्लान 6 और 12 महीने के ऑप्शन में ही उपलब्ध हैं। अगर 12 महीने का प्लान लेते हैं तो 1000 रुपए का इंस्टॉलेशन चार्ज नहीं देना होगा।

- मंथली प्लान की शुरुआती कीमत 599 रुपए
- मंथली प्लान की शुरुआती कीमत 599 रुपए है। इसमें 30 एमबीपीएस स्पीड मिलेगी।
- 899 और 1,199 रुपए के एयर फाइबर प्लान में 100 एमबीपीएस तक स्पीड मिलेगी।
- 1,499 रुपए के जियो एयर फाइबर प्लान में 300 एमबीपीएस की स्पीड हो जाएगी।
- 500 एमबीपीएस की स्पीड पर अपग्रेड करने के लिए आपको 2,499 रुपए देने होंगे।
- 1जीबीपीएस स्पीड पर अपग्रेड करने के लिए हर महीने 3,999 रुपए खर्च करने होंगे।

550 से ज्यादा डिजिटल चैनल और 14+ ओटीटी ऐप्स मिलेंगे

599 रुपए और 899 रुपए के प्लान में 550 से ज्यादा डिजिटल चैनल और 14 ओटीटी ऐप्स मिलेंगे। वहीं 1,199 रुपए और उससे ज्यादा के सभी प्लान में डिजिटल चैनल और 14 ओटीटी ऐप्स के अलावा नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और जियो सिनेमा प्रीमियम का भी सब्सक्रिप्शन मिलेगा।

कहीं भी ले जा सकते हैं एयर फाइबर

एयर फाइबर की खासियत इसकी पोर्टेबिलिटी है। यूजर इसे किसी भी लोकेशन पर ले जाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि वहां पर 5जी कनेक्टिविटी होनी चाहिए। रिलायंस जियो के मुताबिक, उनका एयर फाइबर चलते-फिरते ब्रॉडबैंड जैसी स्पीड देने में सक्षम है।

दूर दराज इलाकों में आसानी से पहुंच सकेगा हाई-स्पीड इंटरनेट

अभी जियो, एयरटेल सहित अन्य कंपनियों के ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड फाइबर शहरों तक ही सीमित हैं, लेकिन एयर फाइबर बिना किसी वायर के इंटरनेट प्रोवाइड करता है। ऐसे में एयर फाइबर के जरिए हाई-स्पीड इंटरनेट आसानी से दूर दराज के इलाकों में पहुंच सकेगा।

जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर में क्या अंतर है

जियो फाइबर ऑप्टिक वायर टेक्नोलॉजी पर बेस्ड हैं। इसके जरिए इंटरनेट प्रोवाइड करने के लिए कंपनी घर/ऑफिस में एक राउटर इंस्टॉल करती है। उस राउटर तक ऑप्टिक वायर को ले जाकर कनेक्ट करती है। इसके बाद फाइबर स्टेबल हाई-स्पीड इंटरनेट प्रोवाइड करता है।

जियो एयर फाइबर के जरिए कंपनी वायरलेस ब्रॉडबैंड सर्विस प्रोवाइड करेगी। यह काफी हद तक वायरलेस डोंगल की तरह काम करता है, लेकिन इंटरनेट की स्पीड काफी तेज होती है। इसके लिए किसी भी प्रकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर की भी जरूरत नहीं होती। यह आसानी से इन्स्टॉल हो जाता है।

एयरटेल पहले ही लॉन्च कर चुका है एयर फाइबर

एयरटेल पहले ही एक्सट्रीम एयर फाइबर दिल्ली और मुंबई में लॉन्च कर चुका है। कंपनी का दावा है कि एयरटेल एक्सट्रीम एयर फाइबर में 5 राउटर के मुकाबले 50 प्रतिशत ज्यादा फास्ट इंटरनेट स्पीड मिलती है। कंपनी ने अभी तक इस बात की जानकारी नहीं दी है कि देश के अन्य जगहों के लिए एयरटेल एक्सट्रीम एयर फाइबर कब तक अवेलेबल होगा।

7,733 में खरीद सकते हैं एयरटेल एक्सट्रीम एयर फाइबर

एयरटेल एक्सट्रीम एयर फाइबर को बायर्स 7,733 रुपए देकर खरीद सकते हैं, जिसमें 18 प्रतिशत की जीएसटी अलग से लगती है। इसमें कंपनी 2,500 की सिक्योरिटी डिपॉजिट ले रही है और 6 महीने के डेटा प्लान के लिए 4,435 ले रही है।

सरकार ने 8.65 लाख करोड़ डायरेक्ट टैक्स वसूला

पिछले साल के मुकाबले 24 प्रतिशत ज्यादा, एडवांस टैक्स कलेक्शन भी 21 प्रतिशत बढ़कर 3.55 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।
सरकार ने डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन का प्रोविजनल डेटा रिलीज कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार ने 16 सितंबर तक 8.65 लाख करोड़ का डायरेक्ट टैक्स वसूला है। यह कलेक्शन पिछले साल के इसी समय के मुकाबले 24 प्रतिशत ज्यादा है।

एडवांस टैक्स कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत

इस दौरान एडवांस टैक्स कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत बढ़कर 3.55 लाख करोड़ हो गया है। वहीं इस साल फाइल किए गए इनकम टैक्स रिफंड के रूप में सरकार ने 1.22 लाख करोड़ रिफंड किया है। 18.23 लाख करोड़ के टारगेट का 46 प्रतिशत कलेक्शन एडवांस टैक्स के दूसरे इंस्टॉलमेंट के बाद यह कलेक्शन सरकार के डायरेक्ट टैक्स टारगेट का 46 प्रतिशत है। इस फाइनेंशियल ईयर के लिए पर्सनल और कॉर्पोरेट टैक्स कलेक्शन मिलाकर 18.23 लाख करोड़ का एनुअल बजेटरी टारगेट रखा गया था। इस टोटल टैक्स कलेक्शन में कॉर्पोरेट इनकम टैक्स 4.16 लाख करोड़, जबकि सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन को मिलाकर पर्सनल इनकम टैक्स 4.47 लाख करोड़ रहा है। सरकार ने इस साल के लिए सीआईटी का टारगेट 9,22,675 करोड़ और पीआईटी का टारगेट 9,00,575 करोड़ रखा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कॉर्पोरेट इनकम टैक्स कलेक्शन 2.81 लाख करोड़ और पर्सनल इनकम टैक्स कलेक्शन 74,858 करोड़ रहा था। डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स में अंतर जो टैक्स सीधे आम आदमी से वसूला जाता है उसे डायरेक्ट टैक्स कहते हैं। डायरेक्ट टैक्स में कॉर्पोरेट और पर्सनल इनकम टैक्स आता है।

गोल्ड ईटीएफ में 16 महीने का रिकॉर्ड निवेश: अगस्त में इसमें लोगों ने लगाए 1,028 करोड़ रुपए, ये जुलाई के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा

नई दिल्ली।
गोल्ड ईटीएफ (गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में बीते महीने यानी अगस्त में 1,028 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। ये गोल्ड ईटीएफ में 16 महीनों का रिकॉर्ड निवेश है। इससे पहले अप्रैल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण इसमें 1,100 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। इस साल अमेरिका में ब्याज दरें लगातार बढ़ने से रिस्क बढ़ने के चलते गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। म्यूचुअल फंड कंपनियों के संगठन एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में 2023 में अब तक 73.40 प्रतिशत निवेश सिर्फ अगस्त में आया। इस साल में अगस्त तक इसमें कुल 1,400 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। जुलाई में गोल्ड ईटीएफ में 456 करोड़ रुपए आए थे।

अप्रैल-जून में 298 करोड़ का ही निवेश हुआ

अप्रैल-जून में इस श्रेणी में 298 करोड़ का ही निवेश हुआ था। इससे पहले लगातार तीन तिमाहियों में गोल्ड ईटीएफ में बिकवाली देखने को मिली थी। जनवरी-मार्च 2023 में इस श्रेणी से 1,243 करोड़ रुपए, अक्टूबर-दिसंबर 2022 में 320 करोड़ रुपए और जुलाई-सितंबर 2022 में 165 करोड़ रुपए की निकासी हुई थी। अप्रैल

2022 के बाद इस साल अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में सबसे अधिक मासिक निवेश हुआ।

गोल्ड ईटीएफ क्या है

यह एक ओपन एंडेड म्यूचुअल फंड होता है, जो सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर आधारित होता है। यह गोल्ड में इन्वेस्टमेंट के साथ स्टॉक में इन्वेस्टमेंट की फ्लेक्सिबिलिटी देता है। गोल्ड ईटीएफ की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह बीएसई और एनएसई पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना नहीं मिलता।

सीएनजी फ्यूल बाइक लॉन्च कर सकती है बजाज: फ्यूल कॉस्ट 50 प्रतिशत तक कम होगी; कंपनी के एमडी बोले- इसमें रेंज, चार्जिंग की चिंता नहीं

नई दिल्ली।
बजाज ऑटो सीएनजी फ्यूल से चलने वाली एंट्री-लेवल मोटरसाइकिल लॉन्च कर सकती है। बजाज ने इस ओर इशारा किया। बजाज ने कहा कि सीएनजी मोटरबाइक्स खरीदने और ईंधन दोनों लिहाज से सस्ती होंगी। ये उन बायर्स को अट्रैक्ट कर सकती हैं जो हाई पेट्रोल प्राइस अफोर्ड नहीं कर सकते। राजीव बजाज ने कहा कि सीएनजी बाइक्स में मैन्युफैक्चर्स के लिए सेफ्टी, रेंज, चार्जिंग और बैटरी लाइफ से जुड़ी कोई चिंता नहीं होगी। ऐसी बाइक कंज्यूमर्स के लिए भी बहुत अच्छी होंगी। इससे फ्यूल कॉस्ट 50 प्रतिशत तक कम हो सकती है। अगर बजाज इस योजना पर अमल करता है, तो पूरी तरह से सीएनजी मोटरसाइकिल बनाने वाली भारत की पहली कंपनी होगी।

100सीसी बाइक की बिक्री में तेजी की उम्मीद नहीं

राजीव बजाज ने कहा कि उन्हें आने वाले त्योहारी सीजन में एंट्री-लेवल इंटरनल कम्बशन इंजन बाइक की बिक्री में तेजी की उम्मीद नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि खरीदार इलेक्ट्रिक ऑप्शन्स की ओर बढ़ रहे हैं। पिरामिड के निचले स्तर के खरीदार जो कोविड, नौकरी छूटने और पेट्रोल की बढ़ती कीमत से प्रभावित हुए थे, वे वापस नहीं आ रहे हैं।

बजाज के 100सीसी सेगमेंट में दो मॉडल

बजाज ऑटो के पास एंट्री सेगमेंट में 100सीसी और 125सीसी के बीच सात मोटरसाइकिल मॉडल हैं। कंपनी 100सीसी सेगमेंट में दो मॉडल पेश करती है- बजाज प्लेटिना और बजाज सीटी 100। हालांकि वह इस कैटेगरी में लीडर नहीं है।

सबसे पावरफुल पल्सर लॉन्च करेगी बजाज

सीएनजी थ्री-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। वहीं बजाज ने इस वित्त वर्ष में पल्सर मोटरसाइकिल के छह नए अपग्रेड और अब तक की सबसे पावरफुल पल्सर लॉन्च करने की भी बात कही।

पाकिस्तान में तहखाने से अरबों की करेंसी बरामद

रावलपिंडी में 13 डिजिटल लॉकर नहीं खोल सके अफसर; ज्यादातर विदेशी मुद्रा

रावलपिंडी/इस्लामाबाद।
बदहाल इकोनॉमी और महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तान के दो शहरों में अरबों रुपए की लोकल और फॉरेन करेंसी बरामद किए जाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक रावलपिंडी में एक प्लाजा के बेसमेंट में इतनी करेंसी मिली कि फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के अफसर हैरान रह गए। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस बेसमेंट में 13 डिजिटल लॉकर मिले हैं। 24 घंटे से इन्हें खोलने की कोशिश अब तक नाकाम रही है। इसके अलावा झेलम शहर में भी इसी तरह का बेसमेंट और लॉकर मिले हैं। माना जा रहा है कि बरामद करेंसी के अलावा लॉकर्स में भी फॉरेन करेंसी है। पाकिस्तान के पास इस वक्त कुल 8 अरब डॉलर का फॉरेक्स रिजर्व (विदेशी मुद्रा भंडार) है। इनमें 3 अरब डॉलर आईएमएफ , 2 अरब डॉलर सऊदी अरब और एक-एक अरब डॉलर और चीन के हैं। जून में महंगाई दर करीब 40 प्रतिशत थी। इसके बाद सरकार ने

आंकड़े जारी ही नहीं किए।

मीडिया हाउस के मालिक की बिल्डिंग

पाकिस्तानी मीडिया की अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक एफआईए की कई टीमें दो हफ्ते से फॉरेन करेंसी होल्डर्स और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ ऑपरेशन चला रही हैं। इसमें फौज और आईएसआई भी मदद कर रही है। जांच एजेंसियों को पाकिस्तानी फौज के रावलपिंडी हेडक्वार्टर से 2 किलोमीटर दूर एक प्लाजा में करेंसी छिपाने की जानकारी मिली थी। रविवार सुबह इस प्लाजा के बेसमेंट पर छापा मारा गया। 44 अफसरों की टीम को तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला। इसी दौरान दो अफसरों को बेसमेंट की एक दीवार पर शक हुआ। जांच के दौरान पता चला कि दीवार के दूसरी तरफ कोई कंस्ट्रक्शन नहीं है। बाद में इस दीवार को तोड़ा गया।

दीवार के दूसरी तरफ कई बक्सों में पाकिस्तानी और फॉरेन करेंसी मिली। सबसे ज्यादा हैरानी 13 डिजिटल लॉकर्स को देखकर हुई। ये सभी दूसरे देशों से खरीदे गए थे और इनको खोलने वाला कोई नहीं था। यह बिल्डिंग एक मीडिया चैनल के मालिक की है। इस मामले में अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि अब तक एक भी डिजिटल लॉकर खोला नहीं जा सका है।

40 करोड़ रुपए बरामद

40 करोड़ पाकिस्तानी रुपए बरामद किए जा चुके थे। इसके बावजूद एफआईए ने न सिर्फ खुद कोई जानकारी दी, बल्कि मीडिया की एंट्री भी रोक दी। यहां सख्त सुरक्षा इंतजाम भी किए गए हैं। 'जियो टीवी' की रिपोर्ट में कहा गया- फॉरेन और लोकल करेंसी को मिला लिया जाए तो कुल बरामद रकम अरबों रुपए में होगी। अब तक जिन 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके बारे में भी जानकारी नहीं दी जा रही है। इन लोगों से किसी सीक्रेट लोकेशन पर पूछताछ की जा रही है। झेलम शहर में भी इसी तरह का बेसमेंट या तहखाना मिला है। इसे सील कर दिया गया है। यहां भी डिजिटल लॉकर मिले हैं। एफआईए के सूत्रों के हवाले से कहा- अब तक एक भी लॉकर खोला नहीं जा सका है। इसकी वजह यह है कि इन बेहद मजबूत और स्टील से बने लॉकर्स के पासवर्ड आरोपियों से सख्त पूछताछ के बाद भी हासिल नहीं हो सके हैं। हालांकि जल्द कामयाबी मिलने की उम्मीद है।

तीन देशों की करेंसी मौजूद

एक रिपोर्ट के मुताबिक रावलपिंडी में जिस प्लाजा के बेसमेंट से करेंसी बरामद हुई है, उस प्लाजा के मालिक का नाम शेख इफ्तिखार आदिल है। वो अहसास नाम के टीवी चैनल का मालिक है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इफ्तिखार और कुछ लोग मिलकर एक गैरकानूनी बैंक ऑपरेट कर रहे थे और ये तमाम पैसा मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला का है। इसमें नेता, ब्यूरोक्रेट और फौजी अफसर भी शामिल हैं। प्लाजा अंडर कंस्ट्रक्शन है, लेकिन बेसमेंट में बेहतरीन फेसिलिटीज और ऑटोमैटिक लाइट्स मौजूद हैं। इसमें एंट्री के लिए बायोमैट्रिक गेट लगाए गए हैं। एफआईए टीम को यहां पहुंचने में जबरदस्त मेहनत करनी पड़ी। रावलपिंडी और झेलम दोनों शहरों से अमेरिकी डॉलर, ब्रिटिश पाउंड और सऊदी रियाल बरामद किए गए हैं।

गदर 2 की करोड़ों में आय, तारा सिंह की जवान भी अडिग

मुंबई(ईएमएस)। 37वें दिन 71 लाख का बिजनेस करने वाली गदर 2 ने रविवार को सिंगल डे पर 1 करोड़ के करीब कमाई की। जहां बड़ी फिल्म के रिलीज के बाद 1 महीने भी टिकना किसी फिल्म के लिए बड़ी बात है, तो वहीं शाह रुख खान की जवान की बंपर कमाई के बीच गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने कदम जमाए हुए हैं। गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाई हुई है। 11 अगस्त को अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी एक्शन ड्रामा फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी-2 से टकराई थी। इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 38 दिनों से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन ये फिल्म टस से मस होने का नाम ही नहीं ले रही है। बॉक्स ऑफिस पर जवान के लिए भी तारा सिंह को उसकी जगह से हटाना बेहद मुश्किल हो गया है। जवान के आने से सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन काफी डाउन हो गया था, लेकिन लगता है तारा सिंह उर्फ सनी देओल बॉक्स ऑफिस से इतनी जल्दी अलविदा नहीं कहने वाले हैं। गदर 2 ने इंडियन बॉक्स ऑफिस परर 500 करोड़ का आंकड़ा बहुत ही पहले पार कर लिया था। 38 दिनों में इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर नेट 519.43 करोड़ के आसपास का बिजनेस किया है, जबकि फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 610. करोड़ तक पहुंचा है। फिलहाल टोटल कमाई के मामले में गदर-2 शाहरुख खान की जवान से आगे चल रही है। बता दें कि कुछ दिनों पहले जब जवान की रिलीज के बाद सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर गदर 2 का बिजनेस गिर रहा था, तो मेकर्स ने एक स्ट्रेटेजी अपनाते हुए फिल्म का टिकट प्राइस 150 रुपए कर दिया था, जिस-ाका गदर 2 को बॉक्स ऑफिस पर फायदा भी मिला।

मैं थोड़ी बिगड़ी हुई और बहुत जिद्दी हूं : कंगना रनौत

- अनुराग कश्यप के बयान पर कंगना का करारा जवाब

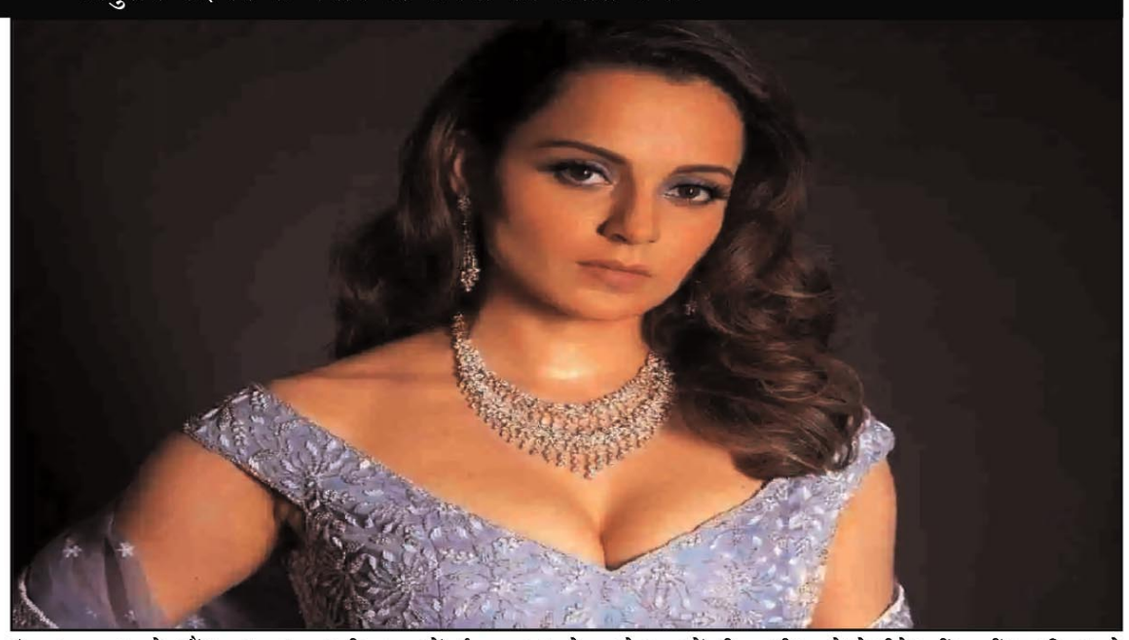

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत कंगना रनौत के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया था। उन्होंने कहा था कि कंगना टैलेंटेड हैं, मगर उनके साथ काम करना मुश्किल है। उन्होंने कंगना को टफ एक्ट्रेस बताया था। अब कंगना ने रिएक्शन दिया है, जो की चर्चा में आ गया है। अपने बारे में कही गई ऐसी बात सुन खुशी से गदगद हुई कंगना ने कहा, इस बात से सब सहमत होते हैं लेफ्ट राइट दोनों विंग। इसके बाद चार प्वा-इंट्स में कंगना ने अपनी खूबियां गिनाईं।एक तो मैं बहुत बद्तमीज हूं। हिंसक और अतिवादी भी हूं। मुझे हिंसा पसंद है और हिंसा को मैं पसंद हूं। थोड़ी बिगड़ी हुई और बहुत जिद्दी हूं। भयंकर वाली टैलेंटेड मतलब जीओएटी टाइप। इसके बाद उन्होंने लिखा- इसे कहते हैं बैटमैन...वही हूं मैं। कंगना रनौत की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर लाइमलाइट में हैं। मूवी में उनके अलावा राघव लॉरेंस भी नजर आएंगे। वह फिल्म में बहुत ही अहम किरदार प्ले कर देखे जाएंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस के पास तेजस है, जो 20 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म का टीजर अक्टूबर के शुरूआती दिनों में दिखाया जाएगा। अनुराग ने कहा था, कंगना शानदार एक्ट्रेस हैं। बात जब काम की आती है तो वह ईमानदार होती हैं। उनके साथ अन्य समस्याएं भी होती हैं। हालांकि, जब उनके टैलेंट की बात आती है, तो कोई भी उनसे यह छीन नहीं सकता। एक अभिनेता के रूप में, ईमानदार आलोचक के रूप में भी, उनके अंदर क्या है, इससे कोई निपटा नहीं सकता। हंसल मेहता ने भी एक्ट्रेस से मतभेदों को दूर रखते हुए उनके आर्ट की तारीफ की थी। बता दें कि कंगना रनौत किसी को भी कुछ भी कहने से पीछे नहीं हटतीं। या फिर चाहे कोई भी मुद्दा हो, एक्ट्रेस अपने मन में छिपी बात को बेबाकी से बोलना जानती हैं और अगर कोई उनके बारे में कुछ कहे, तो उसे क्या जवाब देना है वह यह भी जानती हैं।

फुकरे 3 अपनी रिलीज के लिए तैयार

-फिल्म के प्रमोशन्स में कोई कसर नहीं छोड रहे बाकी

मुंबई (ईएमएस)। एक्सेल एंटरटेनमेंट की फिल्म फुकरे 3 को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। यह फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म की टीम भी फिल्म के प्रमोशन्स में कोई कसर बाकी नही छोड़ रही ताकि फिल्म ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचे। हाल ही में इसी सिलसिले में फुकरा गैंग दिल्ली में थी, जहां वे प्रमोशनल कैंपन को अगले स्तर तक ले गए और अब वे दिल्ली के स्ट्रीट फूड को एजॉय करने के लिए एक हैंग-आउट प्लेस पर पहुंच गए हैं। फुकरा गैंग के पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और मनजोत सिंह ने दिल्ली में हॉट एंड स्पाइसी जंक्शन नाम के एक फूड स्टॉल का दौरा किया है। ऐसे में जब ये दिल्ली की सड़कों पर स्ट्रीट फूड के मजे लेते देखे गए, तो वहां प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। फिल्म में वास्तव में 28 सितंबर को बड़े पर्दे पर आने वाले जुगाड़ू बॉयज को देखने के लिए उत्साह बढ़ा दिया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने समय-समय पर झेडएनएमडी, दिल चाहता है जैसी कई और ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ दर्शकों को एंटरटेन किया है। बता दें, फुकरे रिटर्न्स के दौरान फुकरा बॉयज इस स्टॉल पर आए थे और अब लगभग 10 साल बाद वे दोबारा इस जगह पर आए और मोमोज का स्वाद चखा। दिल्ली में फुकरा गैंग को देखना वास्तव में एक मजेदार अनुभव है क्योंकि फुकरे फ्रेंचाइजी का असली सार शहर में ही बसा है।

'मिजार्पुर' फेम एक्टर विक्रांत मेस्सी जल्द ही बनने वाले हैं पिता

बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मेस्सी ने अपने करियर में कई फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है, लेकिन उन्हें खासतौर पर वेब सीरीज मिजार्पुर के लिए जाना जाता है। इसमें उन्होंने बब्लू पंडित का किरदार निभाकर नाम और शोहरत दोनों हासिल की। फिलहाल वह किसी फिल्म या वेब सीरीज की वजह से नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी की वजह से खबरों में हैं। विक्रांत जल्द ही पिता बनने वाले हैं। गणेश चतुर्थी के दिन विक्रांत और उनकी पत्नी शीतल ठाकुर को लेकर ये खुशखबरी सामने आई है। जल्द ही दोनों माता-पिता बनेंगे और उनके घर किलकारी गूंजेंगी। हालांकि, विक्रांत और शीतल ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। विक्रांत और शीतल की लव लाइफ की बात करें, तो ये दोनों एक-दूसरे को 2015 से जानते थे। तभी से दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। लगभग 4 साल तक डेटिंग के बाद इस जोड़े ने 2019 में सगाई कर ली। इसके बाद उन्होंने 2022 में यानी पिछले साल 14 फरवरी को एक निजी समा-रोह में शादी कर ली। शादी के एक साल बाद विक्रांत और शीतल माता-पिता बनने वाले हैं। विक्रांत के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मेड इन हेवन, गैसलाइट और मुंबईकर में देखा गया था। जल्द ही उनकी फिल्में यार जिगरी, सेक्टर 36, 12वीं फेल और फिर आई हसीन दिलरुबा पर्दे पर आएंगी।

ऋतिक ने द फ्रीलांसर की टीम की तारीफ की

-कला का एक और शानदार नमूना है यह फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। सुपरस्टार ऋतिक रोशन फ्राइडे स्टोरीटेलर्स की एक्शन थ्रिलर द फ्रीलांसर के फैन हो गए हैं। हाल में जब उन्होंने ये शो देखा तो वो शो और टीम की तारीफ किए बिना रह नही पाएं। जी हां, इस एक्शन थ्रिलर द फ्रीलांसर की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें लिखा था, अभी-अभी हॉटस्टार पर द फ्रीलांसर देखना खत्म किया - जो कि नीरज पांडे, शीतल भाटिया और टीम की कला का एक और शानदार नमूना है। मैंने सोचा था कि स्पेशल ऑप्स बेस्ट था, लेकिन आप सभी ने भी मुझे हैरान कर दिया है। अविश्वसनीय रूप से रोमांचकारी! सबसे पहले, क्या नया कॉन्सेप्ट है.. शो देखने से मुझे एहसास हुआ कि यह इतनी संभावनाओं वाला एक ऐसा यूनिवर्स है जिसे किसी ने नही खोजा है। मैं अपकमिंग एपिसोड देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। अनुपम सर, मोहित और कश्मीरा संग पूरी कास्ट आउटस्टैंडिंग हैं।दोस्तों.. अगर आपने अभी तक हॉटस्टार पर द फ्रीलांसर नहीं देखा है.. तो कृपया इसे तुरंत अपनी वॉचलिस्ट में जोड़ें! यह एक ऐसी वेबसीरीज है जिसे आपको मिस नहीं करना चाहिए! द फ्रीलांसर को अपनी रिलीज के बाद से ही खूब प्यार मिल रहा है। ये सीरीज मोहित रैना, अनुपम खेर जैसे कई अन्य प्रतिभाशाली स्टारकास्ट से सजी है। फ्राइडे स्टोरीटेलर्स ने दर्शकों को हमेशा कुछ नया और ओरिजनल दिया है, द फ्रीलांसर निश्चित रूप से एक मस्ट वॉच कंटेंट है जो केवल डेन्सी+ हॉटस्टार पर उपलब्ध है। स्पेशल ओपीएस 1.5, कौन प्रवीण तांबे?, खाकी- द बिहार चैप्टर, सीक्रेट्स ऑफ कोहिनूर, बंदे में है दम जैसी और कई ऐसे कंटेंट हैं जो फ्राइडे स्टोरीटेलर्स ने बनाए है, जो सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं। बता दें कि फ्राइडे स्टोरीटेलर्स की एक्शन थ्रिलर द फ्रीलांसर 1 सितंबर को रिलीज हुई थी और इसने दर्शकों को एक्शन और रोमांच की भरपूर डोज दी। 4 एपिसोड वाली इस सीरीज को दर्शकों ने बेहद पसंद किया है।

अच्छा सजाया गया परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा का घर, शादी 23-24 सितंबर को

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा की शादी की इस समय खूब चर्चा हो रही है। परिणीति और इस महीने के आखिरी हफ्ते में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। राघव और परिणीति की शादी 23 और 24 सितंबर को होगी। राजनीतिक जगत के साथ कला जगत की हस्तियों की मौजूदगी में परिणीति और राघव ने 13 मई को दिल्ली के कपूरथला हाउस में धूमधाम से सगाई की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बताया जा रहा है कि 22 तारीख से मेहमानों का आना शुरू हो जाएगा। 23 सितंबर से मेहंदी, हल्दी और संगीत के कार्यक्रम शुरू होंगे। दोनों के परिवार वाले शादी की तैयारी कर रहे हैं। शादी से पहले परिणीति का मुंबई वाला घर और राघव का दिल्ली वाला घर सज चुका है। इस वीडियो को पैपराजी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। परिणीति का कार्यक्रम 23 सितंबर को सुबह 10 बजे से रखा गया है। उसी दिन शाम 7 बजे परिणीति और राघव का कॉन्सर्ट है। 24 सितंबर यानी शादी वाले दिन दोपहर 1 बजे राघव को दोपहर 2 बजे घोड़े से उतारा जाएगा। 3.30 बजे जयमाला और 4 बजे सप्तपदी। परिणीति को शाम 6.30 बजे रवाना किया जाएगा। रात 8.30 बजे रिसेप्शन का आयोजन किया गया है।

तब्बू और अली फजल की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'खुफिया' का ट्रेलर रिलीज

विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म खुफिया का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें तब्बू और अली फजल बेहद रहस्यमयी भूमिकाओं में हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जो सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में तब्बू रॉ एजेंट बनी हैं, जबकि अली फजल ने एक गद्दार की भूमिका निभाई है, जो रॉ में रहने के बावजूद एक बाहरी व्यक्ति को महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह ट्रेलर फैंस को काफी पसंद आ रहा है और इसमें कहानी की गंभीरता और सस्पेंस ही दर्शकों को बांधे रखता है। एजेंट की भूमिका निभा रही तब्बू देश के खिलाफ काम करने वाले लोगों को पकड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। फिल्म खुफिया एस्केप टू नोव्हेयर नाम की किताब पर आधारित है। ट्रेलर की श-ुरूआत में ही रॉ के अधिकारी संभावित लीक के बारे में बात करते नजर आते हैं। साफ है कि जासूस का किरदार निभाने वाली तब्बू एक खतरनाक मिशन पर हैं। वह यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि रॉ में कौन घुसपैठिया हो सकता है, जो देश के खिलाफ जा रहा है। इससे ये भी पता चलता है कि तब्बू को अली फजल के कैरेक्टर पर शक है। विशाल भारद्वाज की यह फिल्म 5 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। दर्शकों को यह ट्रेलर काफी पसंद आया है और ऐसा लग रहा है कि वे इस सस्पेंस थ्रिलर के लिए काफी उत्साहित हैं।

शिल्पा शेट्टी के घर पहुंचे गणपति बप्पा, राज कुंद्रा अपने ही व्यवहार से हुए ट्रोल

देश में हर जगह गणेशोत्सव की धूम है। कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी घर पर गणेशोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। गणपति बप्पा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के घर पहुंच गए हैं, लेकिन इस बार शिल्पा के पति राज कुंद्रा अपने व्यवहार के कारण ट्रोल हो गए हैं। शिल्पा शेट्टी के घर पर हर साल गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस साल भी शिल्पा शेट्टी ने गणपति बप्पा का स्वागत किया। इस मौके पर शिल्पा अपने पति राज कुंद्रा के साथ नजर आईं। शिल्पा शेट्टी के घर गणराया के आगमन के दौरान का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में गणराया को घर लाने गए राज कुंद्रा मास्क पहने और अपना चेहरा छिपाते नजर आ रहे हैं। उनकी इस हरकत की वजह से उन्हें नेटिजन्स ने ट्रोल किया है। शिल्पा शेट्टी के इस वीडियो को पैपराजी ने इंस्टाग्राम पेज से शेयर किया गया है। इस वीडियो पर नेटिजेंस ने भी कमेंट किए हैं। एक ने कहा, ह्लराज कुंद्रा का पर्दा कब हटेगा?

'टाइगर वर्सेज पठान' की स्क्रिप्ट को मिली मंजूरी

मुंबई (ईएमएस)। खबरे सामने आई है कि फिल्म टाइगर वर्सेज पठान की स्क्रिप्ट को लेकर दोनों सुपरस्टारों से एक महीना पहले मीटिंग भी हो चुकी है। आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ में सलमान खान और शाहरुख खान की टाइगर वर्सेज पठान बनाने वाले है। जानकारी के अनुसार आदित्य चोपड़ा द्वारा मेगा-स्टार्स को फिल्म सुनाने के बाद, अगले साल मार्च में शुरू होने वाली शूटिंग के लिए नवंबर में तैयारी शुरू करने के लिए टाइगर वर्सेज पठान की टीम के लिए स्क्रिप्ट लॉक कर दी गई है। हिंदी सिनेमा के दो मेगा-स्टार द्वारा स्क्रिप्ट पर अपनी सहमति देने के बाद टाइगर वर्सेज पठान की स्क्रिप्ट लॉक हो गई है। यह फिल्म एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि इसमें बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने वाले करण अर्जुन को फिर एक साथ देखा जाएगा। आदित्य चोपड़ा ने शाहरुख और सलमान के साथ पर्सनल मीटिंग की और उन्हें फिल्म के बारे में बताया। सुपरस्टार्स को कहानी पसंद आई है और फिल्म अब मार्च में फ्लोर पर जाएगी। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित, टाइगर वर्सेज पठान को भारत की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म माना जाता है। यह प्रसिद्ध वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है, जो सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरू हुआ, एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से शुरू हुआ, और वॉर (2019) तक जारी रहा, जिसमें ऋतिक ने एक्ट किया। इसके बाद शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की पठान (2023), जो हिंदी सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी हिट है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सभी चार फिल्में ब्लॉकबस्टर हैं।

नीलकमल और अनुपमा का नया गाना 'ओढ़निया मईल बा' रिलीज, मचाया धमाल

लोकप्रिय सिंगर नीलकमल सिंह और अनुपमा यादव के नए गाने ओढ़निया मईल बा ने रिलीज होने के साथ ही म्यूजिक वर्ल्ड में धमाल मचा दिया है। उनका यह गाना टी-सीरीज हमार भोजपुरी के ऑफिसियल यू-ट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इसमें नीलकमल सिंह और अनुपमा यादव की जुगलबंदी संगीत प्रेमियों को खूब पसंद आ रही है। गाने का म्यूजिक वीडियो भी कमाल का है। गाना ओढ़निया मईल बा को लेकर नीलकमल सिंह ने कहा कि गाना मजेदार है। यह गाना एक प्यार भरी नोक-झोंक पर आधारित है और इसे हमने मस्ती भरे अंदाज में अपने श्रोताओं के समक्ष पेश किया है। उन्होंने कहा कि अनुपमा यादव एक अच्छी सिंगर हैं। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया है। हम लोगों ने इस गाने को अपना पूरा फोकस दिया है, जिससे यह उभर कर सामने आ रहा है। गाने को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर सोनू श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे चैनल से रिलीज गाने को समर्थन मिल रहा है। उससे हम और अच्छे गाने लेकर आने को प्रेरित हो रहे हैं। यह गाना भी कमाल का है।

सूडोकु नवताल- 6558

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6557 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्दजाल- 7305

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

शब्दजाल में मनोज वाजपेयी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अक्स, फरेब, इंतकाम, पिंजर, सत्या, शूल, जूबेदा, दिल पर मत ले यार, घात, जागो

शब्दजाल - 7304 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	चो	न	र	क
ग	र	म	म	सा	ला	जी	द	इ	व	ल
आ	कं	दे	ला	ह	जी	स्म	नी	का	क्त	दि
वा	ची	प	श	ल	ज	प	बा	पा	ल	र
स्तु	त	ई	न्नी	मे	स	खें	र	भा	म	जं
शा	मे	म	क	ला	बे	ला	न	ई	क	ग
स्त्र	जं	न्स	मे	ल	क	ता	म	न	है	ल
च	म	न	ए	स	हो	प	र	ली	म	ए
ले	बो	र्न	य	त	चि	ना	री	रो	न	क्स
क्या	कु	ल	है	ह	म	त्र	हो	ड	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6258

		7		4		
4	28	2	38		31	7
1	5		6		2	3
	28	3	36		38	6
5		1	4			2
7	34		29	3	35	
2		6			7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6257 का हल

3	2	4	6	7	5	1
4	28	2	38	2	31	7
1	5	7	6	4	2	3
6	38	5	36	3	28	6
5	3	6	4	1	7	2
7	32	3	29	5	37	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

टीम इंडिया के कप्तान

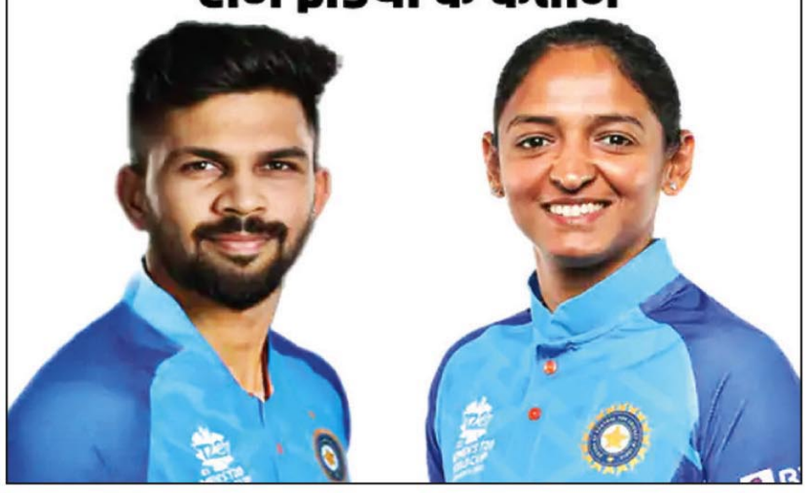

एशियन गेम्स में : विमेंस टीम इंडिया का पहला मैच 21 सितंबर को, अक्टूबर में खेलेंगे पुरुष

नई दिल्ली ।
चीन के हांगझोउ शहर में इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक एशियन गेम्स होंगे। 4 साल में एक बार होने वाले एशियन गेम्स में इस बार फिर क्रिकेट को शामिल किया गया है। विमेंस कैटेगरी के मैच शुरू हो चुके हैं। टीम इंडिया 21 सितंबर को सीधे क्वार्टरफाइनल खेलेगी। जबकि मेंस इवेंट के क्वार्टरफाइनल अक्टूबर में शुरू होंगे। क्रिकेट आखिरी बार 2014 में एशियन गेम्स का हिस्सा था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पहली बार ही एशियाड में अपनी टीमें भेज रहा है। पुरुष टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड और महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर को मिली है। पहले मैच में इंडोनेशिया ने मंगोलिया को 172 रन से हरा दिया। हॉन्ग कॉन्ग और मलेशिया के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा। विमेंस क्रिकेट का फाइनल मुकाबला 25 सितंबर को खेला जाएगा।

कितनी टीमें हिस्सा लेंगी – विमेंस इवेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें सीधे क्वार्टरफाइनल खेलेंगी। जबकि बाकी 4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। इंडोनेशिया और मंगोलिया ग्रुप-ए में हैं। दोनों के बीच एक मैच होगा, इसे जीतने वाली टीम ए-1 होगी। ग्रुप-बी में हॉन्गकॉन्ग और मलेशिया के बीच मुकाबला होगा। इसे जीतने वाली टीम बी-1 कहलाएगी। ग्रुप स्टेज में हारने वाली टीमों के बीच 20 सितंबर को एक मैच होगा। इसे हारने वाली टीम भारत के खिलाफ मैच खेलेगी, जबकि जीतने वाली टीम का मुकाबला पाकिस्तान से होगा।

भारत का पहला मैच कब होगा – इंडिया विमेंस टीम क्वार्टरफाइनल में अपना पहला मैच 21 सितंबर को खेलेगी। इसी दिन पाकिस्तान का भी मुकाबला होगा। 22 सितंबर को श्रीलंका का मुकाबला बी-1 टीम से होगा, जबकि बांग्लादेश का क्वार्टरफाइनल ए-1 टीम से होगा। 23 सितंबर को एशियन गेम्स का ओपनिंग डे है, इस दिन कोई मुकाबले नहीं होंगे। 24 सितंबर को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 25 सितंबर को ब्रॉन्ज मेडल मैच और फाइनल खेला जाएगा।

भारतीय टीम में कौन-कौन शामिल हैं – टीम इंडिया की कप्तानी हरमनप्रीत कौर को मिली है। हालांकि वह आईसीसी के बैन के कारण शुरुआती 2 मैच नहीं खेल सकेंगी। उनकी जगह स्मृति मंधाना टीम की कप्तान रहेंगी। अगर टीम इंडिया फाइनल तक पहुंची तो उस मैच की कप्तानी हरमनप्रीत करेंगी। भारत ने 15 सदस्यीय स्क्वॉड के साथ 4 स्टैंड बाय प्लेयर्स को भी मौका दिया है।

न्यूज ब्रीफ

कभी कैफ-चेतन चौहान को बोल्ड करते थे शाकिर: अब आर्थिक तंगी से छूटा क्रिकेट, बरेली में दरगाह के बाहर फूल बेचते हैं

बरेली। बरेली के मोहम्मद शाकिर खान कभी क्रिकेट के होनहार खिलाड़ी थे। उनकी इनस्विंग गेंदें क्रिकेटर

मोहम्मद कैफ, ज्ञानेंद्र पांडे और चेतन चौहान जैसे धुरंधरों तक की गिल्लियां उड़ा देती थीं। उनकी गेंदबाजी की इस धार को देखकर बरेली ही नहीं, क्वके खिलाड़ियों को लगता था कि शाकिर खूब नाम कमाएंगे। वह विश्व क्रिकेट के फलक पर चमकेंगे। मगर, मुफलिसी की जंजीरें उनके पैरों में ऐसी जकड़ी कि वो खेल का मैदान छूट गया। हालात इस कदर बिगड़े कि शाकिर को मजबूरन फूल बेचने का पेशा अपनाना पड़ा। शाकिर बरेली के बिहारीपुर के रहने वाले हैं। उन्हें उनके दोस्त पीके-11 के नाम से जानते हैं। क्योंकि, शाकिर पढ़ाई के दौरान पीके-11 टीम के लिए बॉलिंग किया करते थे। साल 1993 में इंटर की परीक्षा पास की। वह कहते हैं, मैं 12वीं की पढ़ाई के दौरान घर से स्कूल जाने की बात कहकर निकलता और फिर मैच खेलने चंदौसी पहुंच जाता। वहां दिनभर क्रिकेट खेलता था। ज्ञानेंद्र पांडे के साथ 2 साल तक क्रिकेट खेला। मैंने उन्हें कई मौकों पर अपनी इनस्विंग गेंद पर आउट किया। बीते दौर की क्रिकेट के मैदान की यादें आज भी शाकिर के जेहन में ताजा हैं, वो कहते हैं, 1997-98 में बरेली में उड़ान कप टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसमें रणजी खेलने वाले खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। मोहम्मद कैफ और चेतन चौहान भी शामिल हुए। इस दौरान मैंने दोनों के साथ क्रिकेट खेला। उस समय कैफ में गजब की फुर्ती थी। कैफ को आउट करना आसान नहीं होता था। वे पिच पर बहुत तेज भागते थे। पलभर में वो सिंगल रन लेकर दूसरे छोर पर पहुंच जाते थे।

एशियाई खेलों में नीरज चोपड़ा से मिलने को बेकरार हैं रिंकू सिंह

नई दिल्ली । आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार 5 छक्कों से प्रसिद्ध हुए रिंकू सिंह की नजरें अब एशियाई खेलों पर हैं। अपनी फिनिशिंग क्षमताओं के लिए जाने जाने वाले रिंकू ने हालिया यूपी टी-20 लीग में मेरठ मावेरिक्स की ओर से खेलते हुए भी सुपर ओवर में लगातार 3 छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। अब यह स्टार बल्लेबाज एशियाई खेलों में जाने की तैयारी कर रहा है। रिंकू सिंह ने चीन रवाना होने से पहले कहा कि वह एशियाई खेलों के दौरान नीरज चोपड़ा से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रिंकू ने कहा कि उन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है। एशियाई खेलों के दौरान जब वह भारत की ओर से खेलने उतरेगा, तब उस लम्हे को देखने के लिए हम उत्साहित हैं। इसके अलावा नीरज से मिलना और उनसे उनके अनुभव सुनना काफी अच्छा रहेगा। रिंकू ने कहा कि मैं लंबे समय से नंबर 5 और 6 पर खेल रहा हूं, इसलिए मैं ऐसा करने का काफी आदि हूं। जब से मैंने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया है तब से मैं उस नंबर पर खेल रहा हूं। मैं चरणबद्ध तरीके से बल्लेबाजी का अभ्यास करता हूं। जब मैं केकेआर अकादमी में अभिषेक नायर सर के साथ प्रशिक्षण लेता हूं, तब मैं इस ध्यान में रखता हूं, जो वास्तव में मेरी बल्लेबाजी में सहायता करते हैं।

ससेक्स के कप्तान चेतेश्वर पुजारा एक मैच के लिए सस्पेंड: खिलाड़ियों के बुरे व्यवहार के कारण क्लब पर 12 पॉइंट्स की पेनल्टी भी लगी

नई दिल्ली । ससेक्स क्रिकेट क्लब पर मौजूदा काउंटी चैम्पियनशिप में 12 पॉइंट्स की पेनल्टी लगी है जिसके कारण उसके कप्तान चेतेश्वर पुजारा को एक मैच के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज पुजारा इस समय इंग्लैंड में काउंटी चैम्पियनशिप में खेल रहे हैं और ससेक्स टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ससेक्स ने इस साल अप्रैल में पुजारा को कप्तान बनाने का ऐलान किया था। ससेक्स पर ये 12 पॉइंट्स की पेनल्टी खिलाड़ियों के बुरे व्यवहार के कारण लगी है और पुजारा को टीम का कप्तान होने के नाते एक मैच का बैन झेलना पड़ रहा है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की जानकारी दी। इंश्योरेंस काउंटी चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों के व्यवहार के लिए ईसीबी ने सख्त नियम बनाए हैं। ससेक्स पर इस सीजन चार बार फिक्स्ड पेनल्टी लगी है। ईसीबी के नियमों के अनुसार जब ऐसा होता है तो कप्तान को बैन किया जाता है। ससेक्स ने इसे चुनौती दिए बिना सजा स्वीकार कर ली है। ईसीबी ने अपने बयान में लिखा है कि 13 सितंबर को लीसेस्टशर के खिलाफ दो ऐडिशनल फिक्स्ड पेनल्टी के कारण ससेक्स को ये सजा दी गई है। ईसीबी ने यह भी बताया है कि इस मैच से पहले उसके खाते में दो फिक्स्ड पेनल्टी पहले से ही थीं। पिछले मैच में लीसेस्टशर के खिलाफ तीन खिलाड़ी टॉम हेन्स, जैक कार्सन और एरी कारवेलस के बुरे व्यवहार के लिए टीम को ये सजा मिली है। इसके कारण टीम को 1 ही सीजन में 4 पेनल्टी मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में रोहित, हार्दिक और कोहली को आराम

शुरुआती 2 वनडे में राहुल कप्तानी करेंगे ; अश्विन और सुंदर को मौका

नई दिल्ली ।
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया गया। कप्तान रोहित शर्मा और चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टीम घोषित की। शुरुआती 2 वनडे में केएल राहुल कप्तानी करेंगे। वर्ल्ड कप टीम के 5 खिलाड़ी रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को आराम दिया गया है। अक्षर इंजरी के कारण शुरुआती 2 वनडे नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर दोनों को टीम में जगह दी गई है। तीसरे वनडे में सभी सीनियर खिलाड़ी वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच वर्ल्ड कप से पहले 3 वनडे की सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला 22 सितंबर को मोहाली के पीसीबी स्टेडियम में होगा।

ऋतुराज भी वनडे टीम में शामिल – शुरुआती 2 वनडे के लिए टीम इंडिया में ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया है। पांचों ही खिलाड़ी वर्ल्ड कप स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं। अक्षर पटेल इंजर्ड हैं, इसलिए उनकी जगह अश्विन और सुंदर दोनों को मौका मिला है। सीनियर प्लेयर्स तीसरे वनडे में वापसी करेंगे तीसरे वनडे में रोहित, कोहली, हार्दिक, कुलदीप और अक्षर वापसी कर लेंगे। इस मैच के लिए अश्विन और सुंदर को भी जगह मिली है। चीफ सिलेक्टर अगरकर ने कहा, अक्षर अगर फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाए तो उन्हें तीसरा वनडे नहीं खिलाया जाएगा। इसीलिए उनकी जगह सुंदर और अश्विन को भी रखा गया है। शुरुआती 2 वनडे के लिए भारत ने 15 सदस्यीय स्क्वॉड घोषित किया है। जबकि तीसरे वनडे के लिए 17 प्लेयर्स के नाम घोषित हुए।

राहुल 7 मैचों में कप्तानी कर चुके – केएल राहुल को भारत के लिए 7 वनडे मैचों में कप्तानी करने का अनुभव है। उन्होंने बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम की कप्तानी की है। इस दौरान 4 में टीम को जीत और 3 में हार मिली।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम इंडिया – शुरुआती 2 वनडे के लिए टीम केएल राहुल (कप्तान),

शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा (उप कप्तान), शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, तिलक वर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर।

तीसरे वनडे के लिए टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), रवींद्र जडेजा, शार्दूल ठाकुर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में इंजर्ड हो गए थे अक्षर – लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल की जगह ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर को शामिल किया गया है। अक्षर एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ सुपर-4 स्टेज के मैच में इंजर्ड हो गए थे। उन्हें उंगली में चोट आई। अक्षर की चोट पर रोहित ने कहा था कि अक्षर को रिकवर होने में 7 से 10 दिन का समय लग सकता है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-2 वनडे मिस करेंगे।

अश्विन ने 20 महीने बाद जगह बनाई – आर अश्विन ने 20 महीने बाद भारत की वनडे टीम में जगह बनाई। उन्होंने जनवरी 2021 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे खेला था। इस मैच में राहुल ने ही कप्तानी की थी। सुंदर रविवार को एशिया कप फाइनल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। वह अक्षर पटेल के रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल हुए थे। हालांकि उन्हें बैटिंग और बॉलिंग दोनों ही करने का मौका नहीं मिला था। भारत ने श्रीलंका को हराकर एशिया कप जीता था।

ऑस्ट्रेलिया ने 20 सदस्यीय स्क्वॉड घोषित किया – भारत के खिलाफ 3 वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया टीम में सीनियर खिलाड़ियों की वापसी हुई है। पैट कमिंस टीम की कप्तानी करेंगे। वे साउथ अफ्रीका दौरे पर नहीं गए थे, उनके अलावा दौरे से बाहर रहे स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क की भी टीम में वापसी हुई है। तीन वनडे मैचों की सीरीज में 20 खिलाड़ी आएंगे, इनमें से 14 ऑस्ट्रेलिया की वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा है। ट्रेविस हेड साउथ अफ्रीका दौरे पर इंजर्ड होने के कारण ऑस्ट्रेलिया में ही अपनी फिटनेस रिकवर कर रहे हैं। टीम में पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, मिचेल मार्श, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोइनिस, कैमरन ग्रीन, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, एडम जम्पा, एश्टन एगर और सीन एबॉट, मार्नस लाबुशेन, नाथन एलिस, आरोन हार्डी, स्पेंसर जॉनसन, तनवीर संघा और मैथ्यू शॉर्ट हैं।

8 अक्टूबर को वर्ल्ड कप में भिड़ेंगी दोनों टीमें – ऑस्ट्रेलिया और भारत वनडे सीरीज के बाद सीधे वर्ल्ड कप खेलने उतरेंगे। 8 अक्टूबर को दोनों टीमें चेन्नई के मैदान पर भिड़ेंगी। दोनों ही टीमों का यह वर्ल्ड कप में पहला मुकाबला होगा। वर्ल्ड कप मैच से पहले दोनों टीमें 2-2 वॉर्म-अप मैच भी खेलेंगी। भारत 30 सितंबर को इंग्लैंड और 3 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलेगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया 30 सितंबर को नीदरलैंड और 3 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ वॉर्म-अप मैच खेलेगा।

अब देखें वर्ल्ड कप के लिए दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दूल ठाकुर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी।

रियो आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत को मिला दूसरा मेडल

निश्चल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में सिल्वर जीता

रियो।
रियो में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में निश्चल ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता। भारत का इस वर्ल्ड कप में दूसरा मेडल है। इससे पहले 10 मीटर राइफल में विमेंस में भारत को गोल्ड मिला था। निश्चल का यह सीनियर वर्ग में पहला वर्ल्ड कप है। निश्चल ने फाइनल में 458.0 स्कोर किया। पहले नंबर पर रही नॉर्वे की ऐस जीनत हेग डुएस्टेड ने 461.5 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। जबकि डेनमार्क की स्टेफनी ग्रुंडसोई ने 447.6 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

डुएस्टेड जीत चुकी हैं 12 वर्ल्ड कप

नॉर्वे खिलाड़ी डुएस्टेड एयर राइफल यूरोपियन चैंपियन हैं। साथ ही वह 300 मीटर थ्री पोजीशन की भी वर्ल्ड चैम्पियन भी हैं। वे वर्ल्ड कप में 5 गोल्ड सहित 12 मेडल जीत चुकी हैं। टोक्यो ओलिंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

क्वालिफिकेशन राउंड में निश्चल ने 592 स्कोर के साथ किया क्वालिफाई

क्वालिफिकेशन राउंड में निश्चल ने 592 अंक के साथ फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुईं। जबकि अन्य भारतीय शूटर अंजुम और आयुषी फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकीं। अंजुम 586 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन राउंड में 10वें स्थान पर रहीं और आयुषी 580 अंकों के साथ 35वें स्थान पर। फाइनल राउंड में निश्चल और डुएस्टेड आमने-सामने रहीं। 45 शॉट के फाइनल में कभी डुएस्टेड तो कभी निश्चल पहले स्थान पर रहीं। पहले घुटने पर बैठ कर निशाना साधने में 15 शॉट के बाद निश्चल 0.1 से डुएस्टेड से पीछे रहीं। उसके बाद जमीन पर लेट कर निशाना साधने में 15 शॉट के बाद भी वह दूसरे स्थान पर रहीं।

इंटरनेशनल रेसलर बोली-बड़ी साजिश का शिकार हुई: अंशु मलिक ने कहा- वीडियो में दिख रहे लड़का-लड़की रिलेशनशिप में, मेरा इससे संबंध नहीं

पानीपत।
हरियाणा की इंटरनेशनल रेसलर ने वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। उन्होंने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो का खंडन किया है। रेसलर ने कहा है कि वह किसी बड़ी साजिश का शिकार हुई है। लोग उन पर गंदे कमेंट कर रहे हैं, लेकिन उसका इस वीडियो से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने समाज को बिना सच्चाई जाने किसी भी नतीजे पर न पहुंचने की विनती की है।

मुझे बदनाम करने की कोशिश की गई – मैं अंशु मालिक आप सब से एक बेहद जरूरी बात शेयर करना चाहती हूं। पिछले कुछ दिनों से मेरे नाम से एक फेक वीडियो वायरल किया जा रहा था। मैं आप सबको बता दूं कि मैं उसे वीडियो में नहीं हूं। मुझे सरासर बदनाम करने की कोशिश की गई है। यह एक बहुत बड़ी साजिश रची गई है। उस वीडियो में जो लड़का है वह हरियाणा का है और लड़की हिमाचल प्रदेश की है।

वीडियो में दिख रहे लड़का-लड़की रिलेशन में – दोनों आज भी रिलेशनशिप में है। दोनों ने अपने बयान पुलिस को दे दिए हैं। पुलिस ने उन बयानों को सोशल मीडिया पर अपलोड भी किया है। जिस लड़के ने उन दोनों की वीडियो के साथ मेरा नाम जोड़कर वायरल किया था, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसने अपना जुर्म पुलिस के सामने कबूल किया है। पुलिस ने उन बयानों को भी सोशल मीडिया पर अपलोड किया है।

मैं और मेरा परिवार मेंटल ट्रॉमा से गुजर रहा – मैंने अपनी बेगुनाही के सारे सबूत दे दिए हैं। जो वीडियो मेरी नहीं है, उसे मेरी बता कर लोग बहुत गंदे कमेंट कर कर रहे हैं। क्या उन लोगों ने एक बार भी नहीं सोचा कि मुझ पर और मेरे परिवार पर क्या बीत रही होगी। मैं और मेरा परिवार किस मेंटल ट्रॉमा से गुजरा होगा। जिन्होंने बिना सच जान मुझे समाज के सामने दोषी करार कर दिया। उसे लड़की को दोषी साबित कर दिया, जिसका इस पूरे प्रकरण से कोई लेना-देना भी नहीं है।

मेरे अवॉर्ड को भी गालियां दे रहे लोग – मैंने आज तक जो भी मेडल और अवॉर्ड जीते हैं, लोग उन्हें भी गालियां दे रहे हैं। मैं और मेरे परिवार ने यह उपलब्धियां बहुत मेहनत से हासिल की हैं। मेरा एक सपना था कि मैं देश को गौरवान्वित करने में अपना सहयोग कर सकूं। मेरे मां-बाप ने शुरुआत से ही मुझे यही प्रेरणा दी है की बेटा देश के लिए कुछ करके मरना है, ऐसे तो दुनिया मरती है। कुछ अच्छा करेगी तो लोग याद करेंगे। मेरे मां-बाप ने अपनी नौकरी तक छोड़कर अपनी बेटी के सपने पूरे करने के लिए दिन-रात मेहनत की है।

भद्दे कमेंट कर रहे लोग – मेरे मां-बाप और मेरे करीबी आज भी मेरे साथ खड़े हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि मुझे बदनाम करने की साजिश की जा रही है। फिर भी लोग बिना सच्चाई को जाने इतने गंदे और भद्दे कमेंट कर रहे हैं। मैं यही बात कहूंगी कि यह मुझे बदनाम करने की बहुत बड़ी साजिश रची गई है। मैं किसी साजिश का शिकार हुई हूं। आज यह मेरे साथ हुआ है। कल किसी दूसरी लड़की के साथ होगा।

फुटबाल में भारत का सामना मेजबान चीन से, बिना अभ्यास और पर्याप्त आराम के खेलेगी टीम इंडिया

हांगझोऊ।

अंतिम क्षणों में टीम के चयन के कारण भारतीय फुटबॉल टीम अभ्यास सत्र और पर्याप्त विश्राम के बिना यहां एशियाई खेलों के ग्रुप मैच में मजबूत चीन का सामना करेगी। इंडियन सुपर लीग की कुछ टीमों ने अपने खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में भाग लेने की मंजूरी नहीं दी जिसके कारण भारत ने शुक्रवार को आनन-फानन में अंतिम टीम का चयन किया था। टीम रविवार को ही चीन के लिए रवाना हुई जिससे खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र में एक साथ मिलकर खेलने का मौका नहीं मिला।

यही नहीं 22 सदस्यीय टीम के दो रक्षक खिलाड़ी कोन्सम चिंगलेनसाना सिंह और लालचुंगनुंगा बाद में टीम से जुड़ेंगे क्योंकि उनके वीजा तैयार नहीं थे। यह दोनों चीन के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जो कि भारत के लिए बड़ा झटका है। इसके अलावा भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमेच ने रविवार को कहा कि अनुभवी रक्षक खिलाड़ी संदेश झींगन और करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री पहले मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि टीम उन्हें अगले दो मैचों में उतारना चाहती है। स्टिमेच का फैसला समझा जा सकता है क्योंकि भारत के पास बांग्लादेश (21 सितंबर) और म्यांमार (24 सितंबर) के खिलाफ जीत के अच्छे मौके रहेंगे। चीन की टीम काफी मजबूत है और भारतीय टीम पर्याप्त अभ्यास और विश्राम के बिना इस मैच में उतरेगी।

इन सब परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य कोच को अपनी रणनीति तैयार करनी पड़ी है।

टीम चयन में देरी के कारण उन्हें हवाई अड्डे और विमान के अंदर खिलाड़ियों को अपनी रणनीति से अवगत कराना पड़ा। चीन की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा भी मिलेगा। एशियाई खेलों में इन दोनों देशों के बीच आखिरी मैच 2002 में कोरिया के बुसान में खेला गया था जिसमें भारत को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। कोच स्टिमेच इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि चीन के खिलाफ भारत की जीत की संभावना बहुत कम है। स्टिमेच ने कहा,' भारतीय टीम लंबे समय से एक साथ अभ्यास कर रही है। उन्होंने इस साल मार्च से मजबूत टीमों के खिलाफ चार मैच खेले हैं जिनमें से तीन में उसे हार और एक में जीत मिली थी। इसलिए हमारे लिए यह मैच कड़ा होगा क्योंकि चीन ने अपनी इस टीम पर काफी मेहनत की है।

16 साल हॉकी खेली..अब गाने गाकर घर चलाता हूं

बिहार में नहीं एक भी हॉकी ग्राउंड, प्लेयर्स का दर्द-खेल मंत्री और मुख्यमंत्री सुनते ही नहीं

पटना।
जब हॉकी की स्टिक पकड़ी तो देश का नाम रोशन करने का सपना था। लगन ऐसी कि सब जूनियर से लेकर केडी सिंह बाबू और नेशनल तक खेला। मैंने 16 साल हॉकी को दिया, लेकिन मेरे साथ ही खेल हो गया। मेरा करियर बर्बाद हो गया। कोई रास्ता नहीं दिखा तो सिंगिंग में भाग्य आजमाने लगा। अब तो नए खिलाड़ियों से कहता हूं, हॉकी में करियर बर्बाद नहीं करें। यह दर्द है दीपक कुमार का है, जो कभी हॉकी का चमकता सितारा था। वह अकेला नहीं ऐसे दर्जनों खिलाड़ी हैं, जो हॉकी के मैदान में सपने लेकर आए, लेकिन संसाधन के अभाव में ट्रैक से बाहर हो गए। कोई प्राइवेट स्कूल में पढ़ा रहा है, तो कोई बेरोजगार है। कोई संसाधन से तो कोई संघ की राजनीति से हारा।

नेशनल तक खेला, राजनीति से छोड़ दिया गेम

पटना के राणा की गिनती बिहार के अच्छे हॉकी प्लेयर में होती है। वह भी नेशनल खेल चुके

हैं। संसाधन और राजनीति में हॉकी की स्टिक छोड़नी पड़ी। राणा बिहार के हॉकी खिलाड़ियों का दर्द कुछ यूं बयां करते हैं... इस समय बिहार हॉकी शून्य पर है। यह अपने निम्नतम दौर से गुजर रही है। बिहार झारखंड जब तक एक था, तब तक यहां की टीम ठीक थी, लेकिन आज स्थिति बदतर हो गई है। इसके लिए बिहार हॉकी संघ पूरी तरह से जिम्मेदार है। बिहार में हॉकी के ऐसे प्लेयर हैं, जो देश में अपनी पहचान बना सकते हैं। लेकिन सरकार आज तक खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए एक अदद ग्राउंड तक नहीं दे पाई है। बिहार से निकले तो बन गए बड़े खिलाड़ी राणा बताते हैं, बिहार से बेसिक सीखकर बाहर ट्रायल करने वाले खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन कर लिया, लेकिन बिहार में तैयारी करने वालों को बेरोजगारी ही हाथ लगी है। बिहार सरकार के भरोसे प्रैक्टिस करने वाले हम जैसे खिलाड़ियों का तो करियर ही बर्बाद हो गया है। रोशन कुमार, सतीश लामा जैसे खिलाड़ी बिहार से बाहर निकले तो पूरा देश जान गया। बिहार में पहले हॉकी का एक माहौल था, लेकिन अब संघ की राजनीति का अखाड़ा बन गया है। खिलाड़ी इसी राजनीति का शिकार हो रहे हैं।

संघ चाहता तो बिहार में कई ग्राउंड बन जाते

हॉकी के नेशनल खिलाड़ी राणा बताते हैं, बच्चे खुद से अपना ग्राउंड बना कर अभ्यास कर रहे हैं। पुराने खिलाड़ियों में कुछ तो खेल छोड़ कर प्राइवेट ट्रेनिंग दे रहे हैं, कुछ बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। अगर बिहार सरकार पटना में हॉकी का ग्राउंड बनाया होता, इस पर ध्यान दिया जाता तो ऐसी दशा कभी नहीं होती। मैंने कई बार सरकार से मांग की, खेल दिवस तक का विरोध किया, लेकिन सब प्लान फाइलों में रह गया। मेरा करियर बर्बाद हुआ इसलिए, मैं खिलाड़ियों के दर्द को समझता हूं। मैं नहीं चाहता कि संसाधन के अभाव वाले बिहार हॉकी के खिलाड़ियों का करियर बर्बाद हो। संघ चाहता तो पटना में कम से कम एक हॉकी का सेंथेटिक ग्राउंड तो बन ही जाता।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!

भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक

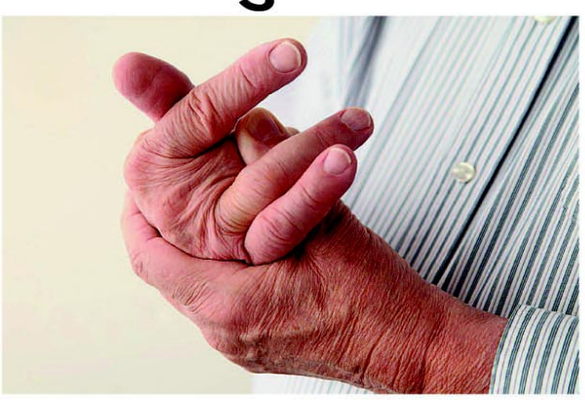

उंगुलियां चटकाने से उंगुलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगुलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगुलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।

शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।

गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।

इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।

प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक**- जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार**- अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन**- नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी** - नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी

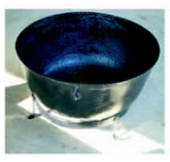

शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुंरत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती हैं। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

रेसिपी

कन्द वेफर

सामग्री

2 कप छिले और पतले कटे हुए कन्द
1 टी-स्पून तेल
2 टी-स्पून ताजी पिसी हुई कालीमिर्च
सेंधा नमक , स्वादअनुसार

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट में बटर पेपर रखें और ½ कप कंद के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त स्थान रखें और उन्हें एक के उपर ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (पुरे तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। दोनों हाथों पर ¼ टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ¼ टी-स्पून कालीमिर्च को कन्द वेफर पर छिड़के और हाथों से अच्छी तरह से मिलाएं। शेष बची सामग्रीयों से 3 और हिस्से बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा-बन्द डब्बे में संचय करें।

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**